नई दिल्ली से प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

द न्यूज फिफ्टीन

जन-जन की आवाज

RNI NO.- DELHIN/2023/86360 www.thenews15.in

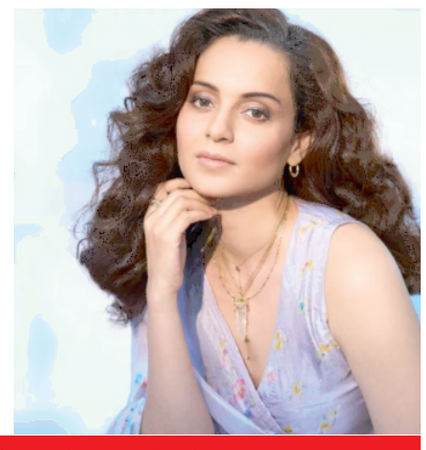

वर्ष :02 | अंक : 205 | नई दिल्ली, बुधवार 23 अक्टूबर 2024 | मूल्य : 05 | पृष्ठ-12 | सेंसर बोर्ड से पास हुई कंगना रनौत की इमरजेंसी... पेज-12

एक नजर

विजया रहाटकर ने एनसीडब्ल्यू अध्यक्ष का कार्यभार संभाला

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की वरिष्ठ नेता विजया रहाटकर ने मंगलवार को राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) की अध्यक्ष का प्रभार संभाला और इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी को स्वीकार करते हुए आयोग के प्रयासों को आगे बढ़ाने का वादा किया। कार्यभार संभालने के बाद अपने पहले संबोधन में उन्होंने महिला अधिकारों की पैरवी करने की अपनी प्रतिबद्धता और लैंगिक आधार पर हिंसा की पीड़िताओं के लिए न्याय सुनिश्चित करने पर जोर दिया। रहाटकर ने आज महिलाओं के सामने आ रही समस्याओं का उल्लेख करते हुए कहा, यह बड़ी जिम्मेदारी वाली भूमिका है और मैं पूरी क्षमता के साथ इसे निभाने का प्रयास करूंगी। उन्होंने एनसीडब्ल्यू की पूर्व अध्यक्ष के योगदान के लिए उनकी प्रशंसा करते हुए कहा, ह्यह्यरेखा शर्मा जी ने शानदार काम किया और मैं उनके द्वारा शुरू किए गए काम को जारी रखूंगी। महाराष्ट्र राज्य महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष रहाटकर ने अपने कार्यकाल के दो प्रमुख लक्ष्यों का उल्लेख किया जिसमें महिलाओं के खिलाफ अपराधों के लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराना और ऐसा माहौल पैदा करना जिसमें ऐसे अपराधियों को कानूनी परिणामों का डर हो। उन्होंने कहा कि आयोग इन उद्देश्यों को हासिल करने के लिए काम करता रहेगा। उन्होंने कहा, हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि ऐसी मानसिकता वाले लोगों को सजा दी जाए और इस प्रवृत्ति को रोका जाए। रहाटकर ने आयोग के काम के बारे में जनता के बीच बनी धारणा पर भी कहा कि उसके सभी प्रयास दिखायी नहीं देते लेकिन एनसीडब्ल्यू अपने काम को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

ईडी ने सीमा पार तस्करी के मामले में छह लोगों को गिरफ्तार किया

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को बताया कि अफगानिस्तान से भारत में मादक पदार्थ की कथित रूप से तस्करी करने वाले गिरोह से जुड़े धन शोधन के एक मामले की जांच के संबंध में एजेंसी ने छह लोगों को गिरफ्तार किया है। एजेंसी ने एक बयान में बताया कि लवजीत सिंह उर्फ लब्बा, मंजीत सिंह उर्फ मन्ना को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की विभिन्न धाराओं के तहत 11 अक्टूबर को हिरासत में लिया गया। एजेंसी के मुताबिक, प्रभजीत सिंह, गुरजोत सिंह, रमनदीप सिंह को 18 अक्टूबर को जबकि गुरप्रीत सिंह को 20 अक्टूबर को गिरफ्तार किया गया। धन शोधन का यह मामला राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) और दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ की शिकायत के बाद दर्ज किया गया था। पुलिस ने संधू एक्सपोर्ट नाम की कंपनी द्वारा आयातित कंटेनरों में मुंबई के न्हावा शेवा बंदरगाह से 293.81 किलोग्राम हेरोइन और हरियाणा के फरीदाबाद में दो वाहनों व एक फ्लैट से 352.71 किलोग्राम हेरोइन जब्त की थी। एजेंसी ने बताया कि आरोपी ह्यपंजाब, हरियाणा और दिल्ली में हेरोइन की तस्करी, मादक पदार्थ को जमा करने और उसे लोगों तक पहुंचाने का काम करते थे। ईडी ने बताया, ये लोग एक गिरोह के प्रमुख सदस्य हैं, जो अफगानिस्तान व ईरान से टैल्क स्टोन और जिप्सम पाउडर की खेप में हेरोइन छिपाकर तस्करी किया करते थे।

इतिहास रचने जा रहे मोदी और पुतिन

- हमारे शब्द ऐसे कि हमें ट्रांसलेटर की जरूरत नहीं
- जब पुतिन की बात पर खिलखिला उठे पीएम मोदी

कजान, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को यहां रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से द्विपक्षीय बातचीत की, जिसमें दोनों देशों की विभिन्न क्षेत्रों में भागीदारी को और मजबूत बनाने पर चर्चा की गई। इस दौरान पुतिन का मजाकिया अंदाज भी देखने को मिला। बातचीत के दौरान पुतिन ने कुछ ऐसा कहा कि पीएम मोदी भी जोर-जोर से हंसने लगे। दरअसल पुतिन भारत और रूस के बीच मजबूत रिश्तों का जिक्र कर रहे थे। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच ऐसे संबंध हैं जिन्हें समझने के लिए किसी ट्रांसलेटर की जरूरत नहीं है।

पुतिन ने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा, "आपको मेरे शब्द समझने के लिए ट्रांसलेटर की जरूरत नहीं है। हमारे बीच ऐसे संबंध हैं कि मुझे लगा कि आपको किसी अनुवाद (ट्रांसलेटर) की जरूरत नहीं है।" पुतिन की ये बात सुनकर पीएम मोदी भी अपनी हंसी नहीं रोक पाए। इससे पहले बैठक के दौरान दोनों नेताओं ने एक-दूसरे का गर्मजोशी से स्वागत किया और गले मिले। पुतिन ने भारत और रूस के बीच मजबूत सहयोग जिक्र करते हुए कहा, "हम भारत-रूस सहयोग को अत्यधिक महत्व देते हैं, क्योंकि दोनों देश ब्रिक्स के संस्थापक सदस्य हैं। हमारी विधायिकाओं के बीच बढ़ते सहयोग, विदेश मंत्रियों के बीच निरंतर संवाद और व्यापार में सकारात्मक वृद्धि को हम देख रहे हैं।"

कजान में हो रही बैठक में पुतिन ने बताया कि ब्रिक्स के भीतर सहयोग को और मजबूत करने के लिए कुछ महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाने हैं। वहीं बैठक में रूस-यूक्रेन संघर्ष पर भी चर्चा हुई। प्रधानमंत्री मोदी ने भारत की शांतिपूर्ण समाधान की स्थिति को दोहराया। उन्होंने कहा, "हम रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे संघर्ष पर लगातार संपर्क में हैं। जैसा कि मैंने पहले भी कहा था, हम मानते हैं कि समस्याओं का समाधान शांतिपूर्ण ढंग से होना चाहिए।" प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी कहा कि भारत पूरी तरह से शांति और स्थिरता की शीघ्र वापसी का समर्थन करता है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ बातचीत के दौरान कहा कि रूस-यूक्रेन संघर्ष को शांतिपूर्ण तरीके से हल किया जाना चाहिए और भारत इसके लिए हर संभव सहयोग देने को तैयार है। मोदी ने 16वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए रूस के कजान शहर में पहुंचने के कुछ घंटों बाद पुतिन के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। प्रधानमंत्री मोदी ने ब्रिक्स की सफल अध्यक्षता के लिए रूसी राष्ट्रपति पुतिन को बधाई देते हुए कहा कि कई देश अब इस समूह में शामिल होना चाहते हैं।

पीएम मोदी और जिनपिंग के बीच 5 साल बाद मुलाकात

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को रूस के कजान में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से इतर चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे. दोनों नेताओं के बीच पांच साल बाद यह पहली औपचारिक मुलाकात होगी. इससे पहले दोनों नेता साल 2019 में ब्राजील में हुए ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान मिले थे. कजान में मंगलवार शाम एक प्रेस वार्ता में, विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने इसकी पुष्टि की. उन्होंने कहा कि दोनों राष्ट्राध्यक्षों के बीच यह बैठक ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के मौके पर 23 अक्टूबर को होगी. मिस्री ने कहा कि द्विपक्षीय बैठक का समय बुधवार को तय होगा. यह घटनाक्रम पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (छअउ) पर पेट्रोलिंग को लेकर भारत और चीन के बीच एक नई सहमति बनने के बाद सामने आया है. बता दें कि विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने एक बयान में कहा था कि पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर भारत और चीन डेमचौक और देपसांग से अपनी सेनाओं को पीछे हटाने और इलाके में फिर से पूर्व की तरह पेट्रोलिंग शुरू करने के लिए सहमत हो गए हैं. उन्होंने कहा था दोनों देशों की सेनाओं ने पेट्रोलिंग शुरू कर दी है और सैनिकों के पीछे हटने की प्रक्रिया भी आगामी दिनों में शुरू हो जाएगी.

चीन ने अगर वास्तविक नियंत्रण रेखा पर फिर से वादा खिलाफी कर दी और समझौते का उल्लंघन किया तब क्या होगा? आजतक के इस सवाल के जवाब में विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने कहा, 'पहले डिसइंगेजमेंट होने दीजिए. देखते हैं कि यह जमीनी स्तर पर कैसे आगे बढ़ता है. आपने महत्वपूर्ण प्रश्न पूछा कि ?फिर से झड़प की स्थिति ना उत्पन्न हो, इसे रोकने के लिए क्या उपाय हैं. हमारी आशा है और कोशिश है कि जो समझौता हुआ है, उस पर ईमानदारी से अमल किया जाए और ऐसी झड़पों पर रोक लगाई जाए जो पहले हुई हैं. इसके लिए दोनों देशों को लगातार प्रयास करने होंगे ताकि पहले की घटनाएं रिपीट ना हों.'

वायनाड के लिए प्रियंका से बेहतर प्रतिनिधि की कल्पना नहीं कर सकता: राहुल गांधी

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा के वायनाड संसदीय क्षेत्र से नामांकन दाखिल करने से एक दिन पहले मंगलवार को कहा कि वह इस क्षेत्र के लिए अपनी बहन से बेहतर प्रतिनिधि की कल्पना नहीं कर सकते।

प्रियंका गांधी वाद्रा बुधवार (23 अक्टूबर) को वायनाड संसदीय क्षेत्र से नामांकन दाखिल करेंगी और इस मौके पर पार्टी संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी और कई अन्य नेता मौजूद रहेंगे।

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच ह्यएक्सह्ल पर पोस्ट किया, ह्यह्यवायनाड के लोग मेरे दिल में एक विशेष स्थान रखते हैं और मैं उनके लिए अपनी बहन प्रियंका गांधी से बेहतर प्रतिनिधि की कल्पना नहीं कर सकता। मुझे विश्वास है कि वह वायनाड की जरूरतों की एक धुर समर्थक और संसद में एक शक्तिशाली आवाज साबित होंगी।

उन्होंने कहा, कल, 23 अक्टूबर को हमारे साथ जुड़ें, जब वह वायनाड लोकसभा क्षेत्र के लिए अपना नामांकन दाखिल करेंगी। आइए मिलकर यह सुनिश्चित करें कि प्रेम से वायनाड का प्रतिनिधित्व होता रहे।

वायनाड से निर्वाचित होने पर प्रियंका पहली बार किसी सदन की सदस्य बनेंगी। वह 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले सक्रिय राजनीति में उतरी थीं। उसके बाद से वह पार्टी महासचिव की जिम्मेदारी निभा रही हैं।

लोकसभा चुनाव के कुछ दिनों बाद, जून में कांग्रेस ने घोषणा की थी कि राहुल गांधी उत्तर प्रदेश में रायबरेली संसदीय क्षेत्र रखेंगे और केरल की वायनाड सीट खाली कर देंगे, जहां से उनकी बहन प्रियंका गांधी चुनावी पारी की शुरूआत करेंगी।

निर्वाचित होने पर प्रियंका गांधी पहली बार सांसद बनेंगी तथा यह भी पहली बार होगा कि गांधी परिवार के तीन सदस्य झ्र सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका एक साथ संसद में होंगे।

30 फ्लाइट्स को मिली बम से उड़ाने की धमकी

अबतक 120 से ज्यादा विमानों को धमकी, 200 करोड़ रुपये से ज्यादा का नुकसान

- विमानों को मिल रही धमकियों को लेकर सरकार ने उठाये सख्त कदम

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के अधिकांश विमानन कंपनियों को लगातार बम से उड़ाने की धमकियां मिल रही हैं। सोमवार देर रात 30 विमानों को एक बार फिर बम से उड़ाने की धमकी मिली है। इनमें इंडिगो, विस्तारा और एअर इंडिया (एआई) की घरेलू और इंटरनेशनल फ्लाइट्स हैं। पिछले आठ दिनों में अबतक 120 से ज्यादा विमानों को बम हमले की धमकी मिल चुकी है। हालांकि, ये सभी धमकी जांच पड़ताल के बाद झूठी साबित हुई हैं।

इंडिगो एयरलाइन के प्रवक्ता ने मंगलवार को कहा कि सोमवार को उसकी चार उड़ानों को सुरक्षा संबंधी अलर्ट मिले। इनमें मंगलुरु से मुंबई आ रही 6ए164 फ्लाइट, अहमदाबाद से जेद्दा जा रही 6ए75 फ्लाइट, हैदराबाद से जेद्दा जा रही 6ए67 फ्लाइट और लखनऊ से पुणे आ रही 6ए118 फ्लाइट हैं। विस्तारा और एअर इंडिया के प्रवक्ताओं ने भी इसकी पुष्टि की है कि उनकी कुछ उड़ानों को सुरक्षा संबंधी धमकी मिली थी। उन्होंने बताया कि हमने संबंधित अधिकारियों को इसकी जानकारी दी और सभी प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन किया गया।

इससे एक दिन पहले सोमवार को नागरिक उड्डयन मंत्री के. राम मोहन नायडू ने कहा था कि विमानन कंपनियों को मिल रही धमकियां भले ही फर्जी हैं लेकिन हम इन्हें हल्के में नहीं ले सकते। उन्हों ने कहा कि हम इसके खिलाफ सख्त कानून लाएंगे। नायडू ने कहा कि ऐसी धमकी देने वालों के नाम 'नो फ्लाई लिस्ट' में शामिल किए जा सकते हैं। उन्होंतने कहा कि केंद्र सरकार विमानन सुरक्षा नियमों और नागरिक विमानन सुरक्षा के विरुद्ध गैरकानूनी कृत्यों का दमन अधिनियम, 1982 में संशोधन की योजना बना रही है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) इस मुद्दे पर लगातार गृह मंत्रालय के संपर्क में है।

सरकार ने 16 अक्टूबर को फ्लाइट्स में एयर मार्शलों की संख्या दो गुना करने का फैसला किया है। इसी दिन गृह मंत्रालय ने फर्जी धमकियों को लेकर नागर विमानन मंत्रालय से रिपोर्ट मांगी थी। सीआईएसएफ, एनआईए और आईबी को रिपोर्ट देने को कहा गया है।

ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी (बीसीएएस) ने 19 अक्टूबर को सभी एयरलाइंस कंपनियों के एयरलाइंस के मुख्यर कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) के साथ बैठक की। इसमें झूठी धमकियों से निपटने को लेकर चर्चा की गई। इसके साथ ही यात्रियों की असुविधा और एयरलाइंस के नुकसान पर भी बात हुई। केंद्र सरकार ने 19 अक्टूबर को डीजीसीए प्रमुख विक्रम देव दत्त को पद से हटाते हुए कोयला मंत्रालय में सचिव बना दिया है। इस बदलाव को धमकी वाले मामलों से जोड़कर देखा जा रहा है।

सेना प्रमुख ने भारत-चीन वार्ता की सफलता पर कहा

हम विश्वास बहाली के प्रयास कर रहे हैं

- एलएसी पर सैनिक वापसी, तनाव घटाने और सामान्य स्थिति की ओर चरणबद्ध तरीके से बढ़ेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत-चीन समझौते के एक दिन बाद भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी की पहली प्रतिक्रिया आई है। उन्होंने आज कहा कि हम अप्रैल, 2020 की स्थिति पर वापस जाना चाहते हैं। उसके बाद हम सैनिक वापसी, तनाव घटाने और एलएसी की सामान्य स्थिति की ओर चरणबद्ध तरीके से बढ़ेंगे। हम एक-दूसरे के साथ विश्वास बहाल करने का प्रयास कर रहे हैं। भारत और चीन ने डेप्सांग मैदानों और डेमचोक क्षेत्र में एक-दूसरे को गश्त करने के अधिकार बहाल करने पर सहमति व्यक्त की है, जहां अप्रैल, 2020 से पहले समस्याएं मौजूद थीं। इससे पहले पूर्वी लद्दाख में चीनी घुसपैठ के कारण गतिरोध पैदा हुआ था।

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी मंगलवार को नई दिल्ली में रक्षा थिंक टैंक यूनाइटेड सर्विस इंस्टीट्यूशन ऑफ इंडिया (यूएसआई) की ओर से आयोजित 28वें कर्नल प्यारा लाल स्मारक व्याख्यान के एक संवाद सत्र में बोल रहे थे। जनरल द्विवेदी ने कहा कि हम अप्रैल, 2020 की यथास्थिति पर वापस जाना चाहते हैं। इसके बाद हम वास्तविक नियंत्रण रेखा के विघटन, डी-एस्केलेशन और सामान्य प्रबंधन पर विचार करेंगे। एलएसी का यह सामान्य प्रबंधन सिर्फ यहीं तक सीमित नहीं रहेगा। इसमें भी चरण हैं। उन्होंने कहा कि अभी तक हम विश्वास बहाल करने की कोशिश कर रहे हैं।

सेना प्रमुख ने कहा कि विदेश सचिव विक्रम मिस्री की ओर से सोमवार को घोषित समझौते का अर्थ है कि भारत और चीन डेप्सांग मैदानों और डेमचोक क्षेत्र में एक-दूसरे को गश्त करने के अधिकार बहाल करने पर सहमत हो गए हैं, जहां अप्रैल, 2020 से पहले समस्याएं मौजूद थीं। साथ ही सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि वे विश्वास बहाल करने और एक-दूसरे को आश्वस्त करने की कोशिश कर रहे हैं और एक बार यह बहाल हो जाने के बाद अन्य चरण जैसे पीछे हटने, तनाव कम करने और वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के सामान्य प्रबंधन में आगे बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि पूर्वी लद्दाख के डेप्सांग मैदानों और डेमचोक क्षेत्र में बनाए गए बफर जोन में हम नहीं घुस रहे हैं लेकिन गश्त करने से पहले दोनों को एक दूसरे को आश्वस्त करना होगा। जनरल द्विवेदी ने कहा कि हम विश्वास बहाल करने की कोशिश कर रहे हैं।

समझौते पर पहुंचना आसान नहीं होता : नौसेना उप-प्रमुख

नई दिल्ली। नौसेना के उप प्रमुख वाइस एडमिरल कृष्ण स्वामीनाथन ने मंगलवार को कहा कि नौसेना बल यह जानकर खुश है कि भारत और चीन पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर गश्त करने के समझौते पर पहुंच गए हैं। उन्होंने इस बात को रेखांकित किया कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मुद्दों के संबंध में किसी भी तरह के समझौते पर पहुंचना 'आसान नहीं' होता है। स्वामीनाथन ने यह बात नौसेना के प्रमुख सेमिनार 'स्वावलंबन' के तीसरे संस्करण से पहले कोटा हाउस में मीडिया से बातचीत के दौरान कही। भारत ने सोमवार को घोषणा की कि भारतीय और चीनी वातार्कार पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर गश्त से जुड़े एक समझौते पर सहमत हुए हैं। वाइस एडमिरल स्वामीनाथन ने कहा, राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों पर किसी भी तरह के समझौते पर पहुंचना आसान नहीं होता है। यह आसान नहीं है, क्योंकि इसमें विचार होते हैं, धारणाएं होती हैं, भावनात्मक मुद्दे होते हैं। भूमि संबंधी मुद्दे हैं और राष्ट्रीय सुरक्षा संबंधी चिंताएं हैं।

जल संसाधनों का संरक्षण और संवर्द्धन सभी की सामूहिक जिम्मेदारी : राष्ट्रपति

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मंगलवार को इस बात पर जोर दिया कि जल संसाधनों का संरक्षण और संवर्द्धन सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। हमारी सक्रिय भागीदारी के बिना जल-सुरक्षित भारत का निर्माण संभव नहीं है।

राष्ट्रपति मुर्मु ने नई दिल्ली में केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय द्वारा घोषित नौ श्रेणियों में 38 विजेताओं की सम्मानित किया। सर्वश्रेष्ठ राज्य की श्रेणी में पहला पुरस्कार ओडिशा को, उत्तर प्रदेश को दूसरा और गुजरात और पुडुचेरी को संयुक्त रूप से तीसरा स्थान मिला है। प्रत्येक पुरस्कार विजेता को एक प्रशस्ति पत्र और एक ट्रॉफी के साथ-साथ कुछ श्रेणियों में नकद पुरस्कार भी दिए।

राष्ट्रपति ने कहा कि हम छोटे-छोटे प्रयासों से जल संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। उदाहरण के लिए, हमें अपने घरों के नल खुले नहीं छोड़ने चाहिए, इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि ओवरहेड वॉटर टैंक से पानी ओवरफ्लो न हो, घरों में जल

संचयन की व्यवस्था करनी चाहिए और सामूहिक रूप से पारंपरिक जलाशयों का जीर्णोद्धार करना चाहिए। राष्ट्रपति ने कहा कि पानी हर व्यक्ति के लिए एक बुनियादी आवश्यकता और मौलिक मानव अधिकार है। स्वच्छ जल तक पहुंच सुनिश्चित किए बिना स्वच्छ और समृद्ध समाज का निर्माण नहीं किया जा सकता। पानी की अनुपलब्धता और खराब स्वच्छता का वंचितों के स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और आजीविका पर अधिक प्रभाव पड़ता है।

राष्ट्रपति ने कहा कि यह सर्वविदित तथ्य है कि पृथ्वी पर सीमित मात्रा में ताजा पानी के संसाधन उपलब्ध हैं, फिर भी हम जल संरक्षण और प्रबंधन की अनदेखी करते हैं। ये संसाधन मानव निर्मित कारणों से प्रदूषित और समाप्त हो रहे हैं। उन्हें यह जानकर खुशी हुई कि भारत सरकार ने जल संरक्षण और जल संचयन को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए हैं।

राष्ट्रपति ने कहा कि जल संरक्षण हमारी परंपरा का हिस्सा है। हमारे पूर्वज गांवों के पास तालाब बनवाते थे। वे मंदिरों के पास या उनके भीतर जलाशय बनवाते थे, ताकि पानी की कमी होने पर उसमें संग्रहित पानी का इस्तेमाल किया जा सके।

दिल्ली में भाजपा कार्यकर्ताओं ने शीशमहल के खिलाफ किया विरोध प्रदर्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सरकारी आवास के निर्माण और सौंदर्यीकरण में हुए खर्च को लेकर भारतीय जनता पार्टी हमलावर है। मंगलवार को दिल्ली भाजपा युवा मोर्चा और महिला मोर्चा ने शांगरी-ला होटल के गोल चक्कर पर प्रदर्शन किया। हाथों में पोस्टर बैनर लेकर दिल्ली बीजेपी महिला मोर्चा और युवा मोर्चा के कार्यकर्ता प्रदर्शन कर रहे हैं। ये पार्टी कार्यकर्ता आम आदमी पार्टी के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर रहे हैं। भाजपा कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि वो टोटी लेकर गए थे और आप शीश महल से कमोड लेकर चले गएह्व।

इस मौके पर भाजपा महिला मोर्चा की पदाधिकारी अनु ने कहा कि हम आज यहां केजरीवाल के भ्रष्टाचार को उजागर करने आए हैं। उनका शीश महल (जिस आवास में पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल रहते थे) है, जिसमें उन्होंने करोड़ों के पर्दे और तीन-तीन करोड़ की टॉयलेट सीट लगवाई हैं। उन्होंने ऐसे वर्क बोर्ड लगवाए हैं, जो रिमोट से चलते हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली की जनता अब देखेगी कि कैसे पूर्व सीएम केजरीवाल कहते थे कि मैं किसी भी तरह की सुविधा नहीं लूंगा। मैं आम आदमी की तरह रहूंगा, आम आदमी की तो बात ही छोड़िए, वो उससे बहुत आगे निकल गए हैं। पहले वो कहते थे कि शीला दीक्षित ने भ्रष्टाचार किया है, उन्होंने 10 एसी लगवाए, देखिए उन्होंने अपना शौचालय बनवाया है, एक शौचालय की कीमत 3 करोड़ रुपए है, जिसकी खासियत ये है कि उसका कमोड रिमोट से खुलता है, फ्लश के लिए सेंसर लगा है। आज हम ऐसे भ्रष्टाचारियों के खिलाफ प्रदर्शन करने आए हैं, ताकि हम दिल्ली की जनता को बता सकें कि दिल्ली के अरविंद केजरीवाल बहुत ईमानदार व्यक्ति नहीं, बल्कि कट्टर भ्रष्ट व्यक्ति हैं। दिल्ली भाजपा महिला मोर्चा की कार्यकर्ता रश्मि शर्मा ने कहा कि केजरीवाल ने इस्तीफा तो दे दिया है लेकिन उनकी डिटेल सामने आ गई है। पीडब्ल्यूडी ने जो लिस्ट दी है, किस लिस्ट में क्या-क्या चीजें हैं जो उन्होंने अपने शीश महल में लगवाई, शीश महल जनता का पैसा था, उसका दुरुपयोग करके उन्होंने इसे महल में लगा दिया। हमारी बस यही मांग है कि उन्होंने शीश महल में जो पैसा लगाया है, जो चीजें उन्होंने इसके अंदर से चुराई हैं, रिमोट वाले पर्दे, करोड़ों का एलईडी टीवी जो उन्होंने लगवाया है, जनता का जो पैसा बर्बाद किया है, वो जनता का पैसा लौटाएं।

बता दें कि भारतीय जनता पार्टी का आरोप है कि दिल्ली के मुख्यमंत्री रहते हुए अरविंद केजरीवाल ने सरकारी आवास के निर्माण और सौंदर्यीकरण पर बड़ी रकम खर्च की थी। पार्टी के मुताबिक तत्कालीन सीएम ने आम लोगों के टैक्स का बहुत बड़ा हिस्सा बंगले पर खर्च किया था। भारतीय जनता पार्टी ने इसे शीश महल नाम दिया। केजरीवाल ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद यह सरकारी बंगला खाली कर दिया था। इसके बाद पीडब्ल्यूडी विभाग ने रविवार को आवास के सामान की एक लिस्ट जारी की। इस लिस्ट में बताया गया कि अरविंद केजरीवाल के घर में 19.5 लाख रुपये की स्मार्ट एलईडी टर्नटेबल डाउनलाइट्स, बॉडी सेंसर लगे हुए थे। साथ ही रिमोट कंट्रोल सिस्टम वाले कुल 80 पर्दे भी लगे हुए थे। इन सब की कुल कीमत 4 करोड़ से लेकर 5.6 करोड़ तक हो सकती है। इसके अलावा सीएस आवास में 64 लाख रुपये की लागत से 16 टीवी भी लगाए गए। साथ ही 10 लाख रुपये के रिक्लाइनर सोफा, स्मार्ट एलईडी टर्न्टेबल डाउनलाइट, रसोई में लगे ओवन की कीमत 9 लाख रुपए, सजावटी खंभों की कीमत 36 लाख रुपए और लग्जरी टॉयलेट सीट की कीमत 10-12 लाख रुपये बताई जा रही है।

एक नजर

दीपावली से पहले बोनस देने की मांग मानी अतिरिक्त आयुक्त वीर सिंह यादव ने

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली नगर निगम समस्त युनीयन कोर कमेटी ने अतिरिक्त आयुक्त वीर सिंह यादव से राजकुमार धिंगाना संजय टांक विवेक टांक सागर राणा ने मुलाकात की ओर कोर कमेटी ने उनसे अपील की कच्चे पक्के सफाई कर्मचारियों की सैलरी व ड्रेस अलाउंस जो कि 35 हजार रुपए है एक कर्मचारि का ओर बोनस कच्चे कर्मचारियों को रुका हुआ एरियर यह सब डिमांड की जिसको अतिरिक्त आयुक्त महोदय ने कोर कमेटी की मांग मानते हुए स्वीकार किया और दीपावली से पहले ही सैलरी ड्रेस अलाउंस बोनस कच्चों का एरियर 28 अक्टूबर को आपके खातों में पहुंच जाएगा। उक्त जानकारी संजय टांक महासचिव दिल्ली नगर निगम समस्त युनियन कोर कमेटी नें दी।

इलेक्ट्रिक बसों का संचालन नहीं हुआ शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी। एक सप्ताह से बंद 300 इलेक्ट्रिक बसों का संचालन शुरू कराने के लिए सोमवार को परिवहन विभाग के शीर्ष अधिकारियों के साथ हुई बस ऑपरेटरों की वार्ता विफल हो गई। परिवहन विभाग ने बस ऑपरेटरों को दो जरूरी दस्तावेज (टेबल-1 और टेबल-2) जमा कराने के लिए कहा है। इन दस्तावेजों को जमा कराने के लिए बस ऑपरेटरों ने मोहलत मांगी और बसों का दोबारा संचालन शुरू करने से पहले भुगतान किए जाने की मांग रखी है। दिल्ली परिवहन विभाग ने बीते फरवरी माह में इन बसों का संचालन शुरू कराया था। बस ऑपरेटरों को फरवरी से अभी तक भुगतान नहीं किया गया है और अब परिवहन विभाग पर उनका करीब 75 करोड़ रुपये बकाया है। इस वजह से बस ऑपरेटरों ने ड्राइवरों और अन्य सहायक स्टाफ की आपूर्ति करने वाली फर्मों का भुगतान रोक दिया है। करीब दो महीने से वेतन न मिलने के कारण इन बसों के ड्राइवरों ने 16 अक्तूबर से काम बंद कर दिया है। एक साथ तकरीबन 30 रूटों की 300 बसों का संचालन बंद होने से यात्रियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

नौकरी से निकाली गई बहनों का दर्द समझ सकता हूं : केजरीवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी ने दिल्ली महिला आयोग में कार्यरत संविदाकर्मियों को निकाले जाने के फैसले की निंदा की है। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि कर्मचारियों के दर्द को मैं समझ सकता हूं। उन्हें भरोसा दिलाता हूं कि मुझे कुछ भी करना पड़े, लेकिन उनकी नौकरी वापस दिलवाऊंगा। आप ने कहा कि दीवाली से पहले यह फैसला अमानवीय है।

पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि भाजपा अपने भाषणों और घोषणापत्र में नौकरी देने की बात करती है, लेकिन 30-30 साल से संविदा पर काम कर रहे लोगों को इस तरह हटाना पूरी तरह से गलत है। यह घटना बताती है कि भाजपा नौकरियों के खिलाफ है। वह लोगों को नौकरी से निकालने के पक्ष में रहती है। महिला आयोग में तैनात ये लोग शानदार काम कर रहे थे और किसी न किसी रूप में महिलाओं की मदद कर रहे थे।

ठगी करने वाले आरोपी की जमानत याचिका खारिज

नई दिल्ली, एजेंसी। तीस हजारी कोर्ट ने निवेश के नाम पर मोबाइल एप्लीकेशन का इस्तेमाल कर 2.25 करोड़ रुपये की ठगी करने के मामले में आरोपी की जमानत याचिका खारिज कर दी। अदालत ने पैसे के हस्तांतरण में आरोपी की सक्रिय भूमिका और दो चीनी नागरिकों की संलिप्तता को देखते हुए याचिका खारिज कर दी। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश (एएसजे) जोगिंदर प्रकाश नाहर ने कहा कि आरोपी अली कम समय में एक खाते से 2.25 करोड़ रुपये की धनराशि के हस्तांतरण में सक्रिय रूप से शामिल है। जांच अधिकारी की ओर से उक्त राशि की जांच की जा रही है। ऐसे में अली जमानत का हकदार नहीं है।

पश्चिमी दिल्ली में एक व्यक्ति ने महिला को चाकू मारा

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिमी दिल्ली के तिलक नगर इलाके में 30 वर्षीय एक महिला को पड़ोस में रहने वाले एक व्यक्ति ने कथित तौर पर चाकू मार दिया। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया है और उसके पास से हथियार बरामद किया गया है। उन्होंने बताया कि घटना सोमवार रात 11.30 बजे हुई जब 36 वर्षीय रविंद्र सिंह उर्फ गोल्डी पीड़िता के घर में घुसा और उस पर चाकू से कई वार किए।

पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) विचित्र वीर ने बताया कि पीड़िता को अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उसका ऑपरेशन किया गया और उसके स्वास्थ्य पर नजर रखी जा रही है। पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक जांच के मुताबिक, पीड़िता दो साल पहले अपने पति और बच्चों के साथ इस मोहल्ले में रहने आई थी। सिंह और पीड़िता के बीच कभी-कभी बातचीत होती थी। अधिकारी ने कहा, जब वह सिंह की बातों से असहज महसूस करने लगी, तो उसने उससे दूरी बना ली, लेकिन कोई औपचारिक शिकायत नहीं की।

महरौली में मुठभेड़ के बाद तीन वाहन चोर गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी में मंगलवार की सुबह पुलिस के साथ संक्षिप्त मुठभेड़ के बाद, कथित तौर पर मोटर वाहन चोरी करने में लिप्त तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस दल और आरोपियों के बीच महरौली इलाके में मामूली गोलीबारी हुई। उन्होंने बताया कि आरोपियों ने दिल्ली से चार पहिया वाहन चुराए और उन्हें उत्तर प्रदेश के मेरठ में बेच दिया था। अधिकारी ने बताया कि अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है।

कांग्रेस के टिकट के इच्छुक नेताओं से प्रभारी दानिश अबरार मुलाकात करेंगे आज

नई दिल्ली, एजेंसी। विधानसभा चुनाव 2025 का बिगुल बज चुका है और दिल्ली में राजनीतिक सरगर्मियां शुरू हो गई हैं। दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस पार्टी पूरी तरह से तैयार है. बाबरपुर जिला कांग्रेस कमेटी के अंतर्गत सभी पांच विधानसभा क्षेत्रों में कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ने के इच्छुक नेता आज यानी 21 अक्टूबर 2024 को कमरा नंबर 5, 24 अकबर रोड पर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव और दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रभारी दानिश अबरार से मुलाकात करेंगे। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के डेली गेट सैयद नासिर जावेद ने जानकारी देते हुए बताया कि पूरी दिल्ली में कांग्रेस पार्टी के 14 जिले हैं, जिनमें से 7 जिलों की जिम्मेदारी दानिश अबरार को सौंपी गई है, सुबह 11 बजे रोहताश नगर विधानसभा, 12 बजे सीमापुरी विधानसभा, 1 बजे गोंडा विधानसभा, दोपहर 2 बजे बाबरपुर विधानसभा और दोपहर 3 बजे सीलमपुर विधानसभा क्षेत्र के नेताओं के साथ मुलाकात करेंगे।

बेहद गंभीर श्रेणी में दिल्ली की हवा

हवा का औसत एक्यूआई 317 अंक पर बना हुआ है

नई दिल्ली, एजेंसी। सर्दियों के आते ही राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में प्रदूषण का स्तर भी अधिक होने लगता है। इसी क्रम में मंगलवार को सुबह 8.30 बजे तक दिल्ली का औसतन वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 317 अंक पर बना हुआ है, जो बेहद गंभीर श्रेणी में आता है। केंद्रीय प्रदूषण एवं नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार दिल्ली में मंगलवार सुबह 8:30 बजे तक औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 317 अंक पर बना हुआ है। दिल्ली एनसीआर के अलग-अलग स्थानों की बात करें तो शहर फरीदाबाद में 156, गुरुग्राम में 221, गाजियाबाद में 263, ग्रेटर नोएडा में 276 और नोएडा में 246 अंक बना हुआ है। चिंताजनक बात यह है कि राजधानी दिल्ली के अधिकांश और ज्यादातर इलाकों में वायु गुणवत्ता सूचकांक का स्तर 300 से ऊपर और 400 के बीच में बना हुआ है, जो बेहद खराब श्रेणी मानी जाती है। दरअसल, अलीपुर में 322, आनंद विहार में 385, अशोक विहार में 342, आया नगर में 316, बवाना में 350, बुराड़ी क्रॉसिंग में 340, डॉ करणी सिंह शूटिंग रेंज में 314, द्वारका सेक्टर 8 में 324, आईजीआई एयरपोर्ट में 318, जहांगीरपुरी में 358, मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में 328, मंदिर मार्ग में 319, मुंडका में 365, नजफगढ़ में 316 और नरेला में 324 बना हुआ है। इन स्थानों के अलावा नेहरू नगर में 321, नॉर्थ कैंपस डीयू में 310, ओखला फेस टू में 314, पटपड़गंज में 308, पंजाबी बाग में 354, दिलशाद गार्डन में 303, आरके पुरम में 333, रोहिणी में 348, सिरी फोर्ट में 395, विवेक विहार में 338 और वजीरपुर में 350 अंक एक्यूआई है। वहीं, दिल्ली के 8 इलाकों में एक्यूआई स्तर 200 से ऊपर और 300 के बीच में बना हुआ है। जिसमें, चांदनी चौक में 212, डीटीयू में 272, आईटीओ में 296, जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में 264,लोधी रोड में 281, एनएसआईटी द्वारका में 250, पूसा में 303 और श्री अरविंदो मार्ग में 298 अंक बना हुआ है।

दिल्ली की चरमरा चुकी कानून व्यवस्था के लिए भाजपा-आप दोनों बराबर के जिम्मेदार : देवेन्द्र यादव

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कहा कि दिल्ली में कानून व्यवस्था इस कदर चरमरा चुकी है कि आज दिन दहाड़े खुले आम गोलीबारी हो रही है बाम्ब प्लांट किए जा रहे, वसूली और गन पाइंट पर लूटमार के मामले सामने आ रहे है। जिससे पूरी तरह साफ हो गया है कि राजधानी में बिगड़ती कानून व्यवस्था के भाजपा और आम आदमी पार्टी की सरकार जिम्मेदार है। आज सुबह रोहिणी में सीआरपीएफ स्कूल के पास हुआ बम्ब धमाका बेहद चौकाने वाला है क्योंकि त्यौहारी सीजन में धमाका होना दिल्ली में सुरक्षा व्यवस्था और गृह मंत्रालय निर्यंत्रित दिल्ली की चौकसी की पोल खोल रहा है। उन्होंने कहा कि यह चौकाने वाला है कि फोरेंसिक विभाग ने शुरूआती जांच में क्रूड बम जैसा मटेरियल मिला है।

देवेन्द्र यादव आज बल्लीमारान विधानसभा की कार्यकारिणी बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने जनता से अपील की कि वो भीड़ भाड़ वाले क्षेत्र में जाने से पहले अपने आसपास ध्यान करें कि कहीं कोई अपराधिक गतिविधि तो नही हो रही। कार्यकारिणी बैठक में प्रदेश अध्यक्ष देवेन्द्र यादव के साथ पूर्व मंत्री हारुन यूसूफ, पूर्व विधायक एवं कम्युनिकेशन विभाग के चेयरमैन अनिल भारद्वाज, अ0भा0क0कमेटी के सचिव जितेन्द्र बघेल, पूर्व पार्षद सुलक्षणा सिनन्धी, निगम चुनाव लड़े प्रत्याशी, सेवादल, महिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस, सेल एवं विभाग के पदाधिकारी बड़ी संख्या में मौजूद थे। देवेन्द्र यादव ने कहा कि दिल्ली की में बदलाव की बयार चल रही है, मैं जहा भी जाता हूं वहां लोग भाजपा और आम आदमी पार्टी से बहुत दुखी महसूस कर रहे है।

उन्होंने कहा कि दिल्ली की जनता ने भाजपा और आम आदमी पार्टी को कुछ उम्मीदों और अपने सपने पूरे होने के लिए चुना था परंतु दोनों सरकार की नीति और नियत पूरी तरह उजागर हो चुकी है।

दिल्ली में बढ़ते वायु प्रदूषण के मद्देनजर पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने सभी संबंधित विभागों के साथ बैठक कर दिए निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि दिल्ली में ठंड बढ़ने और हवा की गति कम होने के कारण दिल्ली में प्रदूषण बढ़ रहा है। तेजी से तापमान कम हो रहा है और हवा की गति भी काफी कम है। सीएक्यूएम ने ग्रेप-2 लागू करने का निर्देश दिया था जिसे दिल्ली में लागू किया गया है। दिल्ली में कई जगहों पर एक्यूआई का स्तर काफी बढ़ रहा है। उसे कैसे नियंत्रित किया जाए और ग्रेप-2 के नियमों को और सख्ती से कैसे लागू किया जाए, उसके लिए मंगलवार को सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ संयुक्त मीटिंग की। गोपाल राय ने बताया कि हॉटस्पॉट पर सघन निगरानी का निर्देश दिया गया है। डस्ट सप्रेसेंट मिलाकर हॉट स्पॉट पर पानी के छिड़काव करने का निर्देश दिया गया है। दिल्ली में सड़कों की सफाई के लिए एमसीडी के 6200 सफाई कर्मचारी को लगाया जाएगा। साथ ही यातायात के सुचारू प्रवाह और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर 1800 ट्रैफिक पुलिस की तैनाती की गई है। सभी सरकारी विभागों, प्राइवेट एजेंसी, कंस्ट्रक्शन साइट को निर्देश दिया गया है कि रात की ड्यूटी पर तैनात सिक्योरिटी गार्ड को हीटर उपलब्ध करवाएं। दिल्ली में सार्वजनिक परिवहन मेट्रो और सीएनजी/इलेक्ट्रिक बस सेवा की फ्रीक्वेंसी बढाई जाएंगी। आगे गोपाल राय ने कहा कि वाटर स्प्रिंकलिंग करने वाले सभी संबंधित विभागों को आदेश दिया गया है कि वे पानी के छिड़काव में तेजी लाएं और डस्ट सप्रेसेंट्स मिलाकर हॉटस्पाट में छिड़काव करें। पीडब्ल्यूडी को आदेश दिया है कि वे मोबाइल एंटी स्मॉग गन की तैनाती निर्माण कार्य स्थलों तथा धूल वाले स्थलों पर भी करें। उन्होंने आगे कहा कि हॉट स्पॉट पर कोऑर्डिनेशन टीम को प्रतिदिन दौरा करने का निर्देश दिया गया है। एंटी डस्ट टीम को प्रतिदिन कम से कम दो सी एंड डी साइट का निरीक्षण करने का निर्देश दिया गया है। पर्यावरण मंत्री ने बताया कि ग्रेप 2 के कार्यान्वयन के तहत डीटीसी और मैट्रो को फ्रीक्वेंसी और फेरे बढ़ाने के निर्देश जारी किए गए। इसी क्रम में डीटीसी ने फ्रीक्वेंसी बढ़ाई है, मेट्रो ने 40 फेरे बढ़ा दिए हैं। मेट्रो को आगे और ज्यादा फेरे बढ़ाने के लिए कहा गया है। वहीं यातायात के सुचारू प्रवाह और

कांग्रेस प्रभारी सचिव दानिश अबरार नें दूसरे दिन करावल नगर जिले के दावेदारों से की चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विधानसभा चुनाव बेशक अभी 4 महीने दूर है लेकिन दिल्ली कांग्रेस ने चुनाव लड़ने के इच्छुकों के साक्षात्कार कर उनकी जमीनी जांच पड़ताल करना शुरू कर दिया है। अखिल भारतीय कांग्रेस कार्यालय में पिछले दो दिनों से चल रहे साक्षात्कारों की कड़ी में आज करावल नगर जिले के अंतर्गत आने वाली पांचों विधानसभाओं में से प्रत्येक विधानसभा से दर्जन भर से ज्यादा और कई विधानसभा से तो 20 से भी ज्यादा दावेदारों ने अपने अपने दावे पेश कर साक्षात्कारकर्ताओ से चुनाव को लेकर अपनी अपनी रणनीति पर चर्चा की और अपनी अपनी दावेदारी मजबूत बताने का प्रयास किया। साक्षात्कारकर्ताओ के रूप में दिल्ली सह प्रभारी दानिश अबरार, जिलाध्यक्ष आदेश भारद्वाज और जिला आब्जर्वर पी के मिश्रा ने भावी उम्मीदवारों से इंटरव्यू के दौरान चुनावी और उनके सामाजिक दायरे से संबंधित कई सवाल भी पूछे। साक्षात्कारकर्ता दानिश अबरार, आदेश भारद्वाज और पी के मिश्रा ने बताया कि चुनाव लड़ने के इच्छुक सभी लोगों से मुलाकात काफी सकारात्मक रही है लेकिन फिर दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव की पहल पर हम कोई चूक नहीं छोड़ना चाहते हैं इस लिए प्रत्येक विधान सभा में एक दिन का अधिवेशन रखा जाएगा इस अधिवेशन में सभी वरिष्ठ कांग्रेसजनों का सम्मान किया जाएगा। युवा साथियों के विचार जाने जाएंगे। साथ ही चुनाव लड़ने के इच्छुक सभी साथियों को अपनी अपनी विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक बूथ से 2 से 5 की संख्या में अपने अपने बूथ इंचार्ज के रूप में व्यक्ति लाने होंगे। जिनके लिए उनका वोटर कार्ड और आधारकार्ड लाना भी अनिवार्य होगा। हम उन बूथ इंचार्ज लोगो से बात कर उनके क्षेत्रों की समस्याओं को सुनेंगे और उनके सुझाव भी लेंगे।

सरदार मनमोहन सिंह को भारत रत्न देने की मांग

नामधारी सिखों ने सरकार से की विनती

नई दिल्ली, एजेंसी। नामधारी सिखों ने भारत सरकार से पूर्व प्रधानमंत्री सरदार मनमोहन सिंह को भारत रत्न से सम्मानित करने की मांग की है। मंगलवार को दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में आयोजित प्रेस वार्ता में नामधारी सिखों ने कहा कि मनमोहन सिंह पहले अमृतधारी-केशधारी सिख होंगे, जिन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया जाएगा। इस कारण उन्हें भारत रत्न आवश्य मिलना चाहिए। रणबीर सिंघ ने बताया कि सतिगुरू राम सिंघ जी की कृपा से, अपने वर्तमान गुरू ठाकुर दलीप सिंघ जी के आदेशानुसार इस संदर्भ में, नामधारी सिखों ने सरकार के मंत्रियों को कई पत्र भी लिखे हैं। उन्होंने कहा कि मनमोहन सिंह की राष्ट्र के प्रति सेवाओं को ध्यान में रखते हुए, भारत सरकार द्वारा उन्हें 1987 में पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था, तथा 2010 में सऊदी अरब द्वारा ऑर्डर ऑफ किंग राजा अब्दुलअजीज और 2014 में जापान द्वारा ऑर्डर ऑफ द पॉलाउनिया फ्लावर पुरस्कारों से भी सम्मानित किया गया था। नामधारी सिखों ने बताया कि मनमोहन सिंह ने राष्ट्र निर्माण के अनेक महान कार्य किए हैं, जिस कारण, वह भारत रत्न के योग्य हैं। लखविंदर सिंघ ने कहा कि भा.ज.पा. सरकार ने; विपक्षी दलों के प्रधानमंत्री होने के बावजूद भी नरसिम्हा राव और चौधरी चरण सिंह को, भारत रत्न" प्रदान कर के, यह प्रत्यक्ष कर दिया है कि भा.ज.पा.; पार्टी राजनीति से ऊपर उठ कर, भारत की महान शख्सियतों का सम्मान करती है।

श्री माता वैष्णो के दरबार में परिवार सहित आशीर्वाद लेने पहुंचे अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल ने सोमवार को जम्मू कश्मीर के माता वैष्णो देवी मंदिर में दर्शन किए। इस अरविंद केजरीवाल अपने परिवार सहित आरती में भाग शामिल हुए और माता वैष्णो देवी का आशीर्वाद लिया। इस दौरान दिल्ली पूर्व सीएम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा है कि आज अपनी धर्मपत्नी के साथ माता वैष्णो देवी के दरबार में पहुंचा, दर्शन किए और सभी देशवासियों के लिए मंगल की कामना की। माता रानी सबका भला करें और आशीर्वाद दें। जय माता दी। जेल से रिहा हुए केजरीवाल मालूम हो कि पूर्व सीएम केजरीवाल को इस साल मार्च में दिल्ली शराब नीति घोटाला मामले में ईडी ने गिरफ्तार किया था। सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने के बाद केजरीवाल पिछले महीने तिहाड़ जेल से बाहर आए हैं। दिल्ली की तिहाड़ जेल से रिहा होने के बाद केजरीवाल दिल्ली के कनॉट प्लेस स्थित हनुमान मंदिर में मत्था टेका था। तो वहीं अब केजरीवाल अपने पूरे परिवार सहित माता वैष्णो देवी के दर्शन करने के लिए पहुंचे हैं। दिल्ली मे राजनीतिक पार्टियों की तैयारी तेज दिल्ली में फरवरी में विधानसभा चुनाव होने है। जिसके लिए सभी राजनीतिक पार्टियां तैयारी कर रही है। राज्य में भाजपा और आम आदमी पार्टी राजनीतिक पार्टियां वोटरों को लुभाने की पुरजोर कोशिश कर रही हैं। ऐसे में दिल्ली के पूर्व सीएम केजरीवाल अपनी पत्नी सुनीता संग माता वैष्णो देवी के दर्शन करने गए हैं। इस बात से जानकारी उन्होंने अपने एक्स

हाई पावर कमेटी की रिपोर्ट सार्वजनिक होने पर संयुक्त किसान मोर्चा का डीएम कार्यालय पर चल रहा धरना हुआ समाप्त

ग्रेटर नोएडा, किसान मोर्चा की समन्वय समिति हाई पावर कमेटी की रिपोर्ट की समीक्षा कर आंदोलन की रणनीति बनाकर घोषणा करेगी। किसान मोर्चा के नेतृत्व में कलेक्ट्रेट पर आज नौवे दिन प्रशासन ने सभी मुद्दों पर मीटिंग मिनट बनाते हुए समय सीमा के अंतर्गत समाधान का आश्वासन देते हुए और हाई पावर कमेटी की रिपोर्ट को सौंपते हुए किसानों की मांग को पूरा किया। उसके बाद किसान मोर्चा ने डीएम कार्यालय सूरजपुर ग्रेटर नोएडा पर चल रहे धरने को समाप्त करने का निर्णय लिया। आज धरने के अध्यक्षता किसान परिषद के नेता जयप्रकाश आर्य ने की धरने का संचालन जगबीर नंबरदार और वीर सिंह नागर ने किया। धरने पर जय जवान जय किसान मोर्चा अखिल भारतीय किसान सभा भारतीय किसान परिषद कृषक शक्ति किसान एकता संघ किसान संघर्ष समिति ऐछर किसान यूनियन महात्मा टिकैत की समन्वय समिति ने बैठकर कलेक्ट्रेट पर धरने की मांगों के पूरा होने के उपलक्ष में धरने को समाप्त करने का निर्णय लिया साथी फैसला लिया कि जल्दी ही मीटिंग बुलाकर हाई पावर कमेटी की रिपोर्ट की समीक्षा की जाएगी और आगे के आंदोलन के रणनीति बनाकर घोषणा की जाएगी। किसान सभा के जिला अध्यक्ष डॉ रुपेश वर्मा ने आज नौवे दिन धरने को संबोधित करते हुए की किसान आंदोलन हाई पावर कमेटी की रिपोर्ट को सार्वजनिक करने के मकसद से शुरू किया गया था जिसमें एनटीपीसी के किसानों की समिति के गठन के संबंध में रोजगार के संबंध में एवं जिले में डीएमआईसी पेरीफेरल एक्सप्रेसवे हाइटेक सिटी असल हाइटेक सिटी आदि सभी प्रोजेक्ट के सक्षम अधिकारियों के साथ एक महीने के अंदर उनकी समस्याओं को निराकरण के लिए डीएम साहब के हस्तक्षेप से बातचीत कराई जाने का लिखित में आश्वासन लिया गया है। भारतीय किसान परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखबीर खलीफा ने संबोधित करते हुए कहा की लड़ाई आर पार की थी विधायक और सांसद हाई पावर कमेटी सार्वजनिक करने में नाकाम साबित हुए। जय जवान जय किसान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील फौजी ने कहा कि जिलाधिकारी महोदय ने रिपोर्ट को सार्वजनिक करने से यह कहकर इंकार कर दिया था की रिपोर्ट को सार्वजनिक करना उनके अधिकार क्षेत्र में नहीं है। इस चुनौती को संयुक्त किसान मोर्चा ने स्वीकार करते हुए 14 अक्टूबर को रात दिन के धरने की शुरूआत की जिसमें दिन प्रतिदिन संगठन और लोगों की संख्या जुड़ती चली गई शासन और प्रशासन ने किसानों के बढ़ते दबाव के कारण रिपोर्ट को सार्वजनिक कर दिया। किसान संघर्ष समिति ऐछर के अध्यक्ष बृजेश भाटी ने कहा कि यह लड़ाई की शुरूआत है सभी संगठन मिलकर समीक्षा करेंगे और आगे के आंदोलन की जल्दी ही घोषणा की जाएगी आंदोलन बड़ा होगा। किसान एकता संघ के नेता सोरेन प्रधान ने कहा कि हम किस मोर्चा के साथ में हैं कंधे से कंधा मिलाकर लड़ेंगे। भारतीय किसान यूनियन महात्मा टिकेट के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल तालान ने कहा की गौतम बुध नगर का किसान जाग चुका है आंदोलन अपने निर्णायक दौर में है सफलता प्राप्त करके ही खत्म होगा। किसान यूनियन कृषक शक्ति के नेता जितेंद्र भाटी ने कहा की हर कीमत पर आंदोलन के उसके अंतिम परिणाम तक पहुंच कर ही हम लोग दम लेते हैं कलेक्ट्रेट पर रिपोर्ट की मांग को लेकर कर हम लोग आए थे जिसमें हमें पूरी सफलता मिली है रिपोर्ट की समीक्षा कर आगे के आंदोलन की घोषणा की जाएगी। इस मौके पर आजाद समाज पार्टी के जिला अध्यक्ष सुशील प्रधान और कांग्रेस पार्टी के जिला अध्यक्ष दीपक चोटी वाला ने किसानों का समर्थन करते हुए आगे भी आंदोलन में साथ रहने की घोषणा की।

इस मौके पर निरंकार प्रधान, निशांत रावल, सुधीर रावल, भोजराज रावल ,शांति देवी, गीता देवी, हृदय शर्मा, अजब सिंह भाटी, सचिन भाटी एडवोकेट, विरेद्र राघव, मुकेश राणा, जितेंद्र राणा, करण राघव, पंकज खारी, नितिन राणा, सतबीर यादव, गबरी यादव, ओम दत्त पंडित जी, भीम सिंह, अजी पाल भाटी, सुंदर प्रधान पप्पू ठेकेदार, मनोज प्रधान, मनवीर खानपुर, सूल यादव बुधपाल यादव सतबीर यादव, मास्टर राजवीर सिंह, सतपाल खारी, गंगेश्वर दत्त शर्मा,धर्मेंद्र भाटी, अशोक भाटी, प्रशांत भाटी, गुरप्रीत एडवोकेट, मोहित भाटी, मोहित यादव, मोहित नागर, बाबा रंगलाल भाटी, जयप्रकाश आर्य और अनूप राघव ,गोपाल शर्मा, विक्रम भारती, जगत प्रधान संजय शर्मा, जयवीर प्रधान, सोनू पहलवान, नीरज गुर्जर, कंवरपाल प्रधान, सचिन एडवोकेट, जोगेंद्र देवी, रईसा, बेगम तिलक, चंदा बेगम, आशा यादव, रेखा चौहान, गुड़िया देवी, रीना भाटी, संतोष, सविता, रीता, गीता, सुनीता महिला पुरुष शामिल रहे। भवदीय, डॉक्टर रुपेश वर्मा, अध्यक्ष, अखिल भारतीय किसान सभा, गौतम बुद्ध नगर।

एक नजर

27 किलोग्राम पटाखों सहित एक गिरफ्तार

फरीदाबाद, एजेंसी। पुलिस ने एनजीटी के आदेशों के चलते पटाखों की खरीद-फरोख्त करने वालों पर कार्यवाही करनी शुरू कर दी है। इसी कड़ी में अपराध शाखा डीएलएफ की टीम ने अवैध पटाखों सहित आरोपित को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने मंगलवार को बताया कि गिरफ्तार आरोपित हरी किशन धीरज नगर पल्ला का रहने वाला है। जिसको अपराध शाखा टीम ने अपने गुप्त सूत्रों से प्राप्त सूचना पर थाना पल्ला के एत्मादपुर पुल एरिया से काबू किया है। पुलिस ने आरोपित के पास से 27.566 किलोग्राम पटाखे बरामद किए हैं। पुलिस ने थाना पल्ला में संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपित परचून की दुकान चलाता है। पूछताछ में सामने आया कि आरोपित ज्यादा मुनाफा कमाने के लिए दिल्ली में किसी व्यक्ति से 14 हजार रुपये में प्रतिबंधित पटाखे खरीद कर लाया था, जिनको बेचने का काम कर रहा था। पूछताछ के बाद आरोपित को अदालत में पेश कर नियमानुसार कार्रवाई की गई है।

नोएडा में एक मशीन का हिस्सा टूटकर श्रमिक के सिर पर गिरा, मौत

नोएडा, एजेंसी। नोएडा में कंक्रीट मिक्सर मशीन का एक हिस्सा टूटकर गिरने से दो दिन पहले घायल हुए श्रमिक की मंगलवार को इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि घटना 20 अक्टूबर को सेक्टर-39 थाना क्षेत्र के गांव अगाहपुर के पास की है जब नीतीश कुमार (24) अपने अन्य साथियों के साथ ह्यकंक्रीट मिक्सर मशीन को ले जा रहा था।

थाना प्रभारी जितेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि मशीन का एक हिस्सा टूटकर कुमार के सिर पर गिर गया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उन्होंने बताया कि पहले उसे नोएडा के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन बाद में दिल्ली के ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया गया। सिंह ने बताया कि उपचार के दौरान आज उसकी मौत हो गई है। उन्होंने बताया कि कुमार मूलरूप से बिहार का रहने वाला था और काम के सिलसिले में नोएडा में रहता था।

नोएडा में ट्रक चालक की करंट लगने से मौत

नोएडा, एजेंसी। नोएडा के सेक्टर-68 में एक कंपनी के बाहर खड़े ट्रक के बिजली के एक ट्रांसफार्मर के संपर्क में आने से वाहन के चालक की करंट लगने से मौत हो गयी। थाना फेस-3 के प्रभारी निरीक्षक ध्रुव भूषण दुबे ने बताया कि मैनपुरी निवासी अर्जित (25) ट्रक चलाता था। वह सोमवार देर रात को सेक्टर-68 में स्थित एक कंपनी के प्रवेश द्वार पर सामान भरने की अपनी बारी का इंतजार कर रहा था तभी ट्रक का दरवाजा सड़क किनारे लगे बिजली के ट्रांसफार्मर के संपर्क में आ गया जिससे ट्रक में करंट आ गया और उसके चालक को करंट लग गया। उन्होंने बताया कि घटना में गंभीर रूप से झुलसे अर्जित को सेक्टर-71 स्थित कैलाश अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच की जा रही है। मृतक के परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है।

किशोरी से दुष्कर्म करने वाले दो भाईयों को दस-दस साल की कैद

फरीदाबाद, एजेंसी। किशोरी को घर में बुलाकर सामूहिक दुष्कर्म करने वाले दो भाइयों को अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश हेमराज मित्तल की अदालत ने मंगलवार को 10-10 साल की सजा सुनाई है। दोनों पर 80-80 हजार रुपये जुमार्ना भी किया है। यह मामला 28 जुलाई 2018 को महिला थाना एनआईटी में दर्ज किया गया था। इस मामले में किशोरी ने बताया था कि मई 2018 को वह पूजा करने के लिए मंदिर जा रही थी। रास्ते में पड़ोसी कन्हैया मिल गया। उसने उससे कहा कि वह उनके घर से पूजा का सामान ले आए।

किशोरी कन्हैया के घर के अंदर चली गई। वहां उसका भाई राहुल था। उसने अंदर से दरवाजा लगा लिया और कन्हैया को अंदर बुला लिया। पहले राहुल और फिर बाद में कन्हैया ने उसके साथ दुष्कर्म किया। दोनों ने उसकी अश्लील वीडियो भी बना ली। इसे प्रसारित करने की धमकी दी। डर की वजह से किशोरी ने यह बात किसी को नहीं बताई। बाद में आरोपितों ने यह वीडियो अपने कुछ दोस्तों को दिखा दी। जिससे यह बात किशोरी के भाई तक पहुंच गई। फिर स्वजन को बताया गया और पुलिस को शिकायत दी। पुलिस ने 28 जुलाई को मुकदमा दर्ज कर आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। मामले के सरकारी वकील सुरेश चौधरी व चीफ डिफेंस काउंसिल रविंद्र गुप्ता ने बताया कि तभी से यह मामला अदालत में विचाराधीन था। अब अदालत ने यह सजा सुनाई है।

नहीं बना डोमिसाइल तो शिविर में रोने लगी लडकी

फरीदाबाद, एजेंसी। बल्लभगढ़ विधानसभा के नगर निगम में मंगलवार समाधान शिविर लगाया गया, जहां पर अपना डोमिसाइल बनवाने के लिए आई एक युवती का काम न होने पर वहीं रोने लगी। युवती का नाम वर्षा है, जो अपनी मां के साथ डोमिसाइलबनवाने के लिए आई थी। उसने रोते हुए बताया कि कॉलेज में डोमिसाइल की बहुत जरूरत है, उसे नहीं दिया तो कॉलेज से नाम काट दिया जाएगा डोमिसाइल नगर निगम से ही बनेगा उसके लिए 15 साल पुराना प्रूफ मांग रहे हैं। वर्षा ने बताया कि परिवार में उसकी माता का डोमिसाइल बना हुआ है लेकिन उसे प्रूफ के तौर पर नहीं लिया कह दिया कि 15 साल पुराना कोई प्रूफ लेकर आओ उसके बाद डोमिसाइल बनेगा। वर्षा ने रोते हुए कहा की समाधान शिविर सिर्फ नाम के लिए लगाया गया है लोगों की किसी भी समस्या का समाधान नहीं हो रहा। वर्षा की माता यशोदा ने कहा बेटी की डोमिसाइल बनवाने के लिए नगर निगम के समाधान शिविर में पहुंचे हैं लेकिन यहां कोई समाधान नहीं हुआ। अगर कॉलेज में बेटी ने डोमिसाइलजमा नहीं करवाया तो बच्ची का स्कॉलरशिप का पैसा नहीं आ पाएगा। इस उम्मीद से समाधान शिविर में आए थे कि हमारा काम हो जाएगा लेकिन कोई समाधान नहीं हुआ। वहीं नगर निगम के संयुक्त आयुक्त कारण गदोरिया ने कहा कि डोमिसाइल बनवाने के लिए 15 साल प्रूफ की जरूरत पड़ती है, अगर वह किसी के पास नहीं है तो किसी भी गजेटेड ऑफिसर से पेपर पर साइन करवा के लाएंगे तो उनका डोमिसाइल बन जाएगा। उन्होंने बताया कि आज समाधान शिविर में 19 शिकायतें आई थी, जिनमें से 16 शिकायतें प्रॉपर्टी आईडी से जुड़ी हुई थी। उन सभी को अगले 5 दिनों में समाधान कर दिया जाएगा, वहीं दो शिकायतें सीवर और पानी से थी जिनका मौके पर समाधान कर दिया गया है।

हरियाणा में दिवाली की छुट्टी का ऐलान, सरकार ने जारी किया नोटिफिकेशन

गुरुग्राम, एजेंसी। हरियाणा में इस बार छोटी दिवाली की छुट्टी की तारीख बदल दी गई है। शिक्षा निदेशालय ने एक ऑर्डर जारी कर सभी जिला शिक्षा अधिकारियों (डीईओ) को निर्देश दिए हैं कि सभी स्कूलों में छोटी दिवाली की छुट्टी अब 31 अक्टूबर के बजाय 30 अक्टूबर की कर दी जाए। सरकार ने आदेश जारी कर दीपावली की छुट्टी की तारीख बदली थी। बता दें कि दीपावली के अवकाश को लेकर 31 अक्टूबर या एक नवंबर को लेकर भ्रम की स्थिति बनी हुई थी। इस वजह से सरकार ने छुट्टियों की तारीख बदलने का आदेश जारी किया है। हरियाणा सरकार ने दीपावली का अवकाश 1 नवंबर (शुक्रवार) के बजाय 31 अक्टूबर (गुरूवार) को घोषित किया है। हरियाणा सरकार की तरफ से नए आदेशों को लेकर अधिसूचना जारी की गई है। नए आदेश के मुताबिक प्रदेश सरकार के सभी विभागों, बोर्डों, निगमों, शैक्षणिक और अन्य संस्थाओं में 31 अक्टूबर को दीपावली त्योहार के अवसर पर राजपत्रित अवकाश रहेगा।

स्वच्छ भारत मिशन के 10 वर्ष पूरे होने पर 102005 छात्रों ने पीएम को लिखे पत्र

- गुरुग्राम की 265 स्कूलों व कॉलेजों के विद्यार्थियों ने लिखे बधाई संदेश
- इंडिया बुक ऑफ अमेजन रिकॉर्डर्स में नाम होगा दर्ज

गुरुग्राम, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर 15 अगस्त 2014 को शुरू हुए स्वच्छ भारत मिशन के 10 वर्ष पूरे होने पर नगर निगम गुरुग्राम द्वारा शिक्षा विभाग के सहयोग से एक अनूठी पहल की। इसके तहत गुरुग्राम की 265 स्कूल व कॉलेजों के 102005 विद्यार्थियों ने प्रधानमंत्री को बधाई संदेश लिखा है। पत्र लेखन मैराथन नामक यह कार्यक्रम इंडिया बुक ऑफ अमेजन रिकॉर्ड्स में शामिल होगा। मंगलवार को आयोजित हुई इस मैराथन में नगर निगम गुरुग्राम के अतिरिक्त आयुक्त डा. बलप्रीत सिंह भी शामिल हुए। स्थानीय सेक्टर-109 स्थित ज्ञानंदा स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में अपने विचार रखते हुए डा. बलप्रीत सिंह ने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से एक ओर जहां विद्यार्थियों में लेखन के प्रति रुचि बढ़ेगी, वहीं दूसरी ओर स्वच्छता के प्रति उनके लगाव में भी बढ़ोतरी आएगी। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल सरकारी तंत्र तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह सभी व्यक्तियों के जीवन से जुड़ा हुआ विषय है। हम सभी को अपने गांव, शहर, प्रदेश व देश को स्वच्छ, स्वस्थ व सुंदर बनाने के लिए संयुक्त रूप से कार्य करना है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार हम सभी अपने घर को साफ रखते हैं, उसी प्रकार अपने आसपास के क्षेत्र व शहर को साफ रखने की भी जिम्मेदारी हमें निभानी चाहिए। कभी भी इधर-उधर कचरा नहीं फेंकना चाहिए तथा अगर कोई व्यक्ति ऐसा करता है, तो उसे समझाना चाहिए।

कचरा अलगाव के बारे में उन्होंने कहा कि हम सभी की यह नैतिक जिम्मेदारी है कि हमारे यहां से निकलने वाले कचरे का सही ढ़ंग से निपटान सुनिश्चित हो। इसके लिए प्राथमिक स्तर पर ही गीले, सूखे व हानिकारक कचरे को अलग-अलग किया जाना चाहिए तथा अलग-अलग श्रेणी में ही उसका प्रबंधन किया जाना चाहिए। स्वच्छता की इन छोटी-छोटी बातों को हम अपनी दिनचर्या में शामिल करके देश को स्वच्छ बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें। इस मैराथन को सफल बनाने में नगर निगम गुरुग्राम के साथ शिक्षा विभाग गुरुग्राम, ज्ञानंदा स्कूल, यूनाइटेड वे ऑफ दिल्ली, करियर इंडिया और वियान आई एंड रेटिना सेंटर का महत्वपूर्ण सहयोग मिला।

नगर निगम गुरुग्राम की तरफ से ब्रांड एंबेसडर कुलदीप हिन्दुस्तानी व स्वच्छता सलाहकार सुरभि राठौर ने कार्यक्रम के सफल आयोजन की जिम्मेदारी संभाली। इस मौके पर सोहना की बीईओ सुमिता रांगी, ज्ञानंदा स्कूल की डायरेक्टर प्रिंसिपल दीपिका राठी, वियान आई एंड रेटिना सेंटर से डा. नीरज संदूजा व दीपक खरवार, यूनाइटेड वे ऑफ दिल्ली से रजनी उपस्थित थे।

पहले दिन समाधान शिविर में आई 47 शिकायतें

47 शिकायतों में से अधिकतर शिकायतों का मौके पर ही हुआ निपटारा

फरीदाबाद, एजेंसी। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा जारी निदेशों के अनुसार आम जन शिकायतों का मौके पर ही समाधान करने के लिए निगमायुक्त ए. मोना श्रीनिवास की अध्यक्षता में मंगलवार को निगम मुख्यालय में समाधान शिविर का आयोजन किया गया। इसके अलावा बल्लबगढ़ जोन में संयुक्त आयुक्त कर्ण, ओल्ड जोन में संयुक्त आयुक्त सुमित और ग्रेटर फरीदाबाद में संयुक्त आयुक्त कुमारी द्विजा की अध्यक्षता में सुबह 9.00 बजे 11.00 बजे तक समाधान शिविरों का आयोजन किया गया। इन शिविरों में आम जन के लिये सभी आवश्यक सुविधाऐं जैसे- पीने के पानी, कुर्सियों आदि की सुविधा का प्रबन्ध भी किया गया। उक्त समाधान शिविर में निगम मुख्यालय से 16 शिकायतें, ओल्ड जोन से 10 शिकायते, बल्लबगढ़ जोन से 19 शिकायतें तथा ग्रेटर फरीदाबाद से 2 शिकायतें प्राप्त हुई। मंगलवार को लगने वाले समाधान शिविरों में कुल 47 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें से अधिकतर शिकायतों का मौके पर ही निपटान किया गया तथा प्रार्थियों ने भी अपनी संतुष्टि व्यक्त की। समाधान शिविर में प्रॉपर्टी आईडी, पानी/सीवरेज, सडकें व सफाई संबंधित शिकायत प्राप्त हुई, जिसके लिए वहां संबंधित अधिकारीगणों को निर्देश दिए गए कि वे उक्त शिकायतों का निपटान शीघ्र अति शीघ्र करे। वहीं समाधान शिविर में आए प्रार्थियों की शिकायतों को जिन्हें लिखने में परेशानी हो रही थी उनकी शिकायतों को नगर निगम के कर्मचारियों की सहायता से लिखवा कर व पूरे दस्तावेज लगाकर समाधान भी मौके पर करवाया गया। निगमायुक्त ए. मोना श्रीनिवास ने सभी संबंधित अधिकारियों को प्रतिदिन लगने वाले समाधान शिवरों में निर्देश दिए है कि वे जनता की शिकायतों को शान्तिपूर्वक सुने और सभी शिकायतकताओं विशेषतौर पर वरिष्ठ नागरिकों, विकलांगों तथा महिलाओं का सम्मान करते हुए उनकी शिकायतों का निवारण करे।

पॉलीथीन का उपयोग करने पर जब्त होगी रेहड़ी: जितेंद्र कुमार

-अतिक्रमण को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा
-इंफोर्समेंट टीम को आदेश, जल्द करें मानेसर निगम क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त

गुरुग्राम, एजेंसी। मानेसर नगर निगम के अतिरिक्त आयुक्त जितेंद्र कुमार ने कहा कि मानेसर निगम क्षेत्र में पॉलीथीन का उपयोग करने वालों की रेहड़ी जब्त होगी, वहीं यदि कोई दुकानदार पॉलीथीन का उपयोग करता हुआ मिला तो दुकान को सील किया जाएगा। रेहडिों को ग्रीन बेल्ट, मुख्य सडक और सर्विस लेन से दूर खड़ी करें। अतिरिक्त आयुक्त ने मंगलवार को मानेसर निगम क्षेत्र में रेहड़ी लगाकर व्यापार करने वालों के साथ बैठक में यह बात कही। उन्होंने कहा कि रेहड़ी वाले और दुकानदार नगर निगम की मदद कर सकते है। इनकी बदौलत ही शहर को साफ रखा जा सकता है। सभी दुकानदार प्रण लें कि आज से अपनी दुकानों पर पॉलीथीन का उपयोग नहीं करेंगें। साथ ही उन्होंने अपील करते हुए कहा कि पॉलीथीन सप्लायर और गोदामों का पता भी नगर निगम की टीम को दें ताकि उन पर कार्रवाई की जा सके। इसके अलावा उन्होंने वहां मौजूद रेहड़ी वालों से कहा कि नगर निगम की ओर से स्ट्रीट वेंडिंग जोन बनाने की दिशा में काम किया जा रहा है, तब तक मुख्य सडक से दूर रेहड़ी लगाकर अपना व्यापार करें।

सडकों पर रेहड़ी-खोखे लगाने से सडकों पर अतिक्रमण होता है। अतिक्रमण के कारण ट्रैफिक जाम की समस्या शुरू होती है। आमजन को असुविधा होती है। सरकारी जमीन पर किसी को भी अतिक्रमण का अधिकार नहीं है। यदि कोई अतिक्रमण करते हुए पाया गया तो नगर निगम की इंफोर्समेंट टीम उसपर जुमार्ना लगाकर रेहड़ी जब्त करेगी।

पटाखों के गोदाम में लगी आग, मालिक के खिलाफ मामला दर्ज

फरीदाबाद, 22 अक्टूबर (वेब वार्ता)। तीन दिन पूर्व गांव लहडौला में पटाखों के गोदाम में लगी आग मामले में पुलिस ने गोदाम के मालिक व किराएदार के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस प्रवक्ता ने मंगलवार को बताया कि 19 अक्टूबर को पुलिस चौकी चांदपुर की टीम गश्त पर थी। इसी दौरान पुलिस टीम को पुलिस कंट्रोल रुम से सुचना प्राप्त हुई कि गांव लहडौला में एक पटाखों के गौदाम में आग लगी हुई है व पटाखे फटने की आवाज आ रही है, जिस पर पुलिस टीम ने फायर ब्रिगेड के हेल्पलाईन नम्बर 101 पर सम्पर्क कर सूचना दी। फायर ब्रिग्रेड की तीन गाडियां मौके पर आई जिनकी मदद से आग पर काबू पाया गया। मौके पर पटाखे के कुल पैकेट 203 पैकेट मिले व बिखरे, जले व गिल्ले पटाखा के भी मिले, इस प्रकार कुल 139 किलोग्राम पटाखे बरामद हुए। पुलिस चौकी चांदपुर द्वारा गौदाम मालिक विनोद व

पराली जलाने वालों पर होगी एफआईआर दर्ज

फरीदाबाद, एजेंसी। जिलाधीश विक्रम सिंह ने कहा कि कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, फरीदाबाद ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देश की अनुपालना में यह निर्णय लिया गया है कि जो किसान पराली जलाएगा उसके खिलाफ कृषि एवं किसान कल्याण विभाग एफआईआर दर्ज कराएगी। इसके अलावा कृषि एवं किसान कल्याण विभाग ऐसे किसानों की मेरा फसल मेरा ब्योरा में रेड एंट्री दर्ज की जाएगी तथा दो सीजन तक धान, गेहूं व अन्य सभी फसलों को मंडी में बेचने पर प्रतिबंध लगा दिया जाएगा। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के उप कृषि निदेशक डॉ अनिल कुमार ने बताया कि किसान पराली न जलाकर महीनों के प्रयोग से खेतो में अवशेष मिला सकते हैं। सरकार की स्कीम के तहत जो किसान सुपर सीडर, हैप्पी सीडर, रिवर्सिबल एमबी प्लो, जीरो टिल सीड ड्रिल, रोटावेटर व हैरो द्वारा पराली अवशेषों को भूमि मे मिलाएंगे वे किसान इन सीटू व एक्स सीटू प्रबंधन स्कीम के तहत एक हजार रुपये प्रति एकड़ का लाभ उठा सकते हैं। ऐसा करने से किसानों को आर्थिक रूप से लाभ पंहुचेगा और पराली से पैदा होने वाले धुएं के प्रदूषण से भी बचाएगा।

कादीपुर पशु अस्पताल को बनाया जाएगा वेटरनिटी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस

गुरुग्राम, एजेंसी। डीसी निशांत कुमार यादव ने कहा है कि हरियाणा सीएसआर ट्रस्ट के तत्वावधान में वेदांता ग्रुप की अनिल अग्रवाल फाउंडेशन के सहयोग से पशु अस्पताल कादीपुर को अत्याधुनिक चिकित्सा सेवाओं से सुसज्जित किया जाएगा। इस भवन को सुंदर बनाने एवं आधुनिक पशु चिकित्सा सेवा के लिए करीब सौ करोड़ की राशि खर्च की जाएगी। इस बारे में हरियाणा सरकार के पशुपालन विभाग तथा अनिल अग्रवाल फाउंडेशन के बीच एक एमओयू साइन किया गया है। लघु सचिवालय सभागार में पशुपालन विभाग, वेदांता ग्रुप की संस्था अनिल अग्रवाल फाउंडेशन के अधिकारियों के साथ आयोजित हुई बैठक को संबोधित करते हुए डीसी निशांत कुमार यादव ने यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि गुरूग्राम जिला में पालतू पशुओं तथा जानवरों को सही समय पर उचित चिकित्सा सेवा मिल सके, इसके लिए पशुपालन विभाग के एसीएस व वेदांता कंपनी के बीच विगत 11 अक्तूबर को एक एमओयू साइन किया गया था। कादीपुर स्थित सरकारी पशु अस्पताल को वेटरनिटी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बनाने के लिए कंपनी ने एक प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार की है, जिसको दो चरणों में लागू किया जाएगा। जल्दी ही इस परियोजना को पशु पालन विभाग से स्वीकृति मिल जाएगी और उसके बाद करीब एक माह बाद यह कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा।

घर में आया बन चोरी करने वाली युवती हुई गिरफ्तार

नोएडा, एजेंसी। नोएडा पुलिस ने एक ऐसी युवती को गिरफ्तार किया है जो दिल्ली की रहने वाली है और घर में आया बनकर पहुंची थी और वहां रखी हुई नगदी और समान पर हाथ साफ कर फरार हो गई थी। पुलिस ने इसे गिरफ्तार कर इसके पास से चोरी किए गए पैसे और अन्य सामान बरामद किया है। नोएडा के थाना सेक्टर 20 पुलिस ने घर में आया बनकर चोरी करने वाली एक महिला आरोपी को गिरफ्तार करते हुए उसके कब्जे से चोरी किए माल के 58,500 रुपये लेडीज पर्स व अन्य सामान बरामद किया है। पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया है कि थाना सेक्टर 20 पुलिस ने बीते 2 अक्टूबर को एक घर में हुई चोरी की रिपोर्ट दर्ज की थी। पीड़ित ने अपनी रिपोर्ट में लिखवाया था कि उनके घर एक महिला आया बनकर काम कर रही थी जो दिल्ली की रहने वाली है और यह चोरी उसी ने की होगी। इस सूचना के आधार पर पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्य जुटाना शुरू किए। पुलिस के मुताबिक इस मामले की जांच पड़ताल कर उस युवती की तलाश शुरू हुई। इसके बाद चोरी करने वाली महिला चोर जूली (24) को 21 अक्टूबर को फिल्मसिटी फ्लाईओवर ब्रिज के नीचे सड़क के किनारे से गिरफ्तार किया गया है। उसके कब्जे से घटना में चोरी गये सामान के 500 रुपये के 117 नोट कुल 58,500 रुपये, एक बैग व एक पर्स व पीड़ित का एक आधार कार्ड बरामद हुआ है। पुलिस ने बताया है कि जूली, जिला सारण बिहार की रहने वाली है और

पीजीआई में मुख्यमंत्री ने किया सलोनी हार्ट सेंटर का उद्घाटन

प्रो आरके धीमन और सलोनी हार्ट फाउंडेशन की निदेशक मृणालिनी सेठ के बीच समझौता

लखनऊ, एजेंसी। संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान मे नवनिर्मित एडवांस डायबिटिक सेंटर, कॉलेज ऑफ मेडिकल टेक्नोलॉजी के छात्रों के लिए हॉस्टल,टेली आईसीयू और सलोनी हार्ट सेंटर (प्रथम चरण) का उद्घाटन मंगलवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ द्वारा किया गया। मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश मनोज कुमार सिंह ने कहा कि एसजीपीजीआई नैदानिक सुविधाओं और सहायक सेवाओं का सबसे अच्छा उदाहरण है जिसका अन्य अस्पताल भी अनुसरण कर सकते हैं।

एसजीपीजीआई के निदेशक प्रोफेसर आरके धीमन द्वारा उद्घाटित सुविधाओं की एक रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। उन्होंने रिकॉर्ड समय के भीतर लक्ष्य पूरा करने में पूर्ण सहयोग देने के लिए यूपी सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया। मृणालिनी सेठ,संस्थापक और अध्यक्ष,सलोनी हार्ट फाउंडेशन,यूएसए ने प्रतिष्ठित सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि वह एक सपने को हकीकत में तब्दील होते देखकर खुश हैं।

एसजीपीजीआई के निदेशक प्रो आरके धीमन और सलोनी हार्ट फाउंडेशन की निदेशक मृणालिनी सेठ के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए और उसका आदान-प्रदान किया गया। मयंकेश्वर शरण सिंह, राज्य मंत्री, चिकित्सा शिक्षा, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, मातृ एवं शिशु कल्याण, उत्तर प्रदेश सरकार ने कहा कि सलोनी हार्ट सेंटर लखनऊ को विश्व मानचित्र पर लाएगा क्योंकि यह दुनिया भर में सबसे बड़ा बाल चिकित्सा हृदय केंद्र बनने जा रहा है।

उत्तर प्रदेश सरकार के डिप्टी सीएम एवं कैबिनेट मंत्री,चिकित्सा शिक्षा,चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, मातृ एवं शिशु कल्याण,ब्रजेश पाठक ने कहा कि एसजीपीजीआई विश्व स्तरीय तृतीयक देखभाल केंद्र है। उन्होंने सेठ दंपत्ति के जज्बे की सराहना की, जिन्होंने जन्मजात हृदय रोग के कारण अपनी बेटी को खोने के बाद भी हृदय रोग से पीड़ित बच्चों के इलाज की सुविधा के लिए इस परियोजना के बारे में सोचा।

मुख्यमंत्री कहा एसजीपीजीआई को दीपावली से ठीक पहले एडवांस डायबिटिक सेंटर, सलोनी हार्ट सेंटर (प्रथम चरण), टेली आईसीयू और सीएमटी हॉस्टल की सौगात मिलने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि यूपी में इस समय 64 जिलों में मेडिकल कॉलेज हैं। उनकी सरकार लोगों को उनके मूल स्थान पर चिकित्सा सुविधा प्रदान करने के लिए उत्तर प्रदेश के हर जिले में एक मेडिकल कॉलेज खोलने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने पूर्वी यूपी में इंसेफेलाइटिस उन्मूलन की सफलता पर भी चर्चा की। उन्होंने टेली आईसीयू की अवधारणा की भी सराहना की, जो कोविड महामारी के दौरान अस्तित्व में आई। अब इन छः मेडिकल कॉलेजों में भर्ती होने वाले अति बीमार मरीजों के इलाज में आसानी होगी।

मुख्यमंत्री ने सलोनी हार्ट सेंटर को अस्तित्व मे लाने के लिये निदेशक, सलोनी हार्ट फाउंडेशन और निदेशक एसजीपीजीआई को धन्यवाद दिया, जिसकी शुरूआत ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के दौरान की गई थी। यह उनके आपसी और शीघ्र वातार्लाप का ही परिणाम है कि हम सलोनी हार्ट सेंटर के पहले चरण के उद्घाटन के साथ यहां हैं। उन्होंने सभी नैदानिक सहायता प्रदान करने के लिए कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के बाल चिकित्सा कार्डियो थोरेसिक सर्जरी यूनिट के प्रमुख डॉ. वी मोहन रेड्डी को धन्यवाद दिया। एसजीपीजीआई में रोजाना औसतन 15000 तीमारदार आते हैं। इससे एसजीपीजीआई आने वाले मरीजों के 1000 तीमारदारों के लिए रेनबसेरा का विचार आया।

एक नजर

लोगों से आपसी सौहार्द के साथ मिलजुल कर त्यौहारों को मनाने की अपील

संत कबीर नगर, एजेंसी। गोरखपुर जोन के अपर पुलिस महानिदेशक डॉ. के0एस0 प्रताप द्वारा पुलिस अधीक्षक संतकबीरनगर सत्यजीत गुप्ता की उपस्थिति में आज दिनांक 22.10.2024 को आगामी त्यौहारों धनतेरस, दीपावली, भैय्या दूज, छठ पर्व आदि के दृष्टिगत जनपद में शांति/कानून व्यवस्था बनाये रखने व लोगों में सुरक्षा की भावना जागृत करने के उद्देश्य से थाना कोतवाली खलीलाबाद अन्तर्गत मेंहदावल बाईपास से मधुकुंज चौराहा तक फ्लैग मार्च/पैदल गश्त कर शहर में पुलिस के सक्रियता की जांच की गयी। गश्त के दौरान आमजन से संवाद स्थापित कर वार्ता किया गया व उनको सुरक्षा का भरोसा दिलाया गया साथ ही लोगों से त्यौहार को आपसी सौहार्द व भाईचारे के साथ मनाने व त्योहार को सकुशल संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन का सहयोग करने की गयी तथा किसी प्रकार की अफवाह पर ध्यान ना देने व किसी भी प्रकार की समस्या आने पर अविलंब संबंधित अधिकारी के मोबाइल नंबर या थाना/चौकी पर अवगत कराने हेतु बताया गया। फ्लैग मार्च के दौरान भयमुक्त वातावरण में आगामी त्यौहारों को संपन्न कराने का संदेश दिया गया, साथ ही त्यौहार में गड़बड़ी पैदा करने वाले व शांति व्यवस्था खराब करने वाले अराजक तत्वों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की चेतावनी दी गयी। महोदय द्वारा प्रभारी निरीक्षक मेहदावल को धनतेरस के दृष्टिगत भीड़भाड़ वाले स्थानों पर पुलिस को सक्रिय रहने के साथ-साथ जहां पर महिलाओं की भीड़ अधिक हो वहां पर महिला पुलिसकर्मियों की तैनाती करने, थानाक्षेत्र में पूर्ण रुप से सतर्कता बरतने व बैरियर लगाकर संदिग्ध व्यक्तियों व वाहनों की निरन्तर चेकिंग हेतु निर्देशित किया गया। गश्त के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक सन्तकबीरनगर सुशील कुमार सिंह, क्षेत्राधिकारी कोतवाली खलीलाबाद अजीत चौहान, क्षेत्राधिकारी धनघटा अजय सिंह, क्षेत्राधिकारी मेंहदावल केशवनाथ, पुलिस उपाधीक्षक प्रशिक्षणाधीन राजशेखर पाण्डेय सहित अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण मौजूद रहे।

दबंग ट्रक मोटर मालिको के मनमानी से परेशान होकर भाकिमो नेता ने सौंपा ज्ञापन

बस्ती, एजेंसी। जिले में हजारों ट्राली ट्रैक्टर के साथ संचालन माल ढोने में करते हैं। कुछ ट्रक मालिकों ने आपत्ति जताई, परिवहन और पुलिस ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया, एआरटीओ बस्ती के अनुसार बिना पंजीकृत चलने पर 50 हजार का जुमार्ना है। ट्रैक्टर में लगी ट्राली का रजिस्ट्रेशन कमर्शियल में होना चाहिए, तभी कामर्शियल माल ढोने में कार्य कर सकते हैं। ऐसे में ट्रैक्टर ट्राली चालकों/मालिकों पर बड़ा संकट है। उनका कहना है कि, हम पंजीकृत कराने को तैयार हैं, पर परिवहन विभाग में पंजीकृत होने का ऑप्शन नहीं मिल पा रहा है कारण इसके 21न022न0 फॉर्म की वजह से, जिसे लेकर कुछ ट्रैक्टर ट्राली थाना पुरानी बस्ती के निवासी वाहन स्वामी एवं भाजपा के मंडल अध्यक्ष किसान मोर्चा के, धनंजय सिंह ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपते मांग किया है कि इसका निराकरण निकाला जाए। उन्होंने बताया कि रेलवे मालगोदम से सीमेंट, खाद्य एवं अन्य वस्तुओं का ढोलान ट्रक, डीसीएम, ट्राली द्वारा होता था। 08 अक्टूबर से कुछ दबंग ट्रक मालिकों द्वारा ट्राली एवं अन्य छोटे वाहनों को रास्ते में रोक कर गाली गलौज करके चौकियों, एवं इधर उधर खड़ा करा देते थे जिससे इससे धुलान न हो सके। इससे कई किसानों की जीविका जुड़ी हुई है जो बंद हो गई है। भाजपा नेता धनंजय सिंह ने कहा कि हमारे ट्रेक्टर ट्राली वाले किसान पंजीकृत कराना चाहते हैं, 2021 से ही कामर्शियल में ट्रालियां पंजीकृत नहीं हो रही है। ऐसे में हम परिवहन विभाग से भी संपर्क किया वहां से कुछ उम्मीद जगी है।

बाउंसरों के साथ आए युवकों ने भीड़ लेकर एसपी कार्यालय पर काटा बवाल, 44 गिरफ्तार

बलिया, एजेंसी। बीएमडब्ल्यू गाड़ी समेत अन्य लग्जरी वाहनों, बाउंसरों और सैकड़ों लोगों को लेकर पुलिस अधीक्षक के कार्यालय पहुंचे शख्स ने सोमवार देर शाम बवाल काटा। पुलिस अधिकारियों पर रौब दिखाने के इस हैरतअंगेज मामले में बड़ी कार्रवाई सामने आयी है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय के प्रांगण और उसके बाहर सड़क पर हंगामा काटने के आरोप में 44 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जिले में धारा 144 लागू है। ऐसे में हुजूम इकट्ठा करना मना है। बावजूद इसके पकड़ी थाना के एक मामले को लेकर वाराणसी से आये आदित्य राजभर और रवि राजभर नाम के शख्स बीएमडब्ल्यू गाड़ी और अन्य लग्जरी वाहनों से बीती शाम एसपी कार्यालय पहुंच गए। आरोप है कि दोनों के नेतृत्व में भीड़ ने वहां मौजूद पुलिस वालों के साथ हंगामा किया। सरकारी कार्य में बाधा डाला। पुलिस कर्मियों के साथ धक्का-मुक्की व गाली गलौज किया। जानकारी होने पर एसपी विक्रांत वीर भी पहुंचे और दोनों युवकों की हेकड़ी निकाल दी। इस सम्बंध में एसपी विक्रांत वीर ने मंगलवार सुबह बताया कि थाना कोतवाली पर मुकदमा दर्ज किया गया है। जिसमें 44 लोग नामजद हैं। जिनको मौके से गिरफ्तार किया गया है और 60 अज्ञात हैं। उन्होंने कहा कि जांच में पता चला है कि यह लोग सुनियोजित ढंग से जनपद वाराणसी से गाजीपुर होते हुए यहां आए और हंगामा किया। इसमें प्रमुख रूप से आदित्य राजभर और रवि राजभर व अन्य लोग शामिल हैं जिन्होंने की गाड़ियां व बाउंसर एवं प्राइवेट गनर हायर किये हैं। प्रकरण की गहराई से जांच करते हुए विधिक कार्यवाही की जा रही है।

मेधावी छात्र-छात्राओं का प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मान

सकारात्मक सोच के साथ अपना लक्ष्य निर्धारित कर कठिन परिश्रम को अपनाते हुए मार्ग का चयन करें:- शिव कुमार राजपूत

कीरतपुर। पांचवें अंतिम क्रम में ग्राम गजरौला,लायक पुरी, लालपुर ,सुखानंदपुर, मोहंडिया, नंगला महेश्वरी से रवा राजपूत समाज के मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन आदर्श विद्या बाल मंदिर ग्राम गजरौला शिव जिला बिजनौर मैं बीना देवी सचिव रवा राजपूत सभा बिजनौर के नेतृत्व में किया गया कार्यक्रम की अध्यक्षता शिवकुमार राजपूत अध्यक्ष अखिल आर्यावर्त रवा राजपूत एकता एवं सेवा समिति एवं रवा राजपूत सभा बिजनौर ने की तथा कुशल संचालन शेखर सिंह राजपूत महासचिव आर्यावर्त रवा राजपूत एकता एवं सेवा समिति बिजनौर ने किया कार्यक्रम में समिति अध्यक्ष मास्टर तिलक राम निवासी ग्राम तीतर वाला, कोषाध्यक्ष कली राम निवासी रामजी वाला, प्रचार मंत्री विकास राजपूत निवासी ग्राम लच्छीरामपुर रवा राजपूत सभा बिजनौर, महासचिव सत्यवीर सिंह ग्राम बेहडी , उपाध्यक्ष मास्टर सुभाष सिंह निवासी ग्राम रानीपुर ,कोषाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह निवासी नजीबाबाद, प्रचार मंत्री शिवनाथ सिंह निवासी हुसैनपुर ,सचिव बीना देवी निवासी बिजनौर, घनश्याम लाल निवासी ग्राम हुसैनपुर , महासचिव श्री मनोज कुमार, सुधीर कुमार सेठ , कुलदीप सिंह एडवोकेट महाराणा ,हरि सिंह, योगेश कुमार, ,अजय कृष्ण, कुमार दिव्य दृषि,उदय राज प्रबंधक प्रथमा यूपी ग्रामीण बैंक बिजनौर निवासी ग्राम गजरौला, मुकुल कुमार एडवोकेट , कृपाल सिंह ,निवासी ग्राम पदमपुर एवं मेधावी छात्र छात्राएं अभिभावक उपस्थित रहे कार्यक्रम को मास्टर सुभाष सिंह ,कली राम सिंह , मास्टर तिलक राम सिंह , घनश्याम लाल एडवोकेट , कुलदीप एडवोकेट महाराणा , हरि सिंह ,सुधीर कुमार , भूपेंद्र सिंह ,योगेश सिंह , उदयराज सिंह मास्टर मनोज कुमार द्वारा संबोधित किया गया तथा कार्यक्रम अतिथियों द्वारा उपस्थित सभी मेधावी छात्र छात्राओं को प्रशस्ति पत्र स्कूल बैग पेन देकर सम्मानित किया गया। अंत में कार्यक्रम अध्यक्ष द्वारा उपस्थित मेधावी छात्र छात्राओं को बधाई शुभकामनाएं दी एवं छात्र-छात्राओं का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि सभी छात्र छात्राएं सकारात्मक सोच के साथ अपना लक्ष्य निर्धारित कर कठिन परिश्रम को अपनाते हुए मार्ग का चयन करें। कार्यक्रम में उपस्थित सभी सजातीय बंधुओ को अपना कीमती समय देने के लिए अपने विचार रखने के लिए एवं बीना देवी को बहुत ही सुंदर कार्यक्रम कराने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं उन्होंने कहा कि प्रेरणा प्रयास और प्रोत्साहन से जीवन में सब कुछ संभव है उम्मीद के साथ शुरू हुआ प्रत्येक कार्य अनुभव के साथ संपन्न होता है जानकारी हुई है कुछ छात्र-छात्राएं अपनी निजी व्यवस्था की वजह से संपन्न हुए कार्यक्रमो में नहीं पहुंच पायें हैं उन्हें भी दीपावली के बाद कोई स्थान निर्धारित कर ऐसे सभी छात्र-छात्राओं को बुलाकर सम्मानित किया जाएगा, सभी का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम की समाप्ति की घोषणा की।

रामायण मेला समिति एवं भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय के बीच एमओयू समझौता

लखनऊ, एजेंसी। रामायण मेला समिति एवं भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय के बीच एमओयू समझौता ज्ञापन मणिराम दास छावनी में किया गया। यह समझौता अगले तीन वर्षों के लिए किया गया है जिसमें निम्नलिखित बिंदुओं पर करार हुआ। दोनों संस्थान मिलकर रामायण की महत्ता को विभिन्न कला रूपों जैसे संगीत, नृत्य, नाट्य और साहित्य के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास करेंगे।रामायण के संदर्भ में शोध कार्य को प्रोत्साहित करने के लिए दोनों संस्थान इस दिशा में अनुसंधानकताओं को आवश्यक मार्गदर्शन व सहयोग प्रदान करेंगे।

संयुक्त रूप से रामायण व संबंधित विषयों पर गुणवत्तापूर्ण शोध पत्रिका का प्रकाशन करेंगे इस शोध पत्रिका का उद्देश्य रामायण को रंगमंच संगीत नृत्य और साहित्य के माध्यम से विभिन्न आयामों में प्रस्तुत करना होगा। अयोध्या में श्री राम सेंटर दिल्ली की तर्ज पर अयोध्या में श्री राम लला केंद्र की स्थापना की जाएगी जिससे पर्यटकों के लिए रंगमंच के माध्यम से आकर्षण का केंद्र विकसित होगा। अयोध्या एवं अवध की विलुप्त हो रही लोक कला, लोक नृत्य, लोकगीत, लोक संस्कार एवं लोक परंपराओं का संरक्षण एवं संकलन हेतु संयुक्त रूप से प्रयास किया जाएगा। अयोध्या में आयोजित होने वाले प्रमुख धार्मिक व सांस्कृतिक उत्सवों का एक कैलेंडर जारी करने के लिए प्रयास किया जाएगा।

पुरस्कृत किये गये डांडियां, गरबा नृत्य के कार्यक्रम के विजेता

बस्ती, एजेंसी। मारवाडी युवा मंच द्वारा रेलवे स्टेशन के निकट स्थित श्याम बाटिका में आयोजित डांडियां, गरबा नृत्य के कार्यक्रम में सेठ एम.आर. जयपुरिया स्कूल के छात्र-छात्राओं ने नृत्य गुरू मास्टर शिव के मार्ग दर्शन में शानदार प्रस्तुति दिया। सफल प्रस्तुति के लिये मारवाडी युवा मंच द्वारा गणेश वंदना में हिस्सा लेने वाले मान्या, समृद्धि, वागीशा, शिफा बुशरा, अफेरा, अदिति, आराध्या, अस्थाना, आराध्या, यादव, शौर्य, सार्थक, प्रियांशी, शौर्य, अर्नवी, रिद्धिमा, आकांक्षा, क्षमा, कशिश, मुस्कान, आदित्य, अचिंत्य, आराध्या को प्रमाण-पत्र देकर पुरस्कृत किया।सेठ एम.आर. जयपुरिया के प्रधानाचार्य सुभाष जोशी ने स्कूल में विजेता छात्रों को पुरस्कृत कर उनका हौसला बढाया। कहा कि खेल कूद, सांस्कृतिक कार्यक्रम शिक्षा के महत्वपूर्ण अंग है। विद्यालय में छात्रों के सवार्गीण विकास के लिये अवसर दिये जाते हैं।

भारतीय किसान यूनियन सुनील अराजनैतिक के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष लालता प्रसाद गंगवार का मिलक वार एसोसिएशन के अध्यक्ष सतीश चंद्र गंगवार ने किया भव्य स्वागत

रामपुर । आज दिनांक 22 अक्टूबर 2024 दिन मंगलवार को मिलक तहसील में वार एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री सतीश चंद्र गंगवार जी एडवोकेट व विवेक गंगवार एडवोकेट ने अंग वस्त्र पहनाकर दी बधाई एवं शुभकामनाएं और गगन भेदी नारों के साथ किया भारतीय किसान यूनियन सुनील अराजनैतिक के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष लालता प्रसाद गंगवार का स्वागत नवनियुक्त जिला अध्यक्ष भारतीय किसान यूनियन सुनील अराजनैतिक लालता प्रसाद गंगवार ने कहा बार एसोसिएशन के अध्यक्ष जी ने मेरा जो भव्य स्वागत किया है, उसके लिए बार एसोसिएशन का मै हमेशा तहे दिल से आभारी रहूंगा गरीब मजदूर किसानों की सेवा में हमेशा तत्पर रहूंगा,किसानों की आवाज को जनपद रामपुर में बुलंद करूंगा जनपद रामपुर के किसान जन समस्याओं से परेशान है, रामपुर जिले में सरकारी समितियो में,किसानों को डीएपी खाद नहीं मिल पा रही इसके लिए जनपद रामपुर में होगा एक आंदोलन जिसकी तैयारी में सभी कार्यकर्ता दिल जान से जुट जाए, जल्द ही जनपद रामपुर में भारतीय किसान यूनियन सुनील अराजनैतिक की जिला कार्यकारिणी का जल्द गठन किया जाएगा, जिसमें अधिक से अधिक युवाओं को भारतीय किसान यूनियन सुनील अराजनैतिक से जोड़ने का काम किया जाएगा,आपका सेवक लालता प्रसाद गंगवार जिला अध्यक्ष रामपुर भारतीय किसान यूनियन सुनील अराजनैतिक

उपाध्यक्ष गोसेवा की अध्यक्षता में गोवंश के संरक्षण एवं संवर्धन की समीक्षा बैठक हुई आयोजित

संत कबीर नगर, एजेंसी। उपाध्यक्ष गोसेवा आयोग, उ.प्र. महेश कुमार शुक्ल की अध्यक्षता में गोवंश के संरक्षण एवं संवर्धन की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी जयकेश त्रिपाठी उपस्थित रहे। बैठक में सर्वप्रथम उपाध्यक्ष गोसेवा आयोग, उ.प्र. महेश कुमार शुक्ल को मुख्य विकास अधिकारी जयकेश त्रिपाठी द्वारा बुके देकर स्वागत किया गया।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए उपाध्यक्ष गोसेवा आयोग, उ.प्र. महेश कुमार शुक्ल ने सभी अधिकारियों को धन्यवाद दिया। उपाध्यक्ष ने जानकारी देते हुए बताया कि गौवंश के संरक्षण हेतु मुख्यमंत्री उ.प्र. द्वारा गोसेवा आयोग का गठन करके गोवंशों को संरक्षित करने के लिए छुट्टे पशुओं को वृहद टीम के आधार पर ग्राम प्रधानों के माध्यम से समिति गठित करके गौशाला में संरक्षित किया जा रहा है। समाज के सभी लोगो के सहयोग से गौवंशों का संरक्षण किया जा सकता है। ग्राम पंचायत में 15 लोगो की टीम बनाने का निर्देश दिया। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी द्वारा जनपद में गोशालाओं के संचालन सहित गो संरक्षण से सम्बंधित बिन्दुओं को आकड़ेवार अवगत कराया गया। उन्होंने बताया कि जनपद के गोशालाओं में संरक्षित गोवंशों हेतु हरा चारा उगाने के दृष्टिगत जमीन चिन्हित कर हरा चारा उगाया जा रहा है तथा शेष हेतु जमीन की व्यवस्था सुनिश्चित कराने की दिशा में प्रयास जारी है। उपाध्यक्ष ने मुख्य पशु चिकित्साधिकारी सहित समस्त पशु चिकित्साधिकारियों से उनके अन्तर्गत आने वाले गोशालाओं में गोवंशों की स्थिति, स्वास्थ्य आदि के बारे में जानकारी प्राप्त करते हुए विभिन्न बिन्दुओं पर मार्ग दर्शन किया तथा कहा कि गोशालाओं एवं पशु चिकित्साधिकारियों की संख्या के उचित अनुपात में संरक्षण एवं देख-रेख की जिम्मेदारी सौपी जाए। उपाध्यक्ष द्वारा किसानों को मुख्यमंत्री सहभागिता योजना के तहत गोवंशों का पालन एवं सेवा करने हेतु प्रेरित करने का भी सुझाव दिया तथा कहा कि मुख्यमंत्री स्वंय भी गोमाता की सेवा एवं गो संरक्षण के प्रति वेहद संवेदनशील है।

मुख्यमंत्री की मंशा है कि गोसेवा में समाज की सम्पूर्ण सहभागिता हो, इस दिशा में अधिकारीगण किसानों को प्रोत्साहित करे। उन्होंने कहा कि जनपद स्तर पर एक कन्ट्रोल रूम भी बनाया जाए जिसका नम्बर सभी जनपदवासियों को मीडिया के माध्यम से प्रचारित किया जाए, जिससे कोई भी व्यक्ति यह सूचना दे सके कि कही पर कोई गोवंश पीड़ित/घायल अवस्था में यदि पाया जाता है तो उसे पशु चिकित्सालय ले जाकर इलाज कराते हुए गोशालाओं में संरक्षित किया जाए। उपाध्यक्ष ने आवश्यकता पड़ने पर गोवंशों के आकस्मिक इलाज हेतु पशु एम्बुलेंस की व्यवस्था बनाई जाने के दृष्टिगत प्रस्ताव बनाने का निर्देश दिया। उपाध्यक्ष ने कहा कि गोवंशों के प्रति मानवीय संवेदना एवं गोमाता की भावना एवं प्रेम पैदा करे, गोवंशों का संरक्षण हमारे संस्कार से जुड़ा है। इनकी सेवा में हमारे संस्कार एवं संस्कृति की रक्षा होगी। उपाध्यक्ष ने मुख्य पशु चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया कि अगली समीक्षा बैठक में गो आश्रय स्थलों एवं गोशालाओं में उपलब्ध सुविधाओं से सम्बंधित आकड़ेवार पीपीटी बना कर समीक्षा कराना सुनिश्चित करेगें। मुख्य विकास अधिकारी जयकेश त्रिपाठी द्वारा मा0 उपाध्यक्ष गो सेवा आयोग, उ.प्र. महेश कुमार शुक्ला को आश्वस्त कराया कि आपके द्वारा जो भी निर्देश एवं मार्गदर्शन दिया गया है उसका शत-प्रतिशत अनुपालन किया जायेगा। अधिकारीगण/पशु चिकित्साधिकारी आपके द्वारा दिये गये मार्गदर्शन के आधार पर प्राथमिकता देकर उस पर बेहतर ढंग से पशुओं की गौशालाओं की साफ-सफाई व समस्त व्यवस्थाओं पर कार्य किया जायेगा। इस अवसर पर मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. एस0के0 तिवारी, उप जिलाधिकारी सदर शैलेश दूबे, अपर उप जिलाधिकारी अरूण कुमार, पुलिस क्षेत्राधिकारी सदर अजीत चौहान, जिला कृषि अधिकारी डॉ. सर्वेश कुमार यादव, जिला उद्यान अधिकारी समुद्र गुप्त मल्ल, अधिशाषी अभियन्ता नगर पालिका अवधेश भारती, डिप्टी सीबीओ डॉ. सजीत कुमार सिंह, डॉ. सुरेश कुमार तिवारी, खण्ड विकास अधिकारीगण, सूचना अधिकारी सुरेश कुमार सरोज सहित पशु चिकित्साधिकारी आदि उपस्थित रहे।

एक नजर

भाकपा माले ने पूसा में निकाली 'बदलो बिहार न्याय यात्रा'

पूसा/समस्तीपुर।संवाददाता। पूसा प्रखंड के बिरौली चौक से भाकपा माले की 'बदलो बिहार न्याय यात्रा' का आयोजन किया गया, जो विभिन्न चौक-चौराहों से गुजरते हुए समस्तीपुर शहर के मालगोदाम चौक पहुंचकर सम्पन्न हुआ। इस यात्रा का नेतृत्व प्रखंड सचिव अमित कुमार ने किया, साथ ही जिला कमिटी सदस्य महेश कुमार, प्रखंड कमिटी सदस्य दिनेश राय, रविन्द्र सिंह, अखिलेश सिंह, भूपन तिवारी, मुकेश कुमार, विन्देश्वर कुमार और रामलाल सहित कई अन्य कार्यकताओं ने इसमें हिस्सा लिया। यात्रा का उद्देश्य बिहार में न्याय और बदलाव की आवाज को बुलंद करना बताया गया है, जिसमें राज्य की मौजूदा स्थिति को बदलने के लिए संघर्ष का आह्वान किया गया।

स्कूल जाने के रास्ते फरार युवती की पुलिस ने की बरामदगी, प्रेमी के साथ निकाह संपन्न

वैशाली, संवाददाता। वैशाली जिले के गोरौल क्षेत्र के आदमपुर गांव की एक युवती, जो स्कूल के लिए घर से निकली थी और अपने प्रेमी के साथ फरार हो गई थी, को पुलिस ने बरामद कर लिया। इसके बाद मंगलवार को दोनों के परिजनों की सहमति से प्रेमी युगल का निकाह कराया गया। घटना 15 अक्टूबर की है, जब आदमपुर निवासी मो. मोनिफ की बेटी शमा प्रवीण स्कूल जाने के बहाने घर से निकली और अपने प्रेमी मो. साजिद के साथ फरार हो गई। काफी खोजबीन के बाद भी जब युवती का पता नहीं चला, तो उसकी मां ने अपहरण का मामला दर्ज कराया। पुलिस को दो दिन पहले सूचना मिली कि युवती मुजफ्फरपुर जिले के करजा थाना क्षेत्र के करजा गांव में है। इस सूचना पर सहायक पुलिस निरीक्षक उमाकांत सिंह ने तुरंत कार्रवाई करते हुए युवती को बरामद किया। साथ ही, उसके प्रेमी मो. साजिद को भी करजा थाना के पकड़ी गांव से गिरफ्तार किया गया। युवती को सोमवार को हाजीपुर न्यायालय में पेश किया गया, जहां उसकी उम्र बालिग साबित हुई। कोर्ट ने उसे परिजनों के सुपुर्द करने का आदेश दिया। इसके बाद मंगलवार को दोनों पक्षों की सहमति से बाबा गुलाम रसूल साह वारसी के मजार पर निकाह संपन्न हुआ। इस निकाह को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे और प्रेमी युगल को आशीर्वाद देने पहुंचे। सहायक पुलिस निरीक्षक उमाकांत सिंह ने बताया कि दोनों परिवारों की सहमति से यह निकाह संपन्न हुआ।

किसी बड़े अपराध की साजिश कर रहे 6 बदमाशों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

☐बोलेरो सहित देसी कट्टा एवं कारतूस जब्त

मोतिहारी,संवाददाता। अपराध की साजिश करते छह बदमाश को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। जिसके पास से एक बोलेरो, एक लोडेड देसी कट्टा और कारतूस जब्त किए गए हैं। बताया जाता है कि पुलिस की तत्परता से लूट की घटना होने से पहले बदमाशों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें से दो बदमाश पर पहले से मारपीट-आर्म्स एक्ट का मामला दर्ज था। बता दें कि एसपी स्वर्ण प्रभात को गुप्त सूचना मिली कि कुछ बदमाश हरसिद्धि थाना क्षेत्र में होकर किसी घटना को अंजाम देने के लिए जमा हुए है। सूचना मिलने के साथ ही अरेराज एसडीपीओ रंजन कुमार के नेतृत्व में एसपी ने टीम बना कर छापेमारी करने का निर्देश दिया था । जिसके बाद पुलिस टीम ने छापेमारी कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। अरेराज एसडीपीओ रंजन कुमर ने पीसी के दौरान बताया कि एसपी के निर्देश पर हरसिद्धि थाना क्षेत्र में कुछ बदमाश के आने की सूचना मिली। इसके बाद संध्या गश्ती तेज कर जगह-जगह जांच कराई जा रही थी। इसी दौरान थाना क्षेत्र के कोबेया पुल के पास से छह बदमाश को बोलेरो सहित लोडेड देसी कट्टा व कारतूस के साथ गिरफ्तार किया गया है।गिरफ्तार बदमाश में राहुल उर्फ विधायक यादव, आलोक कुमार, मनीष कुमार, मुन्ना कुमार, रिपू कुमार, यशवंत कुमार शामिल है। सभी हरसिद्धि थाना क्षेत्र के रहने वाले है। राहुल और आलोक का आपराधिक इतिहास रहा है। राहुल पर लूट कांड और आलोक पर मारपीट और आर्म्स एक्ट का मामला दर्ज है।

नीतीश कैबिनेट की अहम बैठक में 25 एजेंडों पर लगी सरकार की मुहर

पटना,संवाददाता। मुख्यमंत्री सचिवालय के कैबिनेट हॉल में शाम 5 बजे से चल रही नीतीश कैबिनेट की बैठक हुई। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में विभिन्न विभागों से जुड़े कुल 25 प्रस्तावों पर कैबिनेट की मुहर लगी।

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में आज हुई कैबिनेट की बैठक में पटना के राजेन्द्र नगर स्थित मोईनुलहक स्टेडियम के पुनर्निर्माण के लिए भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड के द्वारा बिहार राज्य हेतु संबद्धता प्राप्त संस्था को दीर्घकालीन लीज पर सौंपने के निमित्त एमओयू किये जाने के लिए अनुमति प्रदान की गयी है। योजना एवं विकास विभाग के बिहार स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण सेवा (संशोधन) नियमावली, 2024 को मंजूरी दी गयी है। वही वित्त विभाग के वित्तीय विशेषज्ञ एवं बजट सलाहकार के एक-एक पद को दो साल के लिए अवधि विस्तार किया गया है। वही बिहार कृषि विभागीय लिपिक संवर्ग (भर्ती, प्रोन्नति एवं सेवाशर्त) नियमावली 2024 के गठन की स्वीकृति दी गयी है। सैनिक कल्याण निदेशालय एवं कार्यालयों में कार्यालय परिचारी एवं परिचारी (रात्रि प्रहरी) के पदों पर भूतपूर्व सैनिकों की भर्ती की जाएगी। कार्यालय परिचारी एवं परिचारी (रात्रि प्रहरी) संवर्ग नियमावली 2024 के गठन की स्वीकृति कैबिनेट की बैठक में दी गई।

यूपी का ट्रक,राजस्थान का ड्राइवर और नॉर्थ ईस्ट का माल, जांच के दौरान बिहार पुलिस हुई हैरान

अररिया,संवाददाता। जिले की जोकीहाट थाना पुलिस ने भारी मात्रा में विदेशी शराब बरामद किया है। एसपी अमित रंजन को मिले गुप्त सूचना पर जोकीहाट थाना पुलिस ने ये कार्रवाई की। ट्रक से 488 पेटी में कुल 4 हजार 275 लीटर विदेशी शराब बरामद किया गया। उत्तर प्रदेश नंबर के ट्रक में शराब को अरुणाचल प्रदेश में लोड किया गया था और इसकी डिलीवरी जिले के फारबिसगंज में होने की बात कही जा रही है। जिसको लेकर पुलिस इसके बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंक के साथ फारबिसगंज के शराब माफिया की तलाश में जुट गई है।

शराब जब्ती के बाद एसपी अमित रंजन, एएसपी रामपुकार सिंह जोकीहाट थाना पहुंचकर मामले में हिरासत में लिए गए ट्रक के चालक और खलासी से कड़ी पूछताछ की। उसके बाद जोकीहाट थानेदार राजीव कुमार झा के नेतृत्व में पुलिस की टीम ने एनएच 327 ई रानी चौक के समीप उत्तर प्रदेश नंबर की ट्रक संख्या यूपी 13 टी/6745 दस चक्का वाले ट्रक को रोककर तलाशी ली। ट्रक में जूट और फिर जूट का बोरा भरा हुआ था। गहनता से जांच करने पर ट्रक के अंदर 488 पेटी में कुल 4 हजार 275 लीटर विदेशी शराब बरामद किया गया। एसपी ने बताया कि लोकसभा चुनाव के समय से ही शराब और नशा के खिलाफ ऑपरेशन चलाया जा रहा है। जिले में भारी मात्रा में शराब समेत स्मैक, ब्राउन शुगर, कोडीन युक्त कफ सिरप लगातार जब्त किए जा रहे हैं। एसपी ने जानकारी देते हुए बताया कि मामले को लेकर राजस्थान के रहने वाले ट्रक चालक भेरूलाल और भंवरलाल को हिरासत में लिया गया है। उनसे पूछताछ जारी

है। गिरफ्तार ट्रक का चालक और खलासी राजस्थान के भीलवाड़ा जिले के शिवपुर का रहने वाला है। जानकारी देते हुए एसपी अमित रंजन ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि एक ट्रक शराब पश्चिम बंगाल के रास्ते अररिया पहुंच रहा है। जिसको लेकर जोकीहाट समेत अन्य थाना पुलिस को अलर्ट किया गया था। है। चालक ने बताया कि शराब की ये खेप अरुणाचल प्रदेश से अररिया के लिए लाई गई थी। पुलिस इस मामले में बाकी कनेक्शन की जांच कर शराब माफिया की तलाश में जुट गई है। पुलिस पूरे गिरोह के बारे में पता लगा रही है, जो नॉर्थ ईस्ट से शराब की तस्करी करने में जुटे हुए हैं।

बिहार के टॉप ब्यूरोक्रेसी में बड़ा फेरबदल

☐चैतन्य प्रसाद पद से हटाये गये
☐प्रत्यय अमृत बने विकास आयुक्त
☐कई और आईएएस बदले

पटना,संवाददाता। में बड़ा फेरबदल कर दिया है। विकास आयुक्त का जिम्मा संभाल रहे चैतन्य प्रसाद को शंट कर दिया गया है। वहीं, प्रत्यय अमृत को बिहार का नया विकास आयुक्त बना दिया गया है। बता दें कि बिहार के ब्यूरोक्रेसी में विकास आयुक्त को मुख्य सचिव के बाद नंबर 2 का पोस्ट माना जाता है। राज्य सरकार ने कई और अहम विभागों के अपर मुख्य सचिव/ प्रधान सचिव को बदल दिया है। बिहार सरकार की ओर से जारी नोटिफिकेशन में 7 बड़े अधिकारियों का तबादला कर दिया गया है। बिहार के विकास आयुक्त चैतन्य प्रसाद को इस पद से हटाकर सामान्य प्रशासन विभाग के मुख्य जांच आयुक्त के पद पर ट्रांसफर कर दिया गया है। ये पद वैसे अधिकारियों को दिया जाता रहा है जिन्हें सरकार कोई महत्वपूर्ण जिम्मेवारी नहीं देना चाहती।

दूसरी ओर स्वास्थ्य, पथ निर्माण और आपदा प्रबंधन विभाग के अपर मुख्य सचिव का एक साथ जिम्मा संभाल रहे प्रत्यय अमृत को प्रमोशन दे दिया गया है। उन्हें विकास आयुक्त का पद सौंपा गया है। इसके साथ ही प्रत्यय अमृत स्वास्थ्य विभाग और आपदा प्रबंधन विभाग के अपर मुख्य सचिव का भी काम देखते रहेंगे। उनसे सिर्फ पथ निर्माण विभाग का कार्यभार हटाया गया है। बिहार सरकार ने मिहिर कुमार सिंह को पथ निर्माण विभाग का नया अपर मुख्य सचिव बनाया गया है। मिहिर कुमार सिंह अब तक पंचायती राज विभाग के साथ साथ खान एवं भूतत्व विभाग के अपर मुख्य सचिव का काम देख रहे थे। उनके जिम्मे सामान्य प्रशासन विभाग के मुख्य जांच आयुक्त का भी काम था। वे इन सब पदों से मुक्त होकर सिर्फ पथ निर्माण विभाग के अपर मुख्य सचिव का काम देखेंगे। राज्य सरकार ने गन्ना उद्योग विभाग के प्रधान सचिव नर्मदेश्वर लाल का भी ट्रांसफर कर दिया है। उन्हें खान एवं भूतत्व विभाग के अपर मुख्य सचिव की जिम्मेवारी सौंपी गयी है। इसके साथ ही वे खनिज विकास निगम, खनन निगम लिमिटेड के एमडी के भी चार्ज में रहेंगे। राज्य सरकार ने अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण विभाग के सचिव दिवेश सेहरा को पंचायती राज विभाग के सचिव के पद का अतिरिक्त प्रभार सौंपा है। वहीं, पथ निर्माण विभाग के सचिव कार्तिकेय धनजी को गन्ना उद्योग विभाग के सचिव का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

होटल में अंदर का नजारा देख महिला पुलिस की झुकी नजरें

☐कमरे से आ रही थी सिसकारी जैसी आवाज!

जमुई,संवाददाता। महिला थाना की पुलिस को यह सूचना मिली थी कि शहर के हरनाहा मोहल्ला के समीप स्थित गोकुल गेस्ट हाउस में बलात्कार के एक मामले में शामिल एक आरोपी छुपा हुआ है। इसके बाद फिर क्या था, महिला थाना की पूरी टीम थानाध्यक्ष प्रीति कुमारी के नेतृत्व मे छापेमारी करने के लिए पहुंच गई। इसके बाद पुलिस ने जो होटल के अंदर नजारा देखा वह वास्तव में हैरान कर देने वाला था। पुलिस ने इस रेस्ट हाउस के अलग-अलग कमरों से तीन युवक और युवती को संदिग्ध अवस्था में देखा।

कमरों के अंदर कौन सा खेल चल रहा था। पुलिस देखते ही समझ गई। युवक और युवतियों के चेहरे से पसीने की बूंद टपक रही थी। सूत्रों की मानें, तो कमरों के अंदर से तरह- तरह की उत्तेजक आवाज आ रही थी। महिला थाना की पुलिस ने मौके की नजाकत को देखते हुए तुरंत ही सदर थाना को सूचना देकर उससे सहायता मांगी। इसके बाद पुलिस ने पूरे होटल को सील करके होटल संचालक समेत उसमें मौजूद सभी लोगों को हिरासत में लिया। हालांकि एक युवक फरार हो गया। जानकारी के अनुसार पुलिस इस होटल में रेप के मामले में शामिल एक अभियुक्त की गिरफ्तारी के लिए गई थी, लेकिन उसके हाथ तो सेक्स रैकेट ही लग गया। पुलिस ने होटल के सभी कमरों में छापामारी भी की। ऐसी सूचना है कि इस होटल संचालक को कई सफेदपोश लोगों का संरक्षण प्राप्त है और उसके द्वारा पुलिस के नाक के नीचे बड़े ही धड़ल्ले से होटल में ठहरने वाले लोगों से चंद रुपया लेकर उनके बिस्तर गर्म करने और रात रंगीन करने की व्यवस्था की जाती है। इसके अलावा दिन में भी होटल में आने लोगों की डिमांड पर शारीरिक सुख देने का काम किया जाता है। हालांकि पुलिस ने वर्ष 2022 के दिसंबर में इस होटल में सेक्स रैकेट चलने की सूचना मिलने पर छापामारी की थी। लेकिन इसके बाद भी होटल संचालक अपनी गतिविधियों पर कोई विराम नहीं लगा पाया। हिरासत में लिए एक युवक ने बताया कि वह अपनी मंगेतर से मिलने के लिए होटल में बुक करके आया था। फिलहाल पुलिस इन सभी लोगों से पूछताछ कर रही है।

हाल फिलहाल में पुलिस की ओर से सेक्स रैकेट का पदार्फाश करने के लिए शहर के चार अलग-अलग होटल में छापामारी की जा चुकी है। महिला थानाध्यक्ष प्रीति कुमारी ने बताया कि पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही हैं। जल्द ही इसके बारे में सभी तरह की जानकारी का खुलासा किया जाएगा। स्थानीय लोगों ने बताया कि होटल पहले से बदनाम है। पुलिस लगातार यहां छापेमारी नहीं करती है। होटल मालिक कई बड़े लोगों के संपर्क में रहता है और अपना धंधा चलाता है।

उपचुनाव से पहले बिहार के नेताओं की बढ़ाई गई सुरक्षा

☐लिस्ट में मंत्री का नाम भी शामिल
☐गृह विभाग ने जारी किया लेटर

पटना,संवाददाता। बिहार में अगले महीने विधानसभा का उपचुनाव होना है। इस दौरान तमाम पार्टी के नेताओं को प्रचार-प्रसार के लिए जनता के बीच जाना है। इसके साथ ही अपनी पार्टी के कैंडिडेट के लिए वोट अपील भी करनी है। ऐसे में इस दौरान कई जगहों पर भीड़ भी देखने को मिल सकती है। इसके साथ ही खुफिया विभाग को कुछ सुचना भी हासिल हो रही थी। लिहाजा बिहार सरकार ने सूबे के कुछ प्रमुख नेताओं की सुरक्षा में इजाफा किया है। इस लिस्ट में बिहार सरकार के मंत्री और पार्षद का नाम भी शामिल है। गृह विभाग ने बिहार विधानसभा के अध्यक्ष सहित मंत्री सांसद, विधान पार्षद को वाई प्लस और वाई श्रेणी की सुरक्षा दी है। इसके लिए गृह विभाग की ओर से आदेश जारी कर दिया गया है। विभाग ने बिहार के डीजीपी को सुरक्षा बढ़ाने को लेकर निर्देश दिया है। यह निर्णय राज्य सुरक्षा समिति की बैठक में लिया गया है। बिहार सरकार के विशिष्ट व्यक्तियों को वाई श्रेणी की सुरक्षा दी गई है। गृह विभाग के तरफ से जो लेटर जारी किया गया है उसमें जिन नाम का चयन किया गया है उसमें बिहार विधानसभा के अध्यक्ष नंद किशोर यादव वाई प्लस श्रेणी की सुरक्षा दी गई है। इसके साथ ही लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग के मंत्री नीरज कुमार सिंह को वाई प्लस श्रेणी की सुरक्षा दी गई है। अररिया लोक सभा क्षेत्र से सांसद प्रदीप कुमार सिंह को वाई श्रेणी की सुरक्षा, दी गई है। सिंह को वाई श्रेणी की सुरक्षा दी गई है। इसके पहले ही नीतीश सरकार नेकई नेताओं की सुरक्षा बढ़ाई थी। जिसमें मंत्री लेसी सिंह, भाजपा विधायक तारकिशोर प्रसाद, राज्यसभा सांसद उपेन्द्र कुशवाहा, जेडीयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा का नाम शामिल था।

मौसमः बिहार के जिलों में मूसलाधार बारिश का अलर्ट

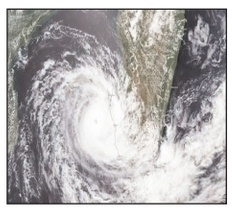

पटना,संवाददाता। बिहार में मौसम ने एक बार फिर करवट ली है। पिछले कुछ दिनों के बाद अब आसमान में बादल छाए रहने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, बंगाल की खाड़ी में बन रहे चक्रवात के कारण बिहार के कई जिलों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है।आइएमडी ने बंगाल की खाड़ी में बन रहे चक्रवाती तूफान को लेकर अलर्ट जारी किया है। आईएमडी के अनुसार, 23 अक्टूबर को ओडिशा तट के पास बंगाल की खाड़ी में चक्रवाती तूफान आने की संभावना है। इस चक्रवात के कारण बिहार में भी मौसम प्रभावित होगा। मौसम विभाग के अनुसार बुधवार से ही राज्य के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश शुरू हो सकती है। जबकि इसके 26 अक्टूबर तक रहने की संभावना है। बारिश के साथ तापमान में गिरावट आने की संभावना है और ठंड बढ़ सकती है। मौसम विभाग के अनुसार सूबे का मौसम 25 अक्टूबर से बदलेगा और 25 -26 अक्टूबर को कई जिलों में बारिश हो सकती है। इसमे मुख्य रूप से जिन जिलों को शामिल किया गया है उसमें पटना, नवादा, शेखपुरा, नालंदा, सुपौल, खगड़िया, सहरसा,मधेपुरा, भागलपुर, बांका, मुंगेर, जमुई,कटिहार, किशनगंज, मधेपुरा और पूर्णिया का नाम शामिल है। यहां बारिश हो सकती है। आईएमडी ने अपने ताजा अपटेड में कहा है मौसम की यह प्रणाली अपनी गति जारी रखते हुए 24 अक्टूबर की रात और 25 अक्टूबर की सुबह के समय एक गंभीर चक्रवाती तूफान के रूप में पुरी और सागर द्वीप के बीच उत्तरी ओडिशा तथा पश्चिम बंगाल के तटों को पार कर सकती है. इस दौरान हवा की गति 100 से 110 किमी प्रति घंटा से लेकर 120 किमी प्रति घंटा तक हो सकती है।

विधायक ने किया सड़कों और विकास योजनाओं का शिलान्यास

मुजफ्फरपुर,दीपक तिवारी। जिले के बंदरा प्रखंड के तेपरी पंचायत में गायघाट विधायक निरंजन राय ने मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क योजना और मुख्यमंत्री क्षेत्र विकास योजना के तहत कई महत्वपूर्ण विकास योजनाओं का शिलान्यास किया। ग्रामीण कार्य विभाग के अंतर्गत मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क योजना से लगभग 84 लाख की लागत से दो योजनाओं का शिलान्यास किया गया। इनमें तेपरी हनुमान चौक से गटोली और तेपरी सैदपुर मेन रोड से पाण्डे टोला तक सड़क निर्माण शामिल है। इसके साथ ही, मुख्यमंत्री क्षेत्र विकास योजना के अंतर्गत विधायक निधि से लगभग 26 लाख रुपये की तीन योजनाओं का शिलान्यास किया गया। इनमें सखौरा चौक से खड़गपुर हरिनंदन सहनी के घर तक, बंदरा पंचायत में प्रदीप राम के घर से बरकुलर दुध सेंटर तक, और पिपरपतिया टोला में आफताब आलम के घर से मो. खिजिर हयात के घर तक सड़क निर्माण के कार्य शामिल हैं। इस अवसर पर राजद के अल्पसंख्यक जिला उपाध्यक्ष गाजी शाहनवाज, पूर्व जिला पार्षद आफताब आलम, प्रखंड अध्यक्ष रविन्द्र सहनी, तेपरी पंचायत के मुखिया हरिश्चंद्र राम, राजद के जिला महासचिव विनय कुमार

यादव, डा. शत्रुधन राय, पूर्व मुखिया राजेन्द्र सहनी, पूर्व प्रमुख प्रतिनिधि संजेश चौधरी, जिला महासचिव उमेश कुशवाहा,बबलू यादव समेत कई स्थानीय नेता और सैकड़ों ग्रामीण मौजूद थे। विधायक निरंजन राय ने कहा कि ये योजनाएं ग्रामीण क्षेत्रों में कनेक्टिविटी सुधारने और लोगों की सुविधाओं को बढ़ाने के उद्देश्य से शुरू की गई हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि आने वाले समय में और भी विकास कार्यों को तेजी से पूरा किया जाएगा।

'अररिया में रहना है तो हिंदू बनना होगा', गिरिराज सिंह की यात्रा में बोले बीजेपी सांसद प्रदीप सिंह

☐मचा बवाल

अररिया,संवाददाता। बिहार में भारतीय जनता पार्टी (इखढ) सांसद प्रदीप कुमार सिंह ने अररिया में एक विवादित बयान देकर हंगामा खड़ा कर दिया है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह की 'हिंदू स्वाभिमान यात्रा' के दौरान एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि 'अररिया में रहना है तो हिंदू बनना होगा।' उनका यह बयान सोशल मीडिया पर आग की तरह फैल गया है और लोग उनकी आलोचना कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि अररिया में रहना है तो सामाजिक सद्भाव कायम रखना होगा।

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह की 'हिंदू स्वाभिमान यात्रा' 21 अक्टूबर को अररिया पहुंची। यहां ठाकुरबाड़ी परिसर में रात में एक सभा का आयोजन था। इसमें केंद्रीय मंत्री गिरीराज सिंह और धर्म गुरु दीपांकरजी महाराज सहित भाजपा और हिन्दू संगठन के लोग शामिल हुए थे। इसी सभा में बीजेपी सांसद प्रदीप सिंह ने हिंदू वाला बयान दिया।

सांसद प्रदीप कुमार सिंह ने अपने संबोधन में कहा, 'खुद को हिंदू बोलने में भला कैसी शर्म? हम तो कहते हैं कि अगर अररिया में रहना है तो हिंदू बनना होगा।' उन्होंने आगे कहा, 'जब बेटा-बेटी की शादी करनी हो तब जात-पात खोज लीजिए, लेकिन जब हिंदुओं की एकजुटता की बात हो तब पहले हिंदू बनिए, बाद में जाति को ढूंढिए।'

सोशल मीडिया पर भी लोग सांसद के बयान की आलोचना कर रहे हैं। कुछ लोगों का कहना है कि उनका बयान समाज में नफरत फैलाने वाला है। वहीं, भाजपा से जुड़े लोगों का कहना है कि प्रदीप सिंह का इरादा किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना नहीं था। उनका कहना है कि सांसद सिर्फ हिंदुओं को एकजुट करने की बात कर रहे थे।

इस बीच, गिरिराज सिंह ने कहा है कि 'हिंदू स्वाभिमान यात्रा' पार्टी का नहीं बल्कि उनका निजी कार्यक्रम है। उन्होंने प्रदीप सिंह के बयान पर कोई टिप्पणी नहीं की है। बता दें, प्रदीप सिंह का यह विवादित बयान ऐसे समय में आया है, जब बिहार में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। ऐसे में इस बयान से सियासी पारा और चढ़ने की आशंका है।

चरण सिंह

विचार

क्षेत्रीय दलों के लिए आफत बनेगा पीएम मोदी का एक लाख गैर पहचान वाले नेता तैयार करने का अभियान !

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर कितने भी आरोप लगते रहे पर उन्हें जो करना होता है वह करते हैं। अब तक मोदी वंशवाद और परिवारवाद को लेकर गांधी और यादव परिवार पर ही हमलावर रहते थे अब उन्होंने राजनीति में वंशवाद के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। वह अपने हर कार्यक्रम में वंशवाद का विरोध जरूर दर्ज कराते हैं। प्रधानमंत्री ने अभियान छेड़ा है कि गैर पहचान के एक लाख युवा राजनीति में तैयार करने हैं। उन्होंने भ्रष्टाचार और वंशवाद को घातक बताया है। प्रधानमंत्री की बात का असर लोगों पर होता है। इसलिए प्रधानमंत्री का वंशवाद के खिलाफ चलाया गया यह अभियान क्षेत्रीय दलों के लिए आफत बनने वाला है। इसमें दो राय नहीं कि बीजेपी भी परिवारवाद और वंशवाद से अछूती नहीं है पर बीजेपी नेतृत्व में अभी तक वंशवाद और परिवारवाद नहीं आया है। उत्तर प्रदेश में सपा, बसपा, रालोद, अपना दल यहां तक ओमप्रकाश राजभर और संजय निषाद की पार्टी में भी वंशवाद और परिवारवाद देखने को मिल रहा है।

ऐसे ही हरियाणा में चौटाला परिवार, हुड्डा परिवार, बंसीलाल परिवार और भजनलाल परिवार राजनीति पर कब्जा जमाये हुए है। हालांकि बीजेपी में मनोहर लाल खट्टर के बाद नायब सिंह सैनी ने इन परिवार वादियों के खिलाफ लड़कर अपनी सरकार बनाई है। ऐसे ही महाराष्ट्र में एनसीपी में शरद पवार के बाद उनकी बेटी सुप्रिया सुले, अजित पवार। ऐसे ही शिवसेना (उद्धव) में उद्धव ठाकरे, आदित्य ठाकरे। मनसे में राज ठाकरे, तमिलनाडु में एमके स्टालिन, झारखंड में हेमंत सोरेन, जम्मू-कश्मीर में फारूक अब्दुल्ला उमर अब्दुल्ला, मुफ्ती महबूबा। ऐसे ही हर राज्य में गिने चुने परिवारों ने देश की राजनीति कब्जा रखी है। ऐसे में पीएम मोदी ने दूरगामी सोच के साथ एक लाख गैर पहचान के युवाओं को राजनीति में तैयार करने का यह अभियान छेड़ा है। प्रधानमंत्री के इस अभियान का न केवल देश की राजनीति को फायदा होगा बल्कि देश के आम युवा भी राजनीति में अपनी पहचान बना पाएंगे।

दरअसल देश में राजनीतिक संगठनों की स्थिति यह है कि जैसे ये प्राइवेट कंपनियां बनकर रह गये हों। जिस तरह से कंपनियों में अधिकारी नियुक्त होते हैं ऐसे ही राजनीतिक दलों में पदाधिकारी बनने लगे हैं। जैसे कंपनियों में मालिक के खिलाफ बोलने पर नौकरी से हाथ धोना पड़ जाता है ऐसे ही राजनीतिक दलों में यदि पार्टी नेतृत्व के खिलाफ कुछ बोल दिया तो मानो अगले ही दिन पार्टी के निष्कासन हो जाएगा। निजी कंपनियों की तरह इन राजनीतिक दलों में भी गुलाम की तरह काम करते रहो बस। समाजवाद के प्रणेता डॉ. राम मनोहर लोहिया कहा करते थे कि यदि आपका नेता भी गलत चल रहा है तो उसका भी विरोध करो। क्या आज के समाजवाद के ठेकेदार बने घूम रहे नेता अपनी आलोचना सुनना बर्दाशत करेंगे या फिर कार्यकर्ता अपने नेताओं का विरोध करने का नैतिक साहस जुटा पाएंगे। नहीं न। इन नेताओं की कोई कार्यकर्ता बुराई नहीं कर सकता है। ऐसे में पार्टी कार्यकर्ता नेतृत्व की चाटुकारिता या गुलामी कर अपना काम निकालने की जुगत में लगे रहते हैं।

वर्क फ्रॉम जेल...

-पीए सिद्धार्थ-

आजादी के अमृत काल में शायद ही कोई ऐसा क्षण गुजरता हो जब किसी को अपने भारतीय होने पर गौरव न होता हो। बाबा सिद्दिकी को मारने के बाद जब पुलिस हिरासत में बिश्नोई गैंग के शूटर ने पत्रकारों को सम्बोधित किया तो समझ में आया कि पिछले ग्यारह सालों में विश्व गुरू ने किसी पत्रकार वार्ता को सम्बोधित क्यों नहीं किया? ऐसे छोटे-मोटे कामों के लिए तो किसी गैंग के शूटर्स ही काफी हैं। चुनावी रैलियों में लोगों से बतियाने के लिए विश्व गुरू के पास पहले से ही मटन, मछली, भैंस, मंगलसूत्र जैसे कई अहम मुद्दे मौजूद हैं। फिर देश के अहम मुद्दों से लोगों का ध्यान भटकाने के लिए पक्षकारों को थोथे राष्ट्रवाद या प्राचीन गौरव की चाशनी ही तो चाहिए। ऐसे में क्या जरूरी कि विश्व गुरू हर ऐरे-गैरे पक्षकार से बात करें या किसी पक्षकार वार्ता को सम्बोधित करें? वह तो हिन्दी फिल्मों के मशहूर अभिनेता राजकुमार की तरह केवल अपनी पसन्द के पक्षकारों से बात करना पसन्द करते हैं, वह भी अपनी पसन्द के डिजायनर कपड़ों में अपनी पसन्द की लोकेशन, मुद्दों और अपनी पसन्द के वक्त के हिसाब से। सौदागर फिल्म में राजकुमार का मशहूर डायलॉग है-ह्यजानीङ्खहम तुम्हें मारेंगे और जरूर मारेंगे, पर बंदूक भी हमारी होगी और गोली भी हमारी होगी और वह वक्त भी हमारा होगा। इसी तरह विश्व गुरू भी अपना सारा काम अपनी पसन्द के हिसाब से करना पसन्द करते हैं। हां, लॉरेंस बिश्नोई गैंग का कोई शूटर, क्षमा करें माननीय भाई पुलिस हिरासत में भी पक्षकारों से मुखातिब हो सकता है। पुलिस की कोई पाबन्दी नहीं। अभी तक यह समझ में नहीं आया कि भाई को पुलिस ने पकड़ क्यों रखा है? जबकि भाई का कहना है कि उसने केवल बाबा सिद्दीकी जैसे बुरे आदमी को मारा है। बाबा सिद्दीकी के दाऊद इब्राहिम की गैंग से सम्बन्ध थे। लेकिन अगर उसके सम्बन्ध बिश्नोई गैंग से होते तो फिर उसे कौन मार सकता था। लेकिन लॉरिन्स भाई को लाख सलाम। नहीं, नहीं लाख नमस्कार। सलाम से आतताई धर्म की बू आती है। 'वर्क फ्रॉम जेल' की इससे बेहतर मिसाल नहीं मिल सकती।

अरविंद केजरीवाल चाह कर भी तिहाड़ जेल से दिल्ली के मुख्यमंत्री का कामकाज नहीं देख पाए। लेकिन लॉरेन्स भाई की शान निराली है। खालिस्तानियों की हत्या में कनाडा और अमेरिका तक उसका नाम ले रहे हैं। भाई का नाम भी गजब है। लॉरेन्स, लॉरेन्स बिश्नोई। इसे कहते हैं देसी गधा और मुलतानी काठी। भाई 2015 से जेल में है। लेकिन जलवों की वही चमक बरकरार है। अगर विश्वास नहीं तो फिल्मी भाई, मेरा मतलब है कि सलमान खान से पूछ कर देखिए। सुनने में आया है कि जान के डर से फिल्मी भाई ने दो करोड़ की बुलेट प्रूफ गाड़ी खरीदी है। 'वॉटेन्ड' फिल्म में फिल्मी भाई ने बड़ी ठसक के साथ पुलिस अधिकारी के साथ-साथ भाई का रोल भी निभाया था। लेकिन असल जिंदगी का भाई इतना भारी पड़ा कि बेचारे को बुलेट प्रूफ गाड़ी खरीदनी पड़ी। फिर भी जरूरी नहीं कि जान बच जाए। मौसम चुनावी है और अगर बादशाह सलामत को लगा कि फिल्मी भाई के जाने से चुनाव में फायदा मिल सकता है, तो फिर उसकी जान बचाने की जिम्मेवारी खुदा भी नहीं ले सकते। हां, लॉरेन्स की गैंग ने फिल्मी भाई की जान बख्शने की कीमत पांच करोड़ मांगी है। ट्रैफिक पुलिस के व्हाट्सऐप पर मैसेज भेज कर। पांच करोड़ में सौदा बुरा नहीं। पुलिस और भाइयों के बीच अमर प्रेम का यह बेहतरीन उदाहरण है। कोरोना के दौरान आपदा में अवसर का कितनों ने लाभ उठाया? पीएम केयर्स फंड के अलावा इसका कोई बड़ा उदाहरण सामने नहीं आया। हां, इस दौरान वर्क फ्रॉम होम के असंख्य उदाहरण सामने आए। लोगों ने अपना शोषण होने के बावजूद घर से सफलतापूर्वक अपने संस्थानों के काम निपटाए। लेकिन वर्क फ्रॉम जेल की एक ही मिसाल है और वह भी अंतरराष्ट्रीय स्तर की। अमेरिका और कनाडा तक अश-अश कर रहे हैं। शायद लॉरेन्स भाई का कद अभी भारत रत्न के बराबर न हो पाया हो, लेकिन एक अदद पद्म पुरस्कार तो बनता ही है।

(स्वतंत्र लेखक)

पीएचडी छात्रों के लिए राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा के मायने

-प्रियंका सौरभ

नेट पर बढ़ती निर्भरता अनजाने में भारत में शोध के दायरे को सीमित कर सकती है। अनुसंधान विचार, कार्यप्रणाली और परिप्रेक्ष्य की विविधता पर पनपता है। नेट जैसे मानकीकृत परीक्षण, जो आलोचनात्मक सोच पर याद रखने को प्राथमिकता देते हैं, ऐसे विद्वान पैदा कर सकते हैं जो परीक्षा उत्तीर्ण करने में माहिर हैं लेकिन ज्ञान की सीमाओं को आगे बढ़ाने की क्षमता का अभाव है, पूछताछ की यह संकीर्णता नवाचार और मूल विचारों के विकास, दोनों को सीमित कर सकती है शैक्षणिक क्षेत्रों में प्रगति के लिए महत्त्वपूर्ण हैं।

नेशनल एलिजिबिलिटी टेस्ट जिसे यूजीसी नेट या एनटीए-यूजीसी-नेट के रूप में भी जाना जाता है, कॉलेज और विश्वविद्यालय स्तर के लेक्चररशिप के लिए योग्यता और भारतीय नागरिकों के लिए जूनियर रिसर्च फेलोशिप के पुरस्कार के लिए निर्धारित करने के लिए एक परीक्षा है। इसका उद्देश्य शिक्षण व्यवसायों और अनुसंधान में प्रवेशकों के लिए न्यूनतम मानक सुनिश्चित करना है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की ओर से, राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) सहायक प्रोफेसर के लिए पात्रता या केवल जूनियर रिसर्च फेलोशिप और सहायक प्रोफेसर की योग्यता के लिए भारतीय विश्वविद्यालयों और कॉलेजों दोनों में भारतीय नागरिकों की पात्रता निर्धारित करने के लिए परीक्षण आयोजित करती है। पारंपरिक रूप से जूनियर रिसर्च फेलोशिप (जेआरएफ) और सहायक प्रोफेसरशिप पात्रता के लिए उपयोग की जाने वाली राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (एनईटी) अब भारत में पीएचडी प्रवेश के लिए एक प्रमुख मानदंड बन गई है। इस बदलाव ने अकादमिक समुदाय के भीतर इस चिंता के कारण काफी बहस छेड़ दी है कि क्या परीक्षण वास्तविक शोध क्षमता की पहचान करने के लिए उपयुक्त है। नेट एक बहुविकल्पीय प्रश्न (एमसीक्यू) आधारित परीक्षा है जो मुख्य रूप से स्मृति और याददाश्त जैसी निचले क्रम की संज्ञानात्मक क्षमताओं का आकलन करती है। ये क्षमताएँ कुछ संदर्भों में उपयोगी हैं लेकिन डॉक्टरेट स्तर के अनुसंधान के लिए आवश्यक महत्त्वपूर्ण सोच, रचनात्मकता और विश्लेषणात्मक कौशल का मूल्यांकन करने में कम पड़ जाती हैं।

पीएचडी अनुसंधान जटिल विचारों, मौजूदा ज्ञान के महत्त्वपूर्ण विश्लेषण और मूल अंतर्दृष्टि में योगदान करने के लिए रचनात्मकता की मांग करता है, विशेष रूप से साहित्य, सामाजिक विज्ञान और मानविकी जैसे विषयों में तथ्यात्मक स्मरण और तुच्छ प्रश्नों पर नेट का ध्यान उम्मीदवारों की प्रदर्शन करने की क्षमता को कमजोर करता है। सूक्ष्म तर्क विकसित करने और व्यापक सैद्धांतिक अवधारणाओं के साथ जुड़ने की उनकी क्षमता। नेट स्कोर पर निर्भरता से हाशिए पर रहने वाले समुदाय असमान रूप से प्रभावित होते हैं। इन छात्रों को अक्सर प्रणालीगत बाधाओं का सामना करना पड़ता है, जैसे संसाधनों तक सीमित पहुँच और उच्च लागत वाली कोचिंग, जो नेट पास करने के लिए तेजी से आवश्यक होती जा रही हैं। परिणामस्वरूप, इन पृष्ठभूमियों के प्रतिभाशाली व्यक्तियों को उनकी बौद्धिक क्षमता के बावजूद पीएचडी कार्यक्रमों से बाहर रखा जा सकता है।

नेट के माध्यम से पीएचडी प्रवेश के केंद्रीकरण से उच्च शिक्षण संस्थानों की स्वायत्तता को खतरा है। परंपरागत रूप से, विश्वविद्यालयों को अपने शोध प्रस्तावों, साक्षात्कार और अनुशासन-विशिष्ट परीक्षणों के आधार पर उम्मीदवारों का चयन करने की स्वतंत्रता है। यह स्वायत्तता संस्थानों को उन उम्मीदवारों को भर्ती करने की अनुमति देती है जो उनकी विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुरूप होते हैं। एक आकार-सभी के लिए उपयुक्त दृष्टिकोण के माध्यम से प्रवेश को केंद्रीकृत करने से उच्च गुणवत्ता वाले शैक्षणिक अनुसंधान के लिए महत्त्वपूर्ण विविधता और नवाचार के क्षीण होने का जोखिम होता है, जैसे कि सामान्य विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) ने पहले ही भारत की उच्च शिक्षा प्रणाली में संस्थागत स्वायत्तता के क्षरण के बारे में चिंता जताई है।

नेट प्रणाली छात्रों को डॉक्टरेट अनुसंधान की कठोरता के लिए तैयार नहीं करती है। पीएचडी उम्मीदवारों से अपेक्षा की जाती है कि वे मूल अंतर्दृष्टि प्रदान करें, सहकर्मी-समीक्षित पत्रिकाओं में प्रकाशित करें और विद्वानों के प्रवचन में संलग्न हों-प्रतिभाशाली छात्रों का विदेश में पलायन पीएचडी कार्यक्रमों के लिए संस्थानों को घरेलू प्रणाली की सीमाओं के लिए ज़िम्मेदार ठहराया जा सकता है, जहाँ मानकीकृत परीक्षण पर जोर को रचनात्मकता और आलोचनात्मक सोच को दबाने के रूप में देखा जाता है। नेट पर बढ़ती निर्भरता अनजाने में भारत में शोध के दायरे को सीमित कर सकती है। अनुसंधान विचार, कार्यप्रणाली और परिप्रेक्ष्य की विविधता पर पनपता है। नेट जैसे मानकीकृत परीक्षण, जो आलोचनात्मक सोच पर याद रखने को प्राथमिकता देते हैं, ऐसे विद्वान पैदा कर सकते हैं जो परीक्षा उत्तीर्ण करने में माहिर हैं लेकिन ज्ञान की सीमाओं को आगे बढ़ाने की क्षमता का अभाव है, पूछताछ की यह संकीर्णता नवाचार और मूल विचारों के विकास, दोनों को सीमित कर सकती है शैक्षणिक क्षेत्रों में प्रगति के लिए महत्त्वपूर्ण हैं।

संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडा के कई शीर्ष विश्वविद्यालय पीएचडी प्रवेश के लिए समग्र दृष्टिकोण का उपयोग करते हैं। इसमें उम्मीदवार के शोध प्रस्ताव, व्यक्तिगत बयान, अनुशंसा पत्र और अकादमिक इतिहास की विस्तृत समीक्षा शामिल है, जर्मनी में छात्र स्नातक अध्ययन से सीधे पीएचडी कार्यक्रमों में प्रवेश कर सकते हैं, बशर्ते वे असाधारण शोध क्षमता और अकादमिक प्रदर्शन प्रदर्शित करें)) विभिन्न शैक्षणिक पृष्ठभूमि वाले उम्मीदवारों को पीएचडी कार्यक्रमों के लिए आवेदन करने के लिए प्रोत्साहित करना। आवेदकों का मूल्यांकन अनुसंधान में विभिन्न दृष्टिकोण लाने की उनकी क्षमता के आधार पर किया जाता है, जिसे अंतःविषय अध्ययन के लिए मूल्यवान माना जाता है। स्वीडन, फिनलैंड और डेनमार्क जैसे देशों में, विश्वविद्यालय यह सुनिश्चित करने के लिए उद्योग भागीदारों के साथ सहयोग करते हैं कि पीएचडी उम्मीदवार वास्तविक दुनिया के साथ अनुसंधान परियोजनाओं पर काम कर रहे हैं। एप्लिकेशन। नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर (एनयूएस) उन छात्रों को प्रदर्शन-आधारित फेलोशिप प्रदान करता है जो अपने अकादमिक रिकॉर्ड, साक्षात्कार और प्रकाशनों के माध्यम से मजबूत शोध का वादा दिखाते हैं।

शिक्षा और अनुसंधान में भारत की वैश्विक आकांक्षाओं के लिए पीएचडी प्रवेश के लिए अधिक समग्र दृष्टिकोण की आवश्यकता है-जो रचनात्मकता, आलोचनात्मक सोच और अकादमिक अनुसंधान में योगदान करने की क्षमता को महत्त्व देता है। व्यापक प्रवेश प्रक्रिया को अपनाकर, भारत अपने प्रतिभाशाली दिमागों को बरकरार रख सकता है, उच्च शिक्षा तक समावेशी पहुँच सुनिश्चित कर सकता है और अकादमिक अनुसंधान में विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी बना रह सकता है। वैश्विक मंच पर प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए, भारत को एक समग्र प्रवेश प्रक्रिया अपनानी होगी जो अनुसंधान में नवाचार, रचनात्मकता और विविध दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करती है।

जम्मू-कश्मीर में एनसी का बदलता सुर

-प्रमोद भार्गव-

जम्मू-कश्मीर में बदलाव की धारा 2019 में धारा-370 और 35-ए के विलोपित होने के बाद ही दिखने लगी थी। इसी का परिणाम रहा कि हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में यहां मतदान की प्रतिशत लगभग 65 रहा और नेकां और कांग्रेस गठबंधन ने बहुमत हासिल कर लिया। हालांकि नेकां राज्य की सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरकर आई, किंतु कांग्रेस महज छह सीटों पर ही जीत हासिल कर पाई। कांग्रेस का जनाधार जम्मू क्षेत्र में दिखाई दे रहा था, लेकिन वहां भी उसका सफाया हो गया। परिणाम के बाद उमर अब्दुल्ला ने कांग्रेस पर छींटाकशी करते हुए यहां तक कह दिया कि कांग्रेस की वजह से नेकां को कम सीटें मिलीं। गठबंधन को कुल 48 सीटों पर जीत मिली थी, जिनमें से 42 नेकां ने जीती हैं। कांग्रेस द्वारा कम सीटें जीतने के कारण मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शपथ लेने के बाद कांग्रेस के एक भी विधायक को मंत्री नहीं बनाया। कांग्रेस के लिए यह बड़ा झटका है। अतएव यह शंका भी उठने लगी है कि भविष्य में गठबंधन टूट भी सकता है। उमर अब्दुल्ला ने सरकार बनते ही हिंदुओं में पैठ बढ़ाने का संदेश दे दिया है। नौशेरा से भाजपा के प्रांतीय अध्यक्ष रविंद्र रैना को हराने वाले नेकां के ही सुरेंद्र चौधरी को उपमुख्यमंत्री बना दिया। शपथ ग्रहण समारोह में इंडिया गठबंधन के कई प्रमुख नेता मौजूद थे। राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे भी उपस्थित थे। परंतु अपनी जानी पहचानी ठसक के विपरीत पूरे समय राहुल असहज दिखाई दे रहे थे। दरअसल उमर ने कांग्रेस को एक मंत्री पद देने को कहा था, लेकिन कांग्रेस दो विधायकों को मंत्री बनाना चाहती थी।

उमर ने इस आग्रह को नहीं माना। नतीजतन राहुल के चेहरे पर बेबसी थी। कांग्रेस अब उमर सरकार को बाहर से समर्थन दे रही है, हालांकि उमर सरकार को स्पष्ट बहुमत मिल जाने के कारण कांग्रेस के समर्थन की कोई जरूरत नहीं है। इसीलिए उमर कांग्रेस का कोई दबाव झेलने को तैयार नहीं हुए। वस्तुतः कांग्रेस ने गठबंधन की मयार्दा का पालन करने और महाराष्ट्र व झारखंड के विधानसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन बना रहे, इसलिए बाहर से समर्थन देकर अपनी लाज बचाने की कोशिश की है। फिलहाल जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा प्राप्त नहीं है। अतएव मुख्यमंत्री के पास दिल्ली की तरह उपराज्यपाल से कम अधिकार हैं। इसलिए ऐसा भी अंदाज लगाया जा रहा है कि उमर ने कांग्रेस से दूरी दिखाने का यह खेल खेला है। यह शतरंज की चाल उनकी कूटनीति का हिस्सा है। हालांकि 19 अक्टूबर को जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के मंत्रिमंडल के उस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है जिसमें केंद्र सरकार से पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने का अनुरोध किया गया है। इस प्रस्ताव को मंत्रिमंडल ने सर्वसम्मति से मंजूर किया है। वैसे भी यदि जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा जल्दी मिल जाता है तो सुधार प्रक्रिया में गति आने की उम्मीद की जा सकती है। इससे संवैधानिक अधिकार जो अभी उपराज्यपाल के पास हैं, उनमें से ज्यादातर मंत्रिमंडल को मिल जाएंगे। इससे जम्मू-कश्मीर की विशिष्ट पहचान और लोगों के संवैधानिक अधिकारों की सुरक्षा की गारंटी नवनिर्वाचित सरकार को मिल जाएंगे। संभव है, इस हेतु उमर अब्दुल्ला जल्दी ही प्रधानमंत्री और केंद्रीय मंत्रियों से दिल्ली जाकर बात करें। उमर के सुर बदलने का अंदाजा इस बात से भी लगता है कि जम्मू-कश्मीर मंत्रिमंडल ने 4 नवंबर को श्रीनगर में विधानसभा का विशेष सत्र आहूत करने का निर्णय लिया है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से इस सत्र को अनुरोध करने का आग्रह भी किया गया है।

उमर ने कहा है कि ह्यप्रदेश के हर वर्ग और हर क्षेत्र का एक समान चहुंमुखी विकास किया जाएगा। हम किसी के साथ भी क्षेत्र, भाषा और राजनीतिक विचारधारा के आधार पर पक्षपात नहीं करेंगे। ह्ल कश्मीर में मुख्यमंत्री फारूक, मुफ्ती मुहम्मद, उमर और महबूबा मुफ्ती रहे हैं, किंतु सद्भाव और समरसता का ऐसा स्वर पहले कभी सुनाई दिया हो, याद नहीं आता। हालांकि नामुमकिन अनुच्छेद-370 की पुनर्बहाली की प्रतिबद्धता भी उन्होंने दोहराई। हालांकि अब अवाम को 370 की बहाली करने का सब्जबाग दिखाना असंवैधानिकता के साथ सर्वोच्च न्यायालय के फैसले की अवमानना भी है। अनुच्छेद-370 हटने के बाद ही जम्मू-कश्मीर में 65 प्रतिशत मतदान संभव हुआ और दो निशान, दो विधान एवं दो प्रधान के प्रावधान खत्म हुए। इसलिए उमर अब्दुल्ला ने पहली बार मुखमंत्री की शपथ भारतीय संविधान के अनुसार ली है। सही मायनों में कश्मीर से कन्याकुमारी तक भारत को भारतीय संविधान के कानूनी धागे में अब पुरो दिया गया है। क्योंकि अब यहां आधार, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, नियंत्रक और महालेखक परीक्षक, मुस्लिम विवाह विच्छेद, शत्रु संपत्ति कानून, मुस्लिम महिला संरक्षण अधिनियम, भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम, सूचना का अधिकार, शिक्षा का अधिकार, व्हिसल ब्लोअर समेत 108 केंद्रीय कानून अस्तित्व में आ गए हैं। साथ ही इस राज्य को विशेष राज्य का दर्जा प्राप्त होने के कारण जो 164 कानून यहां के लोगों को विशेष लाभ देते थे, वे रद्द हो गए है। इस राज्य के पुराने कानूनों में से 166 कानून ही अब जम्मू-कश्मीर और केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में लागू हैं। जो अधिकार देश की दूसरी ग्राम पंचायतों को प्राप्त थे, वे यहां भी लागू हो गए हैं। कश्मीर में अल्पसंख्यक हिंदू और सिखों को मिलने वाला आरक्षण लागू नहीं था, लेकिन नई व्यवस्था के तहत ये संवैधानिक प्रावधान प्रभावशील हो गए हैं। कश्मीर में सबसे बड़ा परिवर्तन यह भी हुआ है कि यहां की आधिकारिक भाषा उर्दु की जगह हिंदी हो गई है। जम्मू-कश्मीर देश का एकमात्र ऐसा राज्य था जहां आधिकारिक भाषा उर्दु थी। इसीलिए उमर को कहना पड़ा है कि भाषा के आधार पर किसी के साथ पक्षपात नहीं होगा। पूर्ण राज्य का दर्जा प्राप्त होने के बाद इस राज्य को संविधान की समवर्ती सूची से संबंधित मामलों में कानून बनाने का अधिकार मिल जाएगा। साथ ही राज्य को आईएएस, आईपीएस तथा आईएफएस अधिकारियों के तबादले का अधिकार भी मिल जाएगा। जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन विधेयक-2019 के संसद से पारित हो जाने के बाद लद्दाख भारत का सबसे बड़ा केंद्र शासित प्रदेश बन गया है। लद्दाख में लेह और कारगिल दो जिले हैं। लेह राजधानी है। लद्दाख क्षेत्र पाकिस्तान और चीन की सीमाएं साझा करता है। बीते 70 साल लद्दाख कश्मीर के शासकों की बदनीयति का शिकार होता रहा है।

नागरिक चरित्र से होगा राष्ट्रीय चरित्र का निर्माण

-शिवेश प्रताप सिंह-

मोहन भागवत जी का आज का विजयादशमी उद्बोधन भारतीय समाज और राष्ट्र निर्माण के संदर्भ में एक महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक संदेश था। एक मजबूत नागरिक चरित्र से ही एक मजबूत राष्ट्रीय चरित्र का निर्माण होता है। अपने वक्तव्य ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और समसामयिक संदर्भों के माध्यम से उन्होंने समाज और राष्ट्र के उत्थान में नागरिकों के कर्तव्यों पर जोर दिया। उन्होंने संवैधानिक अनुशासन के साथ मन, कर्म और वचन के विवेक पर ध्यान देते हुए बल के साथ शील की उपासना से राष्ट्र निर्माण पर जोर देने की बात कही।

उनके वक्तव्य का मर्म था की हम सभी को यह समझना होगा कि हमारी सामूहिक शक्ति ही हमें वैश्विक चुनौतियों का सामना करने में सक्षम बनाएगी। हमें मिलकर सुख, शांति, और सद्भावना के लिए कार्य करना चाहिए, ताकि भारत एक ऐसा राष्ट्र बने जो न केवल अपने नागरिकों के लिए बल्कि संपूर्ण मानवता के लिए एक उदाहरण प्रस्तुत कर सके। आइये उनके भाषण मे कहे गए विचारों की विस्तार से चर्चा करें।

भारतीय संस्कृति और महान विभूतियों का स्मरण:

मोहन भागवत जी ने महारानी दुर्गावती, अहिल्याबाई होल्कर, स्वामी दयानंद सरस्वती, और भगवान बिरसा मुंडा जैसे महापुरुषों का स्मरण करते हुए बताया कि ये विभूतियां हमारे समाज और राष्ट्र के लिए आदर्श हैं। इन महापुरुषों ने निस्वार्थ भाव से देश और समाज के लिए काम किया और अपने जीवन के माध्यम से समाज को नई दिशा दी। उनका जीवन आदर्श और निष्ठा का प्रतीक था, जिसने भारतीय समाज को एकता, साहस और निस्वार्थ सेवा का पाठ पढ़ाया। ये महापुरुष व्यक्तिगत और राष्ट्रीय चरित्र के उन्नयन का प्रतीक हैं, और हमें उनसे प्रेरणा लेकर अपने समाज और देश को मजबूत बनाना होगा।

व्यक्तिगत और राष्ट्रीय चरित्र की आवश्यकता:

उनके भाषण का एक प्रमुख पहलू था व्यक्तिगत और राष्ट्रीय चरित्र का महत्त्व। उन्होंने स्पष्ट किया कि एक राष्ट्र का वैभव और शक्ति उसके नागरिकों के चारित्रिक गुणों पर निर्भर करते हैं। जो समाज अपने नागरिकों में निष्ठा, साहस, और सत्यनिष्ठा के गुणों को विकसित करता है, वह ही सशक्त और समर्थ बनता है। उन्होंने भारतीय समाज में इन गुणों को और अधिक सुदृढ़ करने की आवश्यकता पर बल दिया। वे मानते हैं कि जब तक समाज में चारित्रिक बल नहीं होगा, तब तक राष्ट्रीय प्रगति संभव नहीं है। यही कारण है कि उन्होंने समाज के हर क्षेत्र में ऐसे गुणों को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर जोर दिया।

विज्ञान प्रगति के साथ नैतिक प्रगति आवश्यक:

मोहन भागवत जी ने भारतीय समाज और राष्ट्र की वैज्ञानिक और प्रौद्योगिकी में प्रगति का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत टेक्नोलॉजी, शिक्षा, और विज्ञान के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। यह प्रगति हमारे समाज की समझदारी और नवाचार के परिणामस्वरूप हो रही है। लेकिन उन्होंने यह भी चेताया कि प्रगति का मार्ग चुनौतियों से भरा होता है। इसीलिए हमें न केवल भौतिक दृष्टि से बल्कि चारित्रिक और नैतिक दृष्टि से भी मजबूत होना चाहिए, ताकि हम हर प्रकार की चुनौतियों का सामना कर सकें।

वैश्विक परिदृश्य और चुनौतियां:

भागवत जी ने वैश्विक संदर्भ में भी महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने इसराइल-हमास युद्ध और अन्य वैश्विक संघर्षों का जिक्र करते हुए कहा कि आज का मानव समाज भले ही वैज्ञानिक और तकनीकी दृष्टि से बहुत उन्नत हो गया हो, लेकिन स्वार्थ और अहंकार के कारण दुनिया में कई संघर्ष और समस्याएं पैदा हो रही हैं। उन्होंने चेताया कि भारत की प्रगति से कुछ विदेशी ताकतें खुश नहीं हैं और वे तरह-तरह के षड्यंत्र करके भारत को रोकने का प्रयास कर रही हैं। यह वैश्विक स्थिति हमें सतर्क करती है कि हमें केवल भौतिक प्रगति पर ही निर्भर नहीं रहना चाहिए, बल्कि हमें नैतिक और चारित्रिक बल की भी आवश्यकता है ताकि हम विश्व मंच पर मजबूती से खड़े रह सकें।

सामाजिक एकता और कट्टरता का मुकाबला:

मोहन भागवत जी ने अपने भाषण में बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के खिलाफ हो रहे अत्याचारों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि कट्टरपंथ की प्रवृत्ति, चाहे वह किसी भी समाज में हो, समाज को कमजोर करती है। भारत में सामाजिक एकता और सौहार्द बनाए रखना बहुत जरूरी है, क्योंकि विभाजन और कट्टरता देश की प्रगति में बड़ी बाधाएं हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि हिंदू समाज को संगठित रहना चाहिए और देश के विकास में अपनी सकारात्मक भूमिका निभानी चाहिए। यह केवल हिंदू समाज के लिए नहीं, बल्कि सभी अल्पसंख्यक समुदायों के लिए भी आवश्यक है।

संघ का राष्ट्र निर्माण में योगदान:

संघ प्रमुख ने संघ के कार्यों का जिक्र करते हुए बताया कि संघ ने पिछले 99 वर्षों में समाज को संगठित करने और उसे नैतिक रूप से सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। संघ का उद्देश्य समाज को एकजुट करना और समाज में नैतिक और चारित्रिक बल को विकसित करना है। उन्होंने कहा कि संघ का कार्य केवल संगठन का विस्तार नहीं है, बल्कि समाज के हर व्यक्ति में चारित्रिक गुणों का विकास करना है ताकि वह राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दे सके।

भागवत जी ने यह भी कहा कि वर्तमान समय में भारत के सामने कई चुनौतियां हैं, जिनसे निपटने के लिए समाज को जागरूक और संगठित होना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि सामाजिक असमानता, जातिवाद, और धार्मिक कट्टरता जैसी समस्याएं समाज को कमजोर करती हैं। यदि समाज इन चुनौतियों से निपटने में सफल होता है, तो भारत न केवल आर्थिक और वैज्ञानिक दृष्टि से बल्कि चारित्रिक दृष्टि से भी विश्वगुरु बनने की दिशा में अग्रसर हो सकता है।

युवा में देश के प्रति गर्व की भावना:

मोहन भागवत जी ने विशेष रूप से युवा पीढ़ी की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आज के युवा में देश के प्रति गर्व की भावना जाग रही है और यह एक सकारात्मक संकेत है। युवा पीढ़ी में साहस, निष्ठा, और सेवा के गुणों का विकास करना आवश्यक है ताकि वे राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे केवल व्यक्तिगत लाभ के बारे में न सोचें, बल्कि समाज और देश के विकास के लिए भी योगदान दें।

सामाजिक समरसता का महत्व:

भागवत जी ने अपने भाषण में सामाजिक समरसता और सद्भावना की चर्चा की, जिसे उन्होंने स्वस्थ समाज की पहली शर्त माना। उनके अनुसार, संगठन और एकता केवल प्रतीकात्मक कार्यक्रमों से नहीं आएगी, बल्कि व्यक्तिगत और पारिवारिक स्तर पर काम करने से आएगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, **विक्रम राज** द्वारा हाऊस नं. आर-132 ब्लॉक-ए नियर मेन नसीरपुर रोड डाबरी पालम गांव न्यू दिल्ली-110045 से प्रकाशित एवं आर.डी. प्रिंटर्स पब्लिसर प्राइवेट लिमिटेड ए-41 सेक्टर-8 नोएडा-201301 उत्तर प्रदेश से मुद्रित। **सम्पादक : विक्रम राज**
समाचारों के चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदारी। समाचार पत्र में लेखकों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। न्यायलय संबंधी सभी मामले दिल्ली न्यायालय में ही निपटाए जाएंगे। RNI NO.- DELHIN/2023/86360. Telephone No.-011-49385179

एक नजर

पंजाब सरकार ने 2015 के बेअदबी मामलों में राम रहीम के खिलाफ केस दर्ज करने को दी मंजूरी

- बादल सरकार के कार्यकाल में हुई थी बेअदबी की घटनाएं, जरूरत पड़ने पर पंजाब भी ला सकती है पुलिस

चंडीगढ़। पंजाब सरकार ने राज्य में करीब नौ साल पहले हुई गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी की घटनाओं में डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम के विरूद्ध केस चलाने को मंजूरी दे दी है। राम रहीम के विरूद्ध बेअदबी से जुड़े तीन मामलों में केस चलाया जाएगा।

इस मामले की शुरूआत जून, 2015 में फरीदकोट के बुर्ज जवाहर सिंह वाला गांव में एक गुरुद्वारे से गुरु ग्रंथ साहिब की एक प्रति की चोरी से शुरू हुई थी। इसके बाद सितंबर में फरीदकोट के जवाहर सिंह वाला और बरगाड़ी गांवों में पवित्र ग्रंथ के खिलाफ हाथ से लिए हुए अपवित्र पोस्टर लगाए गए। उसी वर्ष अक्टूबर में बरगाड़ी में एक गुरुद्वारे के पास पवित्र ग्रंथ के कई फटे हुए अंग (पृष्ठ) बिखरे हुए मिले। बाद में पंजाब में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए। राज्य पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर गोलीबारी की, जिसमें दो आंदोलनकारियों की मौत हो गई। इस दौरान पंजाब में सामाजिक और राजनीतिक अशांति और बढ़ गई। पंजाब सरकार की मंजूरी मिलने के बाद अब पंजाब के फरीदकोट की अदालत में राम रहीम के विरूद्ध ट्रायल चलेगा। गुरमीत राम रहीम इस समय रोहतक की सुनारियां जेल में बेद हैं। पिछले सप्ताह पंजाब सरकार की ओर से दाखिल याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने बेअदबी से जुड़े मामलों में पंजाब एंड हरियाणा हाई कोर्ट का स्थगनादेश हटा दिया था। साथ ही इस मामले में डेरा प्रमुख को नोटिस जारी कर चार हफ्ते में जवाब तलब किया था। कांग्रेस ने यह मामला उठाते हुए गृह विभाग का मुखिया होने के नाते सीएम भगवंत मान को घेरा था। डेरामुखी की फाइल करीब सवा दो साल से सीएम आफिस में पड़ी हुई है। आम आदमी पार्टी के विधायक कुंवर विजय प्रताप सिंह भी यह मामला विधानसभा में उठा चुके हैं।

प्रदेश सरकार जनता की अपेक्षाओं पर हर हाल में खरा उतरेगी : रामचंद्र जांगडा

रोहतक। राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा ने कहा कि जिस प्रकार से हरियाणा की जनता ने अपना विश्वास जताकर प्रदेश में भाजपा को पूर्ण बहुमत दिया है, उसी प्रकार से मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरेगी। उन्होंने कहा कि मंत्रिमंडल का गठन होने के साथ ही पूरी सरकार एक्शन मोड पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि विगत दो योजनाओं में भाजपा सरकार द्वारा किए गए जनहित के कार्यों के चलते ही प्रदेश की जनता ने तीसरी बार बीजेपी के हाथों में सरकार की बागडोर सौंपी है। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में तेजी लाई जाएगी और किसी भी स्तर पर किसी भी प्रकार की कोताही नहीं बरतने दी जाएगी। राज्यसभा सांसद जांगड़ा मंगलवार को स्थानीय लघु सचिवालय स्थित सभागार में शहरी स्थानीय निकाय के अधिकारियों के साथ जिला के शहरी क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने अधिकारियों से रोहतक नगर निगम के अलावा महम, कलानौर और सांपला नगर पालिका क्षेत्र में किए जा रहे विकास कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों के साथ शहरी क्षेत्र में सफाई व्यवस्था, स्ट्रीट लाइट पेयजल व्यवस्था के अलावा कॉलोनियों के अप्रूव्ड करने और प्रधानमंत्री आवास योजना के क्रियान्वयन की विस्तार से विस्तार से समीक्षा की। राज्यसभा सांसद ने रोहतक शहर के अलावा कलानौर, महम और सांपला के शहरी स्थानीय निकाय अधिकारियों से जानकारी ली कि उनके क्षेत्र में कितनी कालोनियां अप्रूव्ड हो चुकी हैं और कितनी कॉलोनी का प्रस्ताव सरकार के पास में भेजा हुआ है के बारे में अधिकारियों से रिपोर्ट ली। साथ ही उन्होंने शहरी क्षेत्र में सफाई व्यवस्था पर विशेष जोर देने के भी अधिकारियों को निर्देश दिए। इस अवसर पर डीसी अजय कुमार, नगर निगम आयुक्त डॉ ब्रह्मदत्त सिंह रांगी, संयुक्त आयुक्त नवदीप सिंह, भाजपा नेत्री सुमिता भाटिया जांगड़ा, महंत सतीश दास और राकेश भारद्वाज सहित आला अधिकारीगण मौजूद रहे।

मारपीट के विरोध में बिजली कर्मचारियों ने जींद में किया प्रदर्शन

जींद। गांव सिंघाना में छापामारी के दौरान बिजली कर्मचारियों से हुई मारपीट के मामले में दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम ज्वाइंट एक्शन कमेटी के तत्वावधान में मंगलवार को एसडीएम मनीष फोगाट को ज्ञापन सौंपा। इससे पूर्व बिजली कर्मचारियों पानीपत रोड स्थित एक्सईएन कार्यालय प्रांगण में इक्कठा हुए और वहां से उन्होंने पैदल मार्च निकाला। कर्मचारी प्रदर्शन करते हुए खानसर चौंक, मेन बाजार, पुराना बस स्टैंड, मकबरा पीर रोड से होते हुए मिनी सचिवालय में पहुंचे और एक ज्ञापन एसडीएम मनीष फोगाट को सौंपा। कर्मचारियों के रोष मार्च के उपरांत पुलिस ने इस मामले के दो मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। ज्ञापन में कर्मचारियों ने कहा कि 10 अक्तुबर को गांव सिंघाना में छापामारी करने गए निगम के स्टाफ के साथ काफी तादाद में ग्रामीणों ने उन पर हमला बोल दिया। ग्रामीणों द्वारा बिजली कर्मियों के साथ मारपीट करके उन्हे बंधक बनाया गया तथा पकड़ी गई चोरी के सबूत मिटाए गए। इस संबंध में एफआईआर तो उसी दिन दर्ज हो गई थी लेकिन आरोपितों को गिरफ्तार नहीं किया गया है। उन्होंने प्रशासन से आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की गई। धरने के दौरान कर्मचारियों का कहना था कि सिंघाना का कोई यह मामला नहीं है, उससे पूर्व गांव धर्मगढ़ सहित अनेक गांवों मे उनके साथ ऐसा हो चुका है। कर्मचारियों ने बिजली मंत्री अनिल विज से गुहार लगाई कि बिजली छापेमारी के दौरान उन्हे पुलिस सुरक्षा मुहैया करवाई जाए। मंगलवार को जानकारी देते हुए सफीदों के डीएसपी उमेद सिंह ने बताया कि पुलिस ने दो मुख्य आरोपितों विक्रम व सतीश को गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश करके जिला जेल जींद भेज दिया गया है।

हिसार: एएसआई ने ड्यूटी पर की आत्महत्या, कुर्सी पर बैठे सर्विस रिवाल्वर से सिर में मारी गोली

सहायक पुलिसकर्मियों से कहता था, कुछ अनहोनी होने वाली है

हिसार। जिले के हांसी उपमंडल के गांव उमरा मंडल बीट की डायल 112 टीम के इंचार्ज मंगलवार सुबह ऑन ड्यूटी अपनी सर्विस रिवॉल्वर से सिर में गोली मारकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान भिवानी के उपमंडल तोशाम के गांव गारणपुर निवासी एएसआई राज सिंह के रूप में हुई है। पुलिस कर्मी द्वारा अपनी सर्विस रिवाल्वर से खुद को गोली मारकर सुसाइड किए जाने की सूचना मिलने पर पुलिस में हड़कंप मच गया और आनन-फानन में सदर थाना प्रभारी व डीएसपी रविन्द्र सांगवान फोरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण कर शव को पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल पहुंचाया।

राज सिंह की मौत की सूचना के बाद काफी संख्या में ग्रामीण व परिवार के लोग नागरिक अस्पताल में पहुंचे हैं। एएसआई राज सिंह द्वारा अचानक सुसाइड किए जाने की सूचना के बाद से जहां पूरा परिवार सदमे है वहीं नागरिक अस्पताल पहुंचे उनके बेटे का रो-रोकर बुरा हाल है। पिछले एक सप्ताह से कह रहा था अनहोनी होने वाली है। एएसआई राज सिंह के साथ गाड़ी पर तैनात पुलिसकर्मियों का कहना है कि राज सिंह पिछले एक सप्ताह से बहकी बहकी बातें कर रहा था। वह अक्सर कहता था कि मेरी एक आंख फड़क रही है और कोई अनहोनी होने वाली है। उन्होंने बताया कि वह उसे दिलासा देते थे कि यह सब पुरानी बातें हैं हकीकत में ऐसा कुछ नहीं होता।

एएसआई राज सिंह की डायल 112 गाड़ी पर ड्यूटी थी और वह उमरा गांव में कुलदीप सिंह के मकान की पहली मंजिल पर रहते थे। सुबह करीब 6 बजे वह छत पर कुर्सी पर बैठे हुए थे। कि अचानक उन्होंने अपनी सर्विस रिवॉल्वर निकाली और स्वयं के सिर में गोली मार ली। मौके पर पहुंचे पुलिस अधिकारियों को राज सिंह की सर्विस रिवाल्वर उसके हाथ में मिली है। छत पर गोली चलने की आवाज सुनकर मकान मालिक आसपास के लोग मौके पर पहुंचे तो देखा कि राज सिंह के सिर से खून निकल रहा था और उसकी सर्विस रिवॉल्वर पास ही पड़ी थी। जिसके बाद मकान मालिक ने तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलने पर थाना प्रभारी व फोरेंसिक टीम तथा डीएसपी रविन्द्र सांगवान मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण कर राज सिंह के शव को पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल भिजवाया। घटनास्थल पर पहुंचे डीएसपी रविंद्र सांगवान से जब इस संदर्भ में बातचीत की गई तो उन्होंने बताया कि राज सिंह की उमरा मंडल की डायल 112 गाड़ी पर ड्यूटी थी और वे उस समय ऑन ड्यूटी थे। उनके साथ दो कर्मचारी भी थे। उनसे भी पूछताछ की जाएगी। उनसे जब एएसआई राजसिंह के मानसिक रूप से परेशान रहने को लेकर पूछा गया तो उन्होंने कि अभी हमारी जांच में राज सिंह के मानसिक रूप से परेशान रहने वाली कोई बात सामने नहीं आई है। इस बारे में उसके साथ काम करने वाले कर्मचारी ज्यादा बता पाएंगे। परिवार भी अभी इस बारे में कुछ बताने की स्थिति में नहीं है। उन्होंने कहा कि राजसिंह के साथ ड्यूटी पर तैनात दोनों एसपीओ से पूछताछ की जाएगी तथा जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे उसी के अनुरूप कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। उन्होंने कहा कि कैसे गोली चली, ये जांच का विषय है। राजसिंह का पर्सनल मोबाइल फोन नहीं मिलने को लेकर उन्होंने कहा कि राजसिंह का पर्सनल मोबाइल सुबह 4:45 बजे से बंद आ रहा है। उसे सर्विलांस पर लगा रहे हैं। जल्द ही मोबाइल फोन के बारे में पता लगा लिया जाएगा। अस्पताल में पहुंचे राज सिंह के भाई ने बताया कि राजसिंह हंसमुख व सुलझा हुआ इंसान था, वह कभी सुसाइड नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि राज सिंह की मौत संदिग्ध परिस्थितियों में हुई है। पुलिस द्वारा इसकी गहनता से जांच की जानी चाहिए। राजसिंह को घर से भी कोई परेशानी नहीं थी। राजसिंह के दो बच्चे हैं जिनमें बेटा रवि 25 साल का है और एक बड़ी बेटी है।

किसानों की समस्याओं को लेकर डीडीए से मिले विधायक दौलतपुरिया

फतेहाबाद। फतेहाबाद हलके में किसानों को आ रही समस्याओं के मद्देनजर विधायक बलवान सिंह दौलतपुरिया ने मंगलवार को जिला कृषि विभाग के डिप्टी डायरेक्टर राजेश सिहाग से मुलाकात कर किसानों की समस्याओं से अगवत करवाया। उन्होंने कृषि अधिकारी को निर्देश दिए कि किसानों की समस्याओं का संज्ञान लेकर उनका संज्ञान जल्द से जल्द करवाया जाए। इस मुलाकात के उपरांत विधायक बलवान सिंह दौलतपुरिया ने कहा भाजपा सरकार आज भी कल भी किसान विरोधी थी और आज भी किसान विरोधी होने का प्रमाण दे रही है। धान के सीजन में कई कई दिनों से अपनी फसल लिए मंडियों में पड़े किसानों की फसल नहीं खरीदी जा रही है। किसान दर दर भटकने को मजबूर हैं, अनाज मंडियां फसलों से अटी पड़ी है। उठान व लदान का काम भी कछुए की चाल से किया जा रहा है, लेकिन सरकार का इस ओर कोई ध्यान नहीं है। दूसरी ओर गेहूं बिजाई का समय सिर पर है और किसानों को डीएपी खाद उपलब्ध नहीं हो पा रही है। गेहूं और सरसों की बिजाई का समय नजदीक है और किसान रबी फसलों की बिजाई की तैयारी कर रहे हैं। ऐसे में समय पर डीएपी न मिलने से उनके साथ संकट खड़ा हो गया है। इसके अलावा किसान हितैषी होने की बात करने वाले प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने वायदा किया था कि किसी भी किसान पर मुकद्दमा दर्ज नहीं किया जाएगा, जबकि कल ही पराली जलाने के मामले में किसानों पर एफआईआर दर्ज की गई। विधायक बलवान सिंह दौलतपुरिया ने कहा कि किसान अपने मजे के लिए पराली नहीं जलाता बल्कि उसे मजबूर किया जाता है। खेतों में पराली प्रबंधन के लिए सरकार द्वारा मिलने वाली मशीनें पर्याप्त संख्या में उपलब्ध नहीं हो रही है, किसान जगह जगह भटक रहे हैं। अगली फसल के लिए जमीन को तैयार करने के लिए भी किसानों के पास समय कम है। इसलिए विवश होकर धान के अवशेष जलाने पर पड़ रहे हैं, ऐसे में किसानों पर कार्रवाही करना गलत है। विधायक बलवान सिंह दौलतपुरिया ने कहा कि सरकार तुरंत प्रभाव से किसानों की समस्याओं का संज्ञान ले। मंडियों में धान की खरीद में तेजी लाई जाए, किसानों को उनके क्षेत्र में पर्याप्त मात्रा में डीएपी उपलब्ध करवाई जाए तथा किसानों पर दर्ज मामलों को रद्द कर उन्हें उचित संसाधन या आर्थिक सहायता प्रदान करे।

एसजीपीसी ने धामी की छवि को नुकसान पहुंचाने वाली बयानबाजी की निंदा की

अमृतसर। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के कनिष्ठ उपाध्यक्ष गुरबख्श सिंह और कमेटी के अन्य सदस्यों ने रणजीत सिंह बराड़ द्वारा शिरोमणि कमेटी के अध्यक्ष एडवोकेट हरजिंदर सिंह धामी की छवि को नुकसान पहुंचाने की मंशा से की गयी बयानबाजी की कड़ी निंदा की है। गुरबख्श सिंह खालसा ने चरणजीत सिंह बराड़ के बयान का कड़ा नोटिस लेते हुये कहा कि राजनीतिक स्वार्थ के लिये सिख संगठन और उसके पदाधिकारियों पर बेबुनियाद आरोप लगाना गलत है। उन्होंने कहा कि जहां तक ??श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार की नियुक्ति, कार्य क्षेत्र और सेवानिवृत्ति का सवाल है, यह कोई एक प्रस्ताव नहीं बल्कि पूरे पंथ की सर्वसम्मति से लिया जाने वाला फैसला है। इसलिये पंथ संगठनों और संप्रदायों की राय के बिना कोई नया कानून नहीं बनाया जा सकता और जानबूझकर इस पंथ के मुद्दे को उलझाना राष्ट्र विरोधी भावना की अभिव्यक्ति है।

शिरोमणि कमेटी सदस्यों ने कहा कि बराड़ द्वारा अधिवक्ता हरजिंदर सिंह धामी को कमजोर अध्यक्ष कहना एक सम्मानित पंथक व्यक्तित्व का अपमान है। उन्होंने कहा कि एडवोकेट धामी कमजोर नहीं बल्कि पंथक सोच के सच्चे संरक्षक हैं, जो पंथक मामलों में हमेशा सक्रिय रहे हैं। बंदी सिंहों की रिहाई के मामले में उन्होंने पंथक संगठनों, सिख बुद्धिजीवियों और कानूनी विशेषज्ञों के साथ बैठकें कर मामले को राष्ट्रीय स्तर पर उठाया, जिससे इस मामले की चर्चा विदेशों तक होने लगी। बंदी सिंहों को लेकर दिल्ली में होने वाले विरोध मार्च को रद्द करने के आरोप पर शिरोमणि कमेटी के सदस्यों ने कहा कि दिल्ली से संबंधित पांच सदस्यीय कमेटी के एक नेता द्वारा श्री अकाल तख्त साहिब को लिखे पत्र के मद्देनजर ऐसा किया गया है। उन्होंने कहा कि एसजीपीसी को गुरबानी प्रसारण के लिये अपना यूट्यूब चैनल शुरू करना चाहिये और गुरबानी प्रसारण के सभी अधिकार अपने पास ले लेना भी धामी का एक बड़ा फैसला है। चैनल के बारे में भ्रामक बयानबाजी केवल राजनीतिक हितों से प्रेरित है, जबकि चैनल का मामला केंद्र सरकार के अधीन है, जिसे लेकर लगातार प्रयास जारी हैं। सदस्यों ने कहा कि एडवोकेट हरजिंदर सिंह धामी ने मौजूदा सांप्रदायिक माहौल में भी संगठन के प्रधान के तौर पर अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभाई है।

पिता-पुत्र की हत्या का आरोपी मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार

होशियारपुर। पंजाब के होशियारपुर में रविवार को पिता-पुत्र की हत्या के मामले में मुख्य आरोपी को मंगलवार को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सुरिंदर लांबा ने बताया कि सुखविंदर उर्फ सुखी को पुलिस टीम ने हरगढ़ गांव की सूखी नदी में घेरा। पुलिस के अनुसार आरोपी ने पुलिस पर गोली चला दी, जिसके जवाब में पुलिस ने भी गोली चलाई। एक गोली आरोपी के पैर में लगी। उसे स्थानीय नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार मामले के अन्य आरोपियों की तलाश में छापेमारी जारी है।

तलवंडी अराइयां के निवासी कश्मीरी लाल और उनका बेटा अमरजीत सिंह रविवार रात गांव चक्कोंवाल ब्राह्मण के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गये थे, जहां कश्मीरी लाल की बहू ने हाल में एक बच्चे को जन्म दिया था। उनके स्वास्थ्य केंद्र से निकलते ही मोटरसाइकिल पर आये दो हमलावरों उन पर अंधाधुंध गोलियां चलायीं। पुलिस ने कल बताया था कि हत्या का कारण दो गुटों की पुरानी रंजिश थी।

किसानों की दुर्दशा के लिये भगवंत मान जिम्मेदार

चंडीगढ़। शिरोमणि अकाली दल (शिअद) ने मंगलवार को मंडियों में किसानों की दुर्दशा के लिये सीधे तौर पर मुख्यमंत्री भगवंत मान को जिम्मेदार ठहराते हुये कहा है कि किसान इसीलिये परेशान हैं क्योंकि उन्होंने मुख्यमंत्री की अपील के अनुसार पीआर-126 जैसी धान की अगेती किस्मों की बुआई की, जिसे अब खरीदा भी नहीं जा रहा है। शिअद के वरिष्ठ नेता सरदार बिक्रम सिंह मजीठिया ने पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष स. बलविंदर सिंह भूंदड़ की अध्यक्षता में आयोजित कमेटी की बैठक की कार्यवाही के बारे में पत्रकारों को जानकारी देते हुये कहा, धान की खरीद करने में विफल रहने और किसानों के लिये मुश्किलें पैदा करने के लिये मुख्यमंत्री और खाद्य नागरिक आपूर्ति मंत्री लाल चंद कटारूचक दोनों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिये।

उन्होंने कहा कि पार्टी का प्रतिनिधिमंडल शीघ्र ही राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया से मिलकर उन्हें स्थिति से अवगत करायेगा। उन्होंने कहा, हम इस बात की भी सीबीआई जांच की मांग करेंगें कि किस तरह से किसानों को आप पदाधिकारियों और निजी खिलाड़ियों के कहने पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से नीचे अपनी उपज बेचने के लिये मजबूर किया जा रहा है। श्री मजीठिया ने कहा कि मुख्यमंत्री ने किसानों से पानी की खपत को कम करने के लिये धान की अगेती किस्मों की बुवाई करने की अपील की थी, लेकिन अब मार्कफेड, पनग्रेन जैसी सरकारी एजेंसियां इन धान की किस्मों को खरीद नहीं रही है, जिससे किसानों को बेहद परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि आप के पदाधिकारियों और निजी कारोबारियों द्वारा किसानों को उनकी उपज को एमएसपी से 300 रुपये से 400 रुपये कम दर पर बेचने के लिये मजबूर कर ठगा जा रहा है। उन्होंने कहा कि बासमती किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है, क्योंकि मंडियों में बासमती 2700 रुपये प्रति क्विंटल बिक रहा है, जबकि पिछले साल इसकी कीमत चार हजार रुपये क्विंटल थी। उन्होंने कहा ,ह्यह्य किसानों को प्रति एकड़ 20 हजार रुपये से 30 हजार रुपये तक का नुकसान हो रहा है, लेकिन सरकार किसानों को बचाने के लिये हस्तक्षेप नहीं कर रही है।ह्लह्ल उन्होंने यह भी खुलासा किया कि कैसे आप के किसी भी मंत्री ने अभी तक मंडियों का दौरा नहीं किया है और न ही अगली फसल की बुआई के लिये बोरों की कमी, धीमी खरीद या डीएपी की कमी के मुद्दे को उठाया गया है।

झज्जर जिला में ग्रेप-2 सख्ती से लागू करने के निर्देश

झज्जर। जिले में लगातार बढ़ते प्रदूषण स्तर के मद्देनजर, ग्रेप-टू (ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान-2) लागू कर दिया गया है। इस संबंध में उपायुक्त कैप्टन शक्ति सिंह ने झज्जर में मंगलवार को संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में उपायुक्त ने प्रदूषण नियंत्रण के लिए कड़े उठाते हुए विभिन्न उपायों को सख्ती से लागू करने के निर्देश दिए। उद्योग नगरी बहादुरगढ़ में विशेष नजर रखने को कहा। डीसी ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण के कारण वायु गुणवत्ता (एक्यूआई) स्तर 300 पार जा चुका है और ऐसे में जिले में ग्रैप-2 के प्रतिबंध लागू हो चुके हैं।

इस मामले में सुप्रीम कोर्ट व एनजीटी भी सख्त हैं और वायु गुणवत्ता बेहतर करने के लिए सख्त कदम उठाने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बहादुरगढ़ व झज्जर नगर परिषदों को शहरों में धूल कणों को उडे से रोकने के लिए पानी का छिडकाव करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी शहरी क्षेत्रों में वाटर स्प्रिंकल करवाएं। उन्होंने कृषि विभाग के अधिकारियों को किसानों में जागरूकता फैलाने को कहा। उन्होंने कहा कि अगर जिले में कहीं भी फसल अवशेष जलाने की सूचना मिले तो तुरंत कार्रवाई की जाए। अवशेष जलाने वाले किसानों के खिलाफ एनजीटी के साथ एफआईआर दर्ज करवाई जाए। इसके अलावा मार्केट में दुकानदारों को कचरा न जलाने के लिए जागरूक करें। अगर किसी मार्केट में ऐसी सूचना मिलती है तो तुरंत एक्शन लिया जाए। इस अवसर पर एसडीएम झज्जर रविंद्र यादव, एसडीएम बादली सतीश यादव, एसडीएम बहादुरगढ़ परमजीत सिंह चहल, प्रदूषण नियंत्रण विभाग के क्षेत्रीय अधिकारी शक्ति सिंह सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। उपायुक्त ने कहा कि स्कूल बच्चों को पराली जलाने से होने वाले नुकसान के बारे में जागरूक किया जाए। बच्चों के माध्यम से समाज में जागरूता फैलाना बेहद असरदार तरीका है। उन्होंने कहा कि बच्चों को जागरूक करने पर वह घर जाकर अपने अभिभावकों के साथ वहीं बाते साझा करते हैं और बच्चों की कही बातों का अभिभावकों पर काफी प्रभाव होता है। ऐसे में जिला शिक्षा अधिकारी को स्कूलों में जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए। डीसी ने कहा कि बहादुरगढ़ क्षेत्र में इंडस्ट्रियल क्षेत्र में वेस्ट जालने के मामलों में सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाए। उन्होंने कहा कि अगर किसी भी क्षेत्र में इंडस्ट्रियल वेस्ट जलने की सूचना मिलती है तो संबंधित अधिकारी तुरंत कार्रवाई करे। अगर किसी भी स्तर पर कार्रवाई में देरी की सूचना मिलती है तो संबंधित अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई जाए। उन्होंने अफसरों को प्रदूषण सर्टिफिकेट के बगैर चलने वाले वाहनों पर कार्रवाई करने, ग्रीन पटाखों के बगैर अन्य पटाखों की बिक्री पर कार्रवाई करने, ईंट भट्टों पर निगरानी रखने, अनाधिकृत डीजल जनरेटर सेट पर कार्रवाई करने, मार्केट में वेस्ट खुले में जलाने पर सख्ती करने, किसानों में अवशेष प्रबंधन को लेकर जागरूकता फैलाने और रजिस्टर्ड गोशाला को ही पराली खरीदने का अधिकार देने के निर्देश दिए।

परिवहन मंत्री विज ने करनाल में किया दौरा, सफीदों बस अड्डे में शुरू हुई सफाई

जींद। कैबिनेट मंत्री अनिल विज द्वारा अंबाला, पानीपत व करनाल समेत अनेक बस स्टैंड के निरीक्षण करने के उपरांत सफीदों बस अड्डा प्रशासन भी हरकत में आ गया है। पिछले लंबे अर्से से सफाई, पानी व लिकेज की समस्या से जुझते सफीदों बस स्टैंड पर इनके सुधारीकरण पर काम शुरू हो गया है। मंगलवार को सफीदों बस स्टैंड पर लिकेज की समस्या को दूर करने के लिए पलंबर काम करता दिखाई दिया। बस स्टैंड पर साफ-सफाई भी पहले की अपेक्षा अधिक दिखाई पड़ी। बस स्टैंड पर पानी की टोटियां खराब पड़ी थी वे ठीक हो गई, पानी की लिकेज को दूर किया गया तथा टॉयलेट व वॉशबेसन सीटों को बदला गया।

अड्डा कर्मचारियों को कहीं न कहीं डर सता रहा था कि कहीं मंत्री अनिल विज अचानक बस स्टैंड का दौर ना कर ले और यहां की बदतर व्यवस्था को देखकर किसी पर उनकी गाज न गिर जाए। अधिकारियों ने बचाव की मुद्रा में छोटे-छोटे कार्य दुरूस्त करवाने जरूर शुरू कर दिए हैं। गौरतलब है कि सफीदों बस स्टैंड का उद्घाटन चार फरवरी 1990 को तात्कालीन मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला द्वारा किया गया था। उसके बाद आज तक भी इसकी मरम्मत तक नहीं हुई है और यहां के हालात बद से बदतर हैं। बस स्टैंड की छतों से पानी टपक रहा है और वहां पर फंफूद लग गई है। लगातार पानी के रिसाव के कारण बस स्टैंड की छत लगातार कमजोर होती जा रही है। पीने के पानी के स्थान पर चारों ओर काई जमी हुई है और बदबू का आलम है। बस स्टैंड के शौचालय में सफाई व्यवस्था को बेहद अभाव है। शौचालय के अंदर तो क्या उसके पास से भी निकलना दूभर है। शौचालय के अंदर से भंयकर बदबू आती है। शौचालय का गंदा पानी बाहर आकर पूरे बस स्टैंड पर फैल जाता है और यात्रियों के मजबूरन उस गंदे पानी में खड़े होकर बसों का इंतजार करना पड़ता है। पूरे बस स्टैंड पर सफाई व्यवस्था नाकाफी है। बस स्टैंड के सिवरेज ओवरफ्लो हुए पड़े हैं और सीवरेजों से ढक्कन गायब है। मंगलवार को जानकारी देते हुए बस अड्डा इंचार्ज राममेहर ने बताया कि टोंटियां टूटी हुई पड़ी थी, उनको ठीक करवाया गया है और साफ-सफाई भी अच्छी प्रकार से करवाई गई है। बस स्टैंड काफी जर्जर हालात में है और इसको ठीक करवाने के लिए बजट नहीं आया है। ऐसे में इसी प्रकार से बस स्टैंड को मेंटेन रखा जा रहा है। शौचालय की लिकेज दूर करवा दी गई है और उनकी साफ-सफाई भी अच्छी प्रकार से करवाई गई है। यात्रियों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं आने दी जाएगी।

एक नजर

रानीगंज चैंबर ऑफ कॉमर्स ने उठाई नागरिक समस्याएं, जिला शासक को सौंपा ज्ञापन,समस्याओं पर मिला आश्वासन

रानीगंज(अनूप जोशी)। रानीगंज चैंबर ऑफ कॉमर्स (फ्छउ) के प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को पश्चिम बर्धमान के जिला शासक एस. पोन्नबालन से मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन सौंपा। बैठक लगभग एक घंटे तक चली, जिसमें जिला शासक ने ज्ञापन में उठाए गए सभी मुद्दों पर धैर्यपूर्वक चर्चा की और जल्द समाधान का आश्वासन दिया। इस अवसर पर चैंबर के अध्यक्ष रोहित खैतान, मुख्य सलाहकार आर. पी. खैतान, सलाहकार ओम प्रकाश बाजोरिया, मुख्य समन्वयक महेश खेरिया, उपाध्यक्ष अजित कयाल, मनोज केशरी, कौशल सिंह, बलजीत सिंह बग्गा, मुकेश दारुका, विवेक बहुअल्का समेत अन्य सदस्य मौजूद थे। रोहित खैतान ने बताया कि ज्ञापन में रानीगंज और आसपास के क्षेत्रों की 16 प्रमुख समस्याओं को उठाया गया, जिनमें रानीगंज को उपमंडल का दर्जा बहाल करने, आसनसोल/दुगार्पुर में उच्च न्यायालय की पीठ स्थापित करने, अजय-दामोदर परियोजना को पूरा करने और एक आधुनिक इंडोर ऑडिटोरियम के निर्माण की मांग शामिल हैं। सड़कों की खराब स्थिति, दामोदर नदी पर पुल का निर्माण, पानी की आपूर्ति की समस्या और रजिस्ट्री कार्यालय की बदहाली को भी प्रमुखता से उजागर किया गया। इसके अलावा पंजाबी मोड़ पर बाहरी बसों के लिए बस स्टैंड और आसनसोल में बहुमंजिला पार्किंग की मांग भी की गई।

जामुड़िया पुलिस की तत्परता से बरामद हुए चोरी हुए सोने के गहने, परिवार ने जताई खुशी

जामुड़िया,(अनूप जोशी)। जामुड़िया थाने की पुलिस ने फरवरी में हुई एक बड़ी चोरी की घटना का सफल समाधान करते हुए चोरी हुए सोने के गहनों को बरामद कर परिवार को सौंप दिया, जिससे पीड़ित परिवार में खुशी का माहौल है। इस घटना के बारे में जानकारी देते हुए नीघा खदान के कार्मिक प्रबंधक अजीत कुमार मजूमदार ने बताया कि उनके बेटे, जो कुनस्तोरिया कोलियरी में कार्यरत हैं, के घर में यह चोरी हुई थी। इस दौरान अजीत कुमार ने बताया कि 15 फरवरी को उनका बेटा अपने परिवार के साथ बाहर घूमने गया था। जब वे 17 फरवरी को वापस लौटे, तो उन्हें घर में चोरी होने की जानकारी मिली, जिसमें तेरह भर सोने के आभूषण चोरी हो गए थे। घटना की रिपोर्ट तुरंत केंदा फांड़ी में दर्ज कराई गई। रिपोर्ट दर्ज होते ही पुलिस ने अपनी तत्परता दिखाई और जांच शुरू कर दी। पुलिस की त्वरित कार्रवाई और कुशलता की सराहना करते हुए अजीत कुमार ने बताया कि पुलिस ने चोरों का सुराग लगाकर तेरह भर सोने के आभूषणों में से 9 भर गहने बरामद कर लिए। उन्होंने कहा कि उन्हें शुरू से ही पुलिस प्रशासन की कार्यकुशलता पर भरोसा था और इस सफलता से उनका विश्वास और मजबूत हुआ है। चोरी हुए 80% गहनों की बरामदगी से परिवार बेहद संतुष्ट है और उन्होंने पुलिस की तारीफ की। इस मामले में जामुड़िया थाना और केंदा फांड़ी पुलिस की तत्परता और मेहनत से यह सफलता मिली है, जिसे समाज में पुलिस की सकारात्मक छवि के रूप में देखा जा रहा है।

दिल्ली से काठमांडू आए विस्तारा एयर के विमान में बम की सूचना से हड़कंप

काठमांडू। दिल्ली से काठमांडू आए विस्तारा एयर के विमान में बम होने की सूचना आते ही काठमांडू के त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय विमानस्थल के सभी उड़ान अवतरण को तीन घंटे तक बंद करना पड़ा था। विमान की पूरी तरह से जांच के बाद ही विस्तारा को काठमांडू से दिल्ली के लिए रवाना किया जाएगा। मंगलवार को विस्तारा एयर की विमान संख्या यूके 155 के दिल्ली से उड़ान भरने के 20 मिनट के बाद काठमांडू विमानस्थल के सिक्युरिटी डिपार्टमेंट को एक फोन कॉल आया, जिसमें विस्तारा एयर में बम होने की सूचना दी गई। एयरपोर्ट मैनेजर ज्ञानेंद्र भुल ने बताया कि यह फोन वाट्सएप पर पहले मैसेज और फिर बाद में फोन कर दिया गया। शाम करीब साढ़े चार बजे जैसे ही विस्तारा का विमान काठमांडू विमानस्थल पर अवतरण किया वैसे ही सारे विमानों के उड़ान अवतरण पर रोक लगा दिया गया।

विस्तारा के इस विमान के अवतरण के साथ ही नेपाली सेना के बम डिस्पोजल यूनिट ने पहले एक एक कर यात्रियों को सुरक्षित उतारकर उनकी जांच की। सेना के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल गौरव के सी ने बताया

कि पहले स्निफर डॉग से पूरे विमान की जांच की गई। उसके बाद बम डिस्पोजल यूनिट ने हैंड बैगेज और कार्गो एरिया की जांच की गई। सेना के प्रवक्ता ने बताया कि जांच में कहीं भी बम होने की पुष्टि नहीं हो पाई। करीब तीन घंटे के बाद यात्रियों को विमानस्थल से बाहर निकाला गया था। इस विमान में 10 क्रू मेंबर सहित 157 यात्री सवार थे। काठमांडू के पुलिस प्रमुख एआईजी किरण भ्राचार्य ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय नामक के मुताबिक हम की सूचना होने के बाद अब पूरे विमान के एक एक एरिया की सूक्ष्मता से जांच की जाएगी जिसके लिए 6 घंटे का समय लगने वाला है। पिछले दिनों भारत में इस तरह बम की गलत सूचना देकर अफवाह फैलाने का काम लगातार हो रहा है। लेकिन अब तक किसी भी सूचना में बम नहीं मिल पाया है।

बिहार में मॉब लिंचिंग

- व्यवसायी को गोली मार भाग रहे थे अपराधी
- एक को ग्रामीणों ने पकड़ा और पीट-पीट कर मार डाला

गोपालगंज,संवाददाता। बिहार के गोपालगंज से मॉब लिंचिंग की खबर है। यहां खाद-बीज व्यवसायी पवन कुमार सिंह को अपराधियों ने गोली मार दी। पवन सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। गोली मारने के बाद अपराधी भागने लगे, तभी ग्रामीणों ने एक अपराधी को पकड़ लिया और उसे पीट-पीट कर मार डाला। घटना थाने थाना क्षेत्र के जगदीशपुर गांव की है। पवन सिंह को निकट के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इधर घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। मिली जानकारी के मुताबिक, घटना सोमवार की है। दो बाइक पर सवार चार अपराधियों ने दिनदहाड़े पवन सिंह को गोली मार दी। पवन सिंह जगदीशपुर गांव निवासी मुनिरलाल सिंह के बेटे हैं और गांव में ही अपनी खाद-बीज की दुकान चलाते हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, घटना के वक़्त पवन अपनी दुकान पर बैठे थे, तभी दो बाइक पर सवार होकर चार अपराधी आ धमके।

एक अपराधी बाइक से उतरा और पवन सिंह पर सीधा हमला करते हुए उन्हें गोली मार दी। गोली लगते ही पवन लहूलुहान होकर गिर पड़े। स्थानीय ग्रामीणों ने तुरंत रिएक्ट करते हुए एक अपराधी को दबोच लिया, जबकि बाकी अपराधी मौके से फरार हो गए। गुस्साई भीड़ ने पकड़े गए अपराधी की जमकर पिटाई कर दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक अपराधी की पहचान ब्रजेश ठाकुर के रूप में हुई है। इस घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। घायल पवन सिंह को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। मॉब लिंचिंग में मारे गए अपराधी ब्रजेश ठाकुर के शव को भी पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल लाया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एसपी अवधेश दीक्षित ने कहा कि मामला संदिग्ध है। पुलिस की एफएसएल टीम घटनास्थल पर जांच कर रही है। अपराधी की हत्या कैसे हुई, इसकी जांच कर कार्रवाई की जा रही है।

भारत से एलएसी पर पेट्रोलिंग का मामला सुलझने की चीन ने भी की पुष्टि

नई दिल्ली। चीन ने भारत-चीन सीमा क्षेत्रों में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर गश्त की व्यवस्था को लेकर नई दिल्ली और बीजिंग के बीच हुए समझौते की पुष्टि कर दी है। बीजिंग की ओर से यह पुष्टि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के 16वीं ब्रिक्स बैठक के लिए कजान रवाना होने के बाद की गई। इस बैठक में शामिल होने के लिए भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी आज ही कजान पहुंचे हैं। 'ग्लोबल टाइम्स' के अनुसार चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने मंगलवार को एक नियमित संवाददाता सम्मेलन के दौरान विवादित क्षेत्रों में पेट्रोलिंग को लेकर चीन और भारत के बीच समझौते के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में यह पुष्टि की। लिन ने कहा कि चीन और भारत ने सीमा से जुड़े मुद्दों पर राजनयिक और सैन्य चैनलों के माध्यम से निकट संचार बनाए रखा है। वर्तमान में दोनों पक्ष प्रासंगिक मामलों पर प्रस्तावों पर पहुंच गए हैं, जिसके बारे में चीन अत्यधिक बात करता है। लिन ने कहा कि अगले चरण में चीन इन प्रस्तावों को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए भारत के साथ काम करेगा। भारत के विदेश मंत्री डा. एस जयशंकर ने सोमवार को नई दिल्ली में एक टीवी न्यूज चैनल के कार्यक्रम के दौरान कहा था कि पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर भारत और चीन के बीच अग्रिम मोर्चों से सैनिकों को पीछे हटाने की प्रक्रिया पूरी हो गई है तथा मई 2020 के पहले की स्थिति कायम हो गई है। भारतीय सैन्य टुकड़ियां अब उस इलाके में गश्त कर सकेंगी, जहां वे पहले ऐसा करती थीं। उन्होंने कहा कि यह एक सकारात्मक घटनाक्रम है तथा यह धैर्य और लगन से चलाई गई कूटनीति की सफलता है। उन्होंने कहा कि वास्तविक नियंत्रण रेखा पर वर्ष 2020 के बाद भारत-चीन ने एक दूसरे को कुछ क्षेत्रों में जाने से रोक दिया था। अब यह सहमति बनी है कि इन क्षेत्रों में सैनिकों को गश्त करने की अनुमति होगी। विदेश मंत्री ने कहा, मेरी जानकारी के अनुसार हम हमारे सैनिक वहां गश्त कर सकेंगे, जहां वे मई 2020 से पहले गश्त करते थे, वह स्थिति बहाल हो गई है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर भारत और चीन के बीच वार्ता काफी समय से जारी थी। वे सितंबर 2020 में चीन के विदेश मंत्री वांग यी से मास्को में मिले थे। तभी से वार्ता प्रक्रिया जारी थी। नए घटनाक्रम से सीमा क्षेत्र में शांति और सामान्य स्थिति कायम होगी।

बस्तर ओलंपिक में अधिक से अधिक खिलाड़ियों का पंजीयन कर खेल विधा में भागीदारी करें सुनिश्चित- हरिस एस

जगदलपुर। बस्तर जिले के कलेक्टर हरिस एस. ने मंगलवार को जिला कार्यालय के प्रेरणा सभाकक्ष में आयोजित समय सीमा की बैठक में बस्तर ओलंपिक 2024, धान खरीद की आवश्यक तैयारी, बस्तर क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण की 8 नवम्बर को बैठक की तैयारी और 5 नवम्बर को एक दिवसीय राज्योत्सव का आयोजन के संबंध में अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। साथ ही मुख्यमंत्री जनदर्शन, जनशिकायत, डैशबोर्ड, समय-सीमा के प्रकरणों की समीक्षा कर निराकरण करने को कहा। कलेक्टर हरिस एस. ने कहा कि बस्तर ओलंपिक में जिले के सातों विकासखंड से अधिक से अधिक खिलाड़ियों का पंजीयन कर खेल विधा में भागीदारी सुनिश्चित की जाए। विशेषकर सीनियर वर्ग और महिलाओं की पंजीयन अधिक कर सभी खेलों का हिस्सा बनावाएं। बस्तर ओलंपिक में खेल गतिविधि एक नवंबर से प्रारंभ होगी, इसके लिए 10-15 गाँव के मध्य क्लस्टर स्तर पर मैदानों का चिन्हांकन सहित उसकी आवश्यक तैयारी समय पर पूर्ण करें। क्लस्टर और विकासखंड के सभी खेल आयोजन को भव्य तरीके से किया जाए। खेल गतिविधि वाले मैदान में सेल्फी प्वाइंट और फोटो बूथ भी बनाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने खिलाड़ियों के आवास, भोजन, पेयजल सहित अन्य व्यवस्था की तैयारी के संबंध में चर्चा की। कलेक्टर ने बैठक में बस्तर क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण की 8 नवम्बर को बैठक से पहले प्राधिकरण मद के पूर्ण कार्यो की उपयोगिता प्रमाण पत्र एवं पूर्णता प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने राज्य स्थापना दिवस पर राज्योत्सव आयोजन की तैयारी करने के निर्देश देते हुए कहा कि राज्योत्सव 5 नवम्बर को एक दिवसीय विभागीय प्रदर्शनी एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम किया जाएगा। साथ ही 1 नवम्बर से 6 नवम्बर तक सभी शासकीय कार्यालयों में रोशनी की जाएगी।

कलेक्टर ने नियद नेल्लानार के डैशबोर्ड में विभागों द्वारा डाटा एन्ट्री की स्थिति की समीक्षा किए। कृषि विभाग प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत अपात्र-पात्र की एन्ट्री, नवीन पंजीयन की स्थिति एवं तीन वर्षों में धान नहीं बेचने वाले कृषकों के निरस्त किए गए पंजीयन स्थिति की कृषि विभाग के मैदानी अमलों से जानकारी ली। उन्होंने लेम्पस के अधिकारियों से इसका निरीक्षण करने कहा। केसीसी के प्रकरण को बैंक में प्राथमिकता से जमा करवाने तथा बैंकों में पशुपालन, उद्यानिकी, मत्स्यपालन के केसीसी को वेरीफिकेशन कर निराकरण किए जाने के निर्देश दिए। साथ ही एनआरएलएम की स्व-सहायता समूह का बैंक लिंकेज, बैकों में एनआरएलएम के जमा प्रकरणों में वितरण को बढ़ाने, डिजिटल आजीविका पंजीयन रिपोर्ट, लखपति दीदी पहल के लक्ष्य, प्रधानमंत्री आवास योजना की प्रगति की समीक्षा कर जनपद सीईओ को आवश्यक प्रगति करवाने के निर्देश दिए। समाज कल्याण विभाग के अधिकारी को आगामी माह में पेशनर्स के पात्रता वाले व्यक्तियों को चिंहाकित कर आगामी 6 माह का लिस्टिंग करवाकर रखें जाने कहा। मनरेगा के तहत आंगनबाड़ी केन्द्र का निर्माण कार्य, स्वच्छ भारत, मिशन के तहत सामुदायिक शौचालय निर्माण में प्रगति, सेग्रीगेशन शेड निर्माण कार्य, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन निर्माण और नाडेप के कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए।

प्यार...प्रेग्नेंट और परिवार

- नाबालिग ने सुनाई भाई के धोखे की दिल दहलाने वाली दास्तां

सीतामढ़ी,संवाददाता। प्यार-मोहब्बत करने वाले युगल जोड़ियों में से कुछ सफल होते हैं, तो कुछ बीच रास्ते से ही अलग हो जाते हैं। इनमें कुछ जोड़ियों का अलगाव काफी दर्द और दुख भरा होता है। कुछ के लिए यह दर्द जिंदगी भर के लिए हो जाता है। कुछ ऐसा ही मामला सामने आया है। 16 साल की लड़की जिस युवक से प्यार करती थी। उसे अपना सबकुछ न्योछावर कर चुकी थी। वह पांच माह की गर्भवती तक हो चुकी है, तो अब प्रेमी ने उसे भगवान भरोसे छोड़ दिया है। लड़की को गर्भवती कर छोड़ देना वाला दर्द उसे अपनों ने ही दिया है। दरअसल, इस लड़की को खुद के चचेरे भाई से प्यार हो गया था। प्यार का यह खेल करीब दो साल तक चला था। दोनों मिलते-जुलते थे। इसमें युवक के परिजन को कोई आपत्ति नहीं थी। यह कहना है युवती का। उसने प्राथमिकी में पूरी बातों का उल्लेख की है। इधर, एक तरह से लड़की के परिजन को भी शायद कोई आपत्ति नहीं थी। मिलने-जुलने के क्रम में युवती कब गर्भवती हो गई, उसे पता ही नहीं चला।

इस बीच, लड़की की तबीयत बराबर खराब रहने लगी, तो उसके माता-पिता ने डॉक्टर से जांच कराई। तब जो बात सामने आई, उसे जान कर परिजन कुछ देर के लिए हैरान हो गए। पता चला कि लड़की पांच माह की गर्भवती है। घर लौटने के बाद लड़की अपने माता और पिता के साथ युवक के घर पर पहुंची और उसके माता-पिता को जानकारी दी कि उसके पुत्र के द्वारा शारीरिक संबंध बनाए जाने से वह गर्भवती हुई है।

लड़की के पैरों तले की जमीन तब खिसक गई, जब उसे युवक और उसके परिजन की बेवफाई का पता चला। लड़की ने लड़का के परिजन से शादी करा देने की बात कही। यह बात सुनते ही परिजन भड़क गए। लड़की ने प्राथमिकी में पुलिस को बताया है कि युवक की मां रूकसाना खातून समेत आठ लोग उसे भद्दी - भद्दी गालियां देने के साथ उसके साथ मारपीट भी किए। उसकी मां के साथ भी अभद्र व्यवहार किया गया। लड़के के परिजन ने उसे (लड़का) को घर से बाहर भागा दिया है और कहा है कि शादी नहीं करेंगे, जहां जाना हो जाओ। तब कुंवारी ही मां बनने को विवश यह लड़की पुलिस की शरण में पहुंची है। इस मामले की जांच की जिम्मेवारी पुलिस अवर निरीक्षक पूनम कुमारी को सौंपी गई है।

लालू का 'एनके' प्लानः 2025 की सियासी रणभूमि में बीजेपी के लिए मुश्किल,नीतीश के साथ नए समीकरण की तैयारी!

पटना/नई दिल्ली,दीपक कुमार तिवारी। बिहार की सियासी बिसात पर राजद सुप्रीमो लालू यादव का 'एनके' प्लान चर्चा का विषय बना हुआ है। साल 2025 के चुनावों की रणनीति को लेकर राजद के नेता नीतीश कुमार को महागठबंधन में लाने की कोशिशें तेज कर रहे हैं। इस चुनावी खेल में आरक्षण और भाजपा के खिलाफ तीखे आरोपों की बौछार कर राजद नीतीश पर दबाव बना रहा है। राजद की सांसद मीसा भारती ने नीतीश कुमार के भाजपा के साथ बने रहने वाले बयान को सवालों के घेरे में लिया है। मीसा ने कहा, "नीतीश कुमार की गारंटी कौन लेगा? वे पहले भी पाला बदल चुके हैं, क्या भरोसा कि अब नहीं करेंगे?

वहीं, राजद के वरिष्ठ नेता भाई वीरेंद्र का दावा है कि नीतीश कुमार भाजपा के साथ सहज नहीं हैं और 2025 से पहले महागठबंधन में वापस आएंगे। उनके अनुसार, नीतीश कुमार भाजपा के साथ रहकर खुद को असहज महसूस कर रहे हैं और फिर से तेजस्वी यादव के नेतृत्व में गठबंधन में शामिल हो सकते हैं। लालू यादव इस चुनावी समीकरण को बखूबी समझते हैं। नीतीश कुमार के कुर्मी, कुशवाहा, और अतिपिछड़ा वोट बैंक के साथ उनका जुड़ाव आगामी चुनावों में राजद के लिए अहम साबित हो सकता है। अगर नीतीश कुमार महागठबंधन

में वापस आते हैं, तो भाजपा की सियासी चालों पर पानी फिर सकता है। अब सवाल यह है कि नीतीश कुमार अपनी चाल क्या चलते हैं? क्या वे भाजपा के साथ बने रहेंगे या फिर महागठबंधन की ओर रुख करेंगे? 2025 का यह चुनावी दांव बिहार की सियासत को नई दिशा दे सकता है।

लापता टीचर को काटकर बोरे में भर दिया और फिर...

बेगूसराय,संवाददाता। बिहार के बेगूसराय में एक कोचिंग शिक्षक की नृशंस हत्या से सनसनी फैल गई है। 19 अक्टूबर से लापता बिट्टू कुमार का क्षत-विक्षत शव 21 अक्टूबर की शाम एक पोखर से बरामद हुआ। शव एक बोरी में बंद था और उसके कई टुकड़े किए गए थे। सिर और दोनों पैर गायब हैं, जबकि एक हाथ भी कटा हुआ मिला। बता दें कि चकिया थाना क्षेत्र के रहने वाले बिट्टू कुमार 19 अक्टूबर की सुबह कोचिंग पढ़ाने की बात कहकर घर से निकले थे, लेकिन वापस नहीं लौटे। दोपहर में उनके दोस्त सुमित ने बताया कि बिट्टू उसके घर भी गए थे और 600 रुपये लेकर पटना जाने की बात कहकर निकले थे। उसके बाद से उनका मोबाइल बंद आ रहा था। परिजनों ने उनकी काफी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। 21 अक्टूबर की शाम चकिया थाना क्षेत्र के ही थर्मल हाल्ट के पास एक पोखर में बोरी में शव होने की सूचना मिली। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर बोरी को बाहर निकाला तो उसमें से क्षत-विक्षत शव बरामद हुआ। शरीर पर मौजूद कपड़ों से परिजनों ने बिट्टू की पहचान की। परिजनों के मुताबिक, बिट्टू कोचिंग पढ़ाने के साथ-साथ दारोगा और एसएससी की तैयारी भी कर रहे थे। उनका कहना है कि हत्या कहीं आसपास ही हुई होगी क्योंकि बोरी में बंधी रस्सी एनटीपीसी में कोयला ढोने में इस्तेमाल होती है। पुलिस अधीक्षक मनीष ने बताया कि युवक का शव बोरी में बंद मिला है। मामले की जांच के लिए सदर डीएसपी टू भास्कर रंजन के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया है। पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है।

गुजरात नंबर बाइक से जा रहे थे दो लोग, बिहार पुलिस ने धरा तो हुआ सीएसपी वाला खुलासा

- जानते ही एक्शन में आए एसपी साहब

सीतामढ़ी,संवाददाता। बिहार के सीतामढ़ी जिले में अपराधियों की गतिविधि तेज होती जा रही है। अपराधी बेखौफ हैं। पुलिस एक घटना के उद्भेदन कर नहीं पा रही है कि अपराधी दूसरे घटना को अंजाम दे दे रहे हैं। जिला पुलिस अपराधियों की गिरफ्तारी कर भी रही है। फिर भी अपराध थम नहीं रहा है। इस बीच, पुलिस ने एक सीएसपी को लुटने से पहले तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया है। खास बात यह कि घटना से गुजरात का कनेक्शन भी जुड़ा है।

सदर डीएसपी राम कृष्णा ने गिरफ्तारी की पुष्टि की है। बताया गया है कि मेजरगंज थाना पुलिस शाम में गश्ती पर निकली थी। इसी दौरान मेजरगंज ब्लॉक गेट के पास गुजरात नंबर की बाइक पर दो युवक को संदेहास्पद स्थिति में देखा गया, जो पुलिस को देखकर भागने लगे। गश्ती दल द्वारा दोनों युवक को घेरकर पकड़ लिया गया। उनके पास से बरामद गुजरात नंबर की बाइक की कागजात की मांग करने पर कोई कागजात प्रस्तुत नहीं किया गया। एक अपराधी के बदन की तलाशी लेने पर उसके पास से 0.315 बोर का तीन जिंदा कारतूस बरामद हुआ। पूछताछ में दोनों के द्वारा बताया गया कि उक्त बरामद कारतूस उसके साथी प्रिंस कुमार द्वारा उनसे मंगवाया गया है, जो दीपावली से पहले मेजरगंज स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा के सीएसपी को लूटने की योजना बना रहे हैं। इसके बाद आपराधिक योजना को विफल करने के लिए एसपी मनोज कुमार तिवारी ने सदर डीएसपी के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम द्वारा दोनों अपराधियों की निशानदेही पर योजना का मास्टरमाइंड प्रिंस कुमार को वारदात को अंजाम देने से पहले गिरफ्तार कर लिया गया। तलाशी के क्रम में उसके कमर से एक देशी लोडेड पिस्टल बरामद किया गया। अपराधियों द्वारा पुलिस के समक्ष स्वीकार किया गया है कि वे लोग दीपावली से पहले मेजरगंज स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा के सीएसपी को लूटने की योजना बना रहे थे, जिसके लिए आर्म्स और गोली इकट्ठा किया जा रहा था। गिरफ्तार तीनों अपराधियों के विरूद्ध पूर्व से लूट और आर्म्स एक्ट के कई गंभीर कांड दर्ज हैं। गिरफ्तार अपराधियों में प्रिंस कुमार पिता समरजीत दास, सोनू पासवान पिता गणेश पासवान, इन्द्रजीत पासवान पिता गौरीशंकर पासवान, तीनों ग्राम डंगराहा, थाना-मेजरगंज के निवासी है। प्रिंस कुमार के विरूद्ध सहियारा थाना कांड सं-125/23 और कांड सं-100/23 आर्म्स एक्ट के तहत दर्ज है। वहीं, सोनू पासवान के विरुद्ध मेजरगंज थाना कांड सं-118/23 दर्ज है। छापेमारी में मेजरगंज थानाध्यक्ष ललित कुमार, पुलिस अवर निरीक्षक साकेन्द्र कुमार और शिव चन्द्र यादव आदि शामिल थे।

जटिल होते वैश्विक परिवेश में भी भारत का आर्थिक नींव मजबूत : सीतारमण

न्यूयॉर्क/नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज कहा कि वैश्विक परिवेश के लगातार जटिल होते जाने के बावजूद भारत के व्यापक आर्थिक बुनियादी ढांचे मजबूत बने हुए हैं, जो भविष्य के विकास के लिए एक मजबूत आधार के रूप में काम कर रहे हैं।

श्रीमती सीतारमण ने यहां कोलंबिया यूनिवर्सिटी में एक परिचर्चा में यह बात कही। उन्होंने कहा कि 2013 में, भारत बाजार विनिमय दरों पर दुनिया की 10वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था थी। वर्तमान में, यह पाँचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है,और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने अनुमान लगाया है कि यह 2027 तक तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगी। वैश्विक विकास में भारत के योगदान में अगले पाँच वर्षों में 200 आधार अंकों की वृद्धि होने का अनुमान है।

वित्त मंत्री ने कहा कि भारत की अच्छी आर्थिक वृद्धि का श्रेय इसके बेहतर कोविड-19 प्रबंधन को दिया जा सकता है, साथ ही सरकार द्वारा अपनी विनिर्माण क्षमताओं को मजबूत करने, डिजिटल और वित्तीय प्रणालियों पर ध्यान केंद्रित करने, नियामक प्रक्रियाओं को सरल बनाने और व्यापार करने में आसानी बढ़ाने के लिए किए गए उपायों की एक श्रृंखला को भी दिया जा सकता है।

श्रीमती सीतारमण ने कहा कि वित्तीय समावेशन के विस्तार ने एक अधिक जीवंत और लचीली वित्तीय प्रणाली बनाई है। बैंक खातों वाले वयस्कों की संख्या 2011 से दोगुनी से अधिक हो गई है, जिससे बचतकताओं और निवेशकों का एक बड़ा समूह उपलब्ध हुआ है। वित्तीय पहुँच में यह वृद्धि, अधिक शिक्षित और कुशल कार्यबल के साथ मिलकर, भारत को वैश्विक अर्थव्यवस्था में उभरते रुझानों का लाभ उठाने की स्थिति में ला खड़ा करती है। वित्त मंत्री ने प्रश्नों के उतर में कहा कि भारत की बैंकिंग प्रणाली मजबूत बनी हुई है, जिसमें गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों का स्तर कम है और पूंजी पर्याप्तता अनुपात उच्च है। वित्तीय क्षेत्र प्रमुख उद्योगों में निवेश को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक ऋण प्रदान करके विकास को बनाए रखने में महत्वपूर्ण रहा है। उन्होंने कहा कि भारत के बुनियादी ढांचे के विकास में तेजी आई है, जिसमें भारतमाला और सागरमाला जैसी बड़े पैमाने की परियोजनाओं ने पूरे देश में कनेक्टिविटी सुनिश्चित की है। डिजिटल बुनियादी ढांचे में निवेश ने अर्थव्यवस्था की झटकों को झेलने की क्षमता को और मजबूत किया है, डिजिटल वित्तीय समावेशन ने उन लाखों नागरिकों तक पहुँच प्रदान की है जो पहले वंचित थे।

श्रीमती सीतारमण ने कहा "2047 तक, जब भारत स्वतंत्रता की 100वीं वर्षगांठ मनाएगा, तो हमारे पास समृद्धि के एक नए युग को परिभाषित करने का मौका होगा - न केवल हमारे अपने नागरिकों के लिए बल्कि वैश्विक समुदाय के लिए भी। दुनिया में भारत की भूमिका बढ़ रही है और हम अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ रचनात्मक रूप से जुड़ने, अपने नवाचारों को साझा करने और वैश्विक शांति और समृद्धि में योगदान देने के लिए तैयार हैं।"

उन्होंने कहा कि आने वाले दशक इस बात से परिभाषित होंगे कि भारत अपने जनसांख्यिकीय लाभांश का प्रबंधन कैसे प्रभावी ढंग से करता है, अपनी वैश्विक साझेदारी को मजबूत करता है और तेजी से बदलती दुनिया की जटिलताओं को कैसे पार करता है।

श्रीमती सीतारमण ने कहा कि आगे भारत के लिए न केवल आर्थिक दृष्टि से बल्कि प्रौद्योगिकी, स्थिरता और समावेशी विकास पर वैश्विक विमर्श को आकार देने के लिए चुनौतियां भी हैं और भरपूर अवसर भी हैं। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में जीवन के प्रति व्यापक दृष्टिकोण अपनाते हुए और योजनाओं को लागू करते हुए कई कदम उठाए गए हैं, जिन्हें हमने कागजों पर ही नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर भी लागू किया है। वित्तीय समावेशन, गारंटी मुक्त ऋण, ब्याज में छूट, किफायती आवास, किफायती गैस सिलेंडर उपलब्ध कराना, स्वच्छता, आयुष्मान भारत कार्ड के माध्यम से गरीबों के लिए स्वास्थ्य बीमा आदि - इन सभी ने गरीबी के विभिन्न पहलुओं को लक्षित किया है, जिससे असमानता कम हुई है। इसलिए, आजकल असमानता को पहले से कहीं बेहतर तरीके से पाटा जा रहा है।

सीतारमण ने बैंकिंग क्षेत्र पर की सिटी बैंक की सीईओ जेन फ्रेजर से चर्चा

न्यूयॉर्क/नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज यहां सिटी बैंक की मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) जेन फ्रेजर के साथ भारत के बैंकिंग क्षेत्र सहित विभिन्न मुद्दो पर चर्चा की।

दोनों ने कृषि और शहरी विकास जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में एआई के उपयोग के साथ-साथ भारत के तेजी से बढ़ते फार्मास्युटिकल क्षेत्र और दुनिया के लिए केंद्र पर चर्चा की। वित्त मंत्री ने दशकीय सुधारों और भारत के भविष्य के रास्ते के मद्देनजर भारत के बैंकिंग क्षेत्र पर चर्चा की। सुश्री फ्रेजर ने भारत के डिजिटल भुगतान परिवर्तन के लिए वित्त मंत्री की सराहना की। सुश्री फ्रेजर ने एमएसएमई के लिए एक पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के वास्ते बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए भारत द्वारा किए गए महत्वपूर्ण सुधारों की सराहना की और कहा कि एमएसएमई को आपूर्ति श्रृंखलाओं का हिस्सा बनाना महत्वपूर्ण है। सुश्री फ्रेजर ने यह भी कहा कि भारत सरकार द्वारा व्यापार करने में आसानी की दिशा में उठाए गए कदम व्यापार प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करेंगे।

इसके अलावा श्रीमती सीतारमण ने यहां इकोनॉमिक क्लब न्यूयॉर्क में आईबीएम के अध्यक्ष और सीईओ अरविंद कृष्णा के साथ भारत के दशकीय आर्थिक सुधारों और निरंतर आर्थिक वृद्धि पर एक फायरसाइड चैट में भाग लिया। इसके इतर उन्होंने कोलंबिया यूनिवर्सिटी में भी वैश्विक चुनौती के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था पर आयोजित एक चर्चा में भी भाग लिया।

एक नजर

एयर इंडिया 27 अक्टूबर से बेंगलुरु-लंदन हीथ्रो के लिए शुरू करेगी दैनिक उड़ानें

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा की अगुवाई वाली एयर इंडिया 27 अक्टूबर से बेंगलुरु और लंदन के हीथ्रो एयरपोर्ट के बीच दैनिक, नॉन-स्टॉप उड़ानें शुरू करके अपनी अंतरराष्ट्रीय कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए तैयार है। इस कदम से लंदन हीथ्रो को भारत में एयर इंडिया के सभी तीन केंद्रों से जोड़ा जाएगा। हालांकि, एयर इंडिया पहले ही दिल्ली और मुंबई से लंदन हीथ्रो एयरपोर्ट के लिए हफ्ते में 31 बार उड़ान भरती है। एयर इंडिया ने मंगलवार को 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में कहा कि हम बेंगलुरु से लंदन हीथ्रो एयरपोर्ट के लिए दैनिक नॉन-स्टॉप उड़ानें शुरू कर रहे हैं। एयरलाइन के इस कदम से तीनों भारतीय हब अब लंदन के हीथ्रो एयरपोर्ट से जुड़ गए हैं। कंपनी ने कहा कि अब यूके की आपकी अगली यात्रा और भी बेहतर हो गई है। आज ही अपनी अगली यात्रा यानी एयर इंडिया ऐप से बुक करें। एयरलाइन की नई उड़ानें मौजूदा बेंगलुरु-लंदन गैटविक मार्ग को संभालेंगी, जिससे बेंगलुरु और लंदन के बीच उड़ानों की संख्या सप्ताह में पांच से बढ़ कर सात बार हो जाएगी। ये नॉन-स्टॉप सेवाएं बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर विमानों से संचालित होंगी, जिसमें बिजनेस क्लास में 18 फ्लैट-बेड सीटें और इकोनॉमी क्लास में 238 विशाल सीटें होंगी। इससे लंदन हीथ्रो से आने-जाने वाली उड़ानों में प्रति सप्ताह कुल 3,584 सीटें बढ़ जाएंगी। उल्लेखनीय है कि वर्तमान में एयर इंडिया एयरलाइंस अपने दिल्ली और मुंबई हब से लंदन हीथ्रो के लिए प्रति सप्ताह 31 उड़ानें संचालित करती है। इसके अतिरिक्त एयर इंडिया देश के चार प्रमुख शहरों अहमदाबाद, अमृतसर, गोवा और कोच्चि से लंदन गैटविक के लिए अपनी 12 साप्ताहिक उड़ानों को जारी रखेगी।

2027 तक भारत वैश्विक पर्यटन के शीर्ष पांच बाजारों में होगा शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन के स्रोत बाजार के रूप में भारत का महत्व बढ़ रहा है क्योंकि स्किफ्ट इंडिया के अनुसार, 2008 से 2019 के बीच अंतर्राष्ट्रीय यात्रा पर खर्च सालाना 17 प्रतिशत बढ़ा है, जो कुल मिलाकर वैश्विक पर्यटन की तुलना में चार गुना अधिक है। 2027 के लिए स्किफ्ट ने 2019 की तुलना में 230 प्रतिशत की और वृद्धि का अनुमान लगाया है जिससे भारत को वैश्विक पर्यटन के लिए शीर्ष 5 स्रोत बाजारों में शामिल हो जायेगा।

भारतीय आउटबाउंड बाजार के तेजी से विकास में भाग लेना जारी रखने के लिए जर्मन नेशनल टूरिस्ट बोर्ड उपमहाद्वीप पर अपनी बाजार गतिविधियों का व्यवस्थित रूप से विस्तार कर रहा है। बोर्ड की सीईओ पेट्रा हेडोर्फर ने आज यहां यह जानकारी देते हुये कहा 'हम दो दशकों से एक बिक्री एजेंसी के साथ भारतीय बाजार पर काम कर रहे हैं। 2015 में, हमने पहली बार इंडिया पूल की शुरूआत की, जो भारत में जर्मन भागीदारों की गतिविधियों का समर्थन करने में बेहद सफल रहा है। जर्मनी में भारतीय मेहमानों द्वारा रात भर ठहरने की संख्या 2019 तक 693,000 से लगभग 40 प्रतिशत बढ़कर 962,000 हो गई। इंडिया पूल के नए संस्करण और बाजार-विशिष्ट गतिविधियों के साथ, हम भारतीय यात्रियों की मांग और जर्मनी में पर्यटन की पेशकश के बीच पुल का निर्माण कर रहे हैं। बदलती परिस्थितियों - विशेष रूप से तकनीकी विकास - को देखते हुए हम अगले वसंतकाल में बोर्ड इंडिया डिजिटल ट्रैवल नॉलेज टूर के साथ जर्मन ट्रैवल इंडस्ट्री के शीर्ष प्रबंधकों के साथ एक हाई-प्रोफाइल प्रतिनिधिमंडल यात्रा का आयोजन भी कर रहे हैं।' उन्होंने कहा कि भारत से जर्मनी जाने वाले यात्रियों का प्रवाह कई वर्षों से लगातार बढ़ रहा है। कोरोना महामारी के खत्म होने के बाद 2023 में भारतीय मेहमानों ने होटलों और गेस्टहाउसों में 826,000 रातें बिताईं जो 2022 की तुलना में 33 प्रतिशता अधिक है। 86 प्रतिशत की रिकवरी दर के साथ, भारतीय बाजार अन्य सभी एशियाई देशों की तुलना में कोविड महामारी से बहुत तेजी से उबर रहा है। टूरिज्म अर्थव्यवस्था ने दशक के अंत तक हर साल जर्मनी में भारत से 16 लाख रातें रुकने का अनुमान लगाया है। मूल्य सृजन के मामले में भी भारतीय बाजार आशाजनक है।

अदाणी ग्रुप के अंबुजा सीमेंट्स ने ओरिएंट सीमेंट में खरीदी 47 प्रतिशत हिस्सेदारी

नई दिल्ली, एजेंसी। अदाणी ग्रुप की सीमेंट्स और बिल्डिंग मटेरियल कंपनी अंबुजा सीमेंट ने मंगलवार को ओरिएंट सीमेंट लिमिटेड (ओसीएल) में 8,100 करोड़ रुपये में 46.8 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण किया। अंबुजा सीमेंट्स की ओर से यह हिस्सेदारी ओसीएल के मौजूदा प्रवर्तकों और कुछ पब्लिक शेयरधारकों से खरीदी जाएगी। अधिग्रहण को पूरी तरह से आंतरिक स्रोतों से फंड किया जाएगा। कंपनी की ओर से दिए गए बयान में कहा गया कि अंबुजा की ओर से ओसीएल के अधिग्रहण से सीमेंट सेक्टर में स्थिति मजबूत होगी। इसके साथ ही सीमेंट बिजनेस के लिए लॉजिस्टिक लागत में कमी आएगी और बाजार हिस्सेदारी में बढ़ोतरी होगी। अंबुजा सीमेंट्स के निदेशक करण अदाणी ने कहा कि अंबुजा की ग्रोथ यात्रा में यह अधिग्रहण काफी महत्वपूर्ण है। इससे अंबुजा के अधिग्रहण के दो वर्षों के अंदर सीमेंट क्षमता 30 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) बढ़ जाएगी। करण अदाणी ने आगे कहा कि ओसीएल के अधिग्रहण के जरिए अंबुजा सीमेंट्स की क्षमता वित्त वर्ष 25 में बढ़कर 100 एमटीपीए हो जाएगी। इससे अंबुजा की सीमेंटसेक्टर में बाजार हिस्सेदारी राष्ट्रीय स्तर पर 2 प्रतिशत बढ़ जाएगी। ओसीएल के पास 5.6 एमटीपीए क्लिंकर क्षमता और 8.5 एमटीपीए सीमेंट क्षमता है, साथ ही क्लिंकर क्षमता को 6.0 एमटीपीए सीमेंट क्षमता को 8.1 एमटीपीए बढ़ाने की वैधानिक मंजूरी है। इसके अलावा, ओसीएल के पास उत्तर भारत में 4 एमटीपीए की क्लिंकर के साथ एक एकीकृत इकाई (आईयू) और 6 एमटीपीए की स्प्लिट ग्राइंडिंग यूनिट (जीयू) स्थापित करने के लिए चित्तौड़गढ़ में चूना पत्थर खनन का पट्टा भी है। करण अदाणी ने कहा, ओसीएल की एसेट्स काफी किफायती है और रेलवे साइडिंग, कैप्टिव पावर प्लांट, रिन्यूएबल एनर्जी, डब्ल्यूएचआरएस और एएफआर सुविधाओं के साथ हैं। ओसीएल का रणनीतिक स्थान पर होना, उच्च गुणवत्ता वाले चूना पत्थर भंडार और अपेक्षित वैधानिक स्वीकृतियां निकट अवधि में सीमेंट क्षमता को 16.6 एमटीपीए तक बढ़ाने का अवसर प्रदान करती हैं। ओरिएंट सीमेंट और सीके बिड़ला समूह के अध्यक्ष सीके बिड़ला ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि अदाणी समूह, सीमेंट और बुनियादी ढांचे पर अपने मजबूत फोकस के साथ, अपने लोगों और पक्षकारों के लिए ओरिएंट सीमेंट में निरंतर विकास को चलाने के लिए आदर्श नया मालिक है। अंबुजा, अपनी सहायक कंपनियों एसीसी लिमिटेड, पेन्ना सीमेंट इंडस्ट्रीज लिमिटेड और सांघी इंडस्ट्रीज लिमिटेड के साथ देश भर में 20 एकीकृत सीमेंट मैन्युफैक्चरिंग प्लांट्स, 20 सीमेंट ग्राइंडिंग यूनिट्स और 12 बल्क टर्मिनलों के साथ अदाणी समूह की सीमेंट क्षमता को 88.9 एमटीपीए तक हो गई है।

सी.के बिड़ला समूह ने ओरिएंट सीमेंट को अडानी समूह को बेचा

नयी दिल्ली, एजेंसी। सी के बिड़ला समूह ने आज अडानी समूह की कंपनी अंबुजा सीमेंट्स का अपना सीमेंट संयंत्र ओरिएंट सीमेंट लिमिटेड को 8100 करोड़ रुपए में बेचने का करार किया।

कंपनी ने यहां जारी बयान में यह जानकारी देते हुए कहा कि सी के बिड़ला समूह अपनी संपूर्ण शेयरधारिता हस्तांतरित करने के लिए निर्णायक समझौतों पर हस्ताक्षर किए, जिसके तहत कंपनी का मूल्यांकन 8100 करोड़ रुपये किया गया, जिसका मूल्य 395.4 रुपये प्रति शेयर है। यह लेन-देन नियामक अनुमोदन के अधीन है, जिसमें भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग द्वारा अनुमोदन और संबंधित सेबी विनियमों के तहत अनिवार्य ओपन ऑफर शामिल है।

अडानी समूह एक अग्रणी और अत्यधिक मान्यता प्राप्त समूह है, जिसके पास बुनियादी ढांचे से लेकर ऊर्जा तक के विश्व स्तरीय व्यवसायों का पोर्टफोलियो है। सी के बिड़ला समूह, एक भारतीय बहुराष्ट्रीय समूह है, जिसके पास 150 से अधिक वर्षों का व्यवसाय और परोपकारी योगदान है, जो प्रौद्योगिकी, ऑटोमोटिव, घर और भवन और स्वास्थ्य सेवा सहित विविध क्षेत्रों में काम करता है, जहाँ यह निवेश करना जारी रखता है। ओरिएंट सीमेंट और सीके बिड़ला समूह के अध्यक्ष सी के बिड़ला ने कहा, "हमारा समूह उपभोक्ता केंद्रित, प्रौद्योगिकी संचालित और सेवा आधारित व्यवसायों पर अपना ध्यान केंद्रित करने के लिए लगातार पूंजी का पुनर्वितरण कर रहा है। मुझे ओरिएंट सीमेंट के प्रीमियम ब्रांड बनाने और अपने संचालन वाले भौगोलिक क्षेत्रों में अग्रणी बाजार हिस्सेदारी बनाए रखने के प्रभावशाली ट्रैक रिकॉर्ड पर गर्व है। हमें विश्वास है कि सीमेंट और बुनियादी ढांचे पर अपने मजबूत फोकस के साथ अदानी समूह हमारे लोगों और हितधारकों के लिए ओरिएंट सीमेंट में निरंतर विकास को आगे बढ़ाने के लिए आदर्श नया मालिक है।" सीके बिड़ला समूह की सह-अध्यक्ष अमिता बिड़ला ने कहा, "ओरिएंट सीमेंट की बाजार में मजबूत उपस्थिति है, जिसमें स्थिरता पहल, विशेष रूप से नवीकरणीय ऊर्जा, इसके डीएनए का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

शुरूआती कारोबार में शेयर बाजार में दबाव, सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। घरेलू शेयर बाजार आज पहले घंटे के दौरान लगातार जारी उतार-चढ़ाव के बीच दबाव में कारोबार करता नजर आ रहा है। आज सुबह स्टॉक मार्केट मामूली बढ़त के साथ खुला। कारोबार की शुरूआत होते ही तेजड़ियों और मंदड़ियों के बीच खींचतान शुरू हो गई, जिसके कारण शेयर बाजार की चाल भी ऊपर-नीचे होती रही। पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.05 प्रतिशत और निफ्टी 0.12 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। शुरूआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से श्रीराम फाइनेंस, आईसीआईसीआई बैंक, टेक महिंद्रा, विप्रो और भारती एयरटेल के शेयर 1.70 प्रतिशत से लेकर 1.08 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, टाटा स्टील, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाटा मोटर्स और कोटक महिंद्रा के शेयर 0.79 प्रतिशत से लेकर 0.58 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते नजर आ रहे थे।

अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,360 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 610 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 1,750 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 12 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपरिवर्तित

नई दिल्ली, एजेंसी। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी लगातार जारी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज अपरिवर्तित रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे।

तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कापोर्रेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा।

वैश्विक स्तर पर साप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 0.54 प्रतिशत की तेजी लेकर 70.94 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

सराफा बाजार में तेजी से चमका सोना, चांदी की कीमत भी 1 लाख के पार

नई दिल्ली, एजेंसी। घरेलू सराफा बाजार में आज एक बार फिर तेजी का रुख नजर आ रहा है। सोने के भाव में आज 250 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की तेजी आई है। इसी तरह चांदी ने आज उछल कर एक लाख रुपये के स्तर को पार कर लिया है। सोने की कीमत में आई तेजी के कारण देश के ज्यादातर सराफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 79,800 रुपये से लेकर 79,650 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 73 हजार के स्तर को पार करके 73,160 रुपये से लेकर 73,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सराफा बाजार में आज चांदी ने भी 1,700 रुपये प्रति किलोग्राम की छलांग लगाई है। इस तेजी आने के कारण दिल्ली सराफा बाजार में ये चांदी आज 1,01,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 79,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 73,160 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 79,650 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 73,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 79,700 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 72,060 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 79,650 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 73,010 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 79,650 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 73,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

एफएसएसएआई ने देशी घी, पनीर, दूध और खोया के मिलावटखोरों पर वर्ष 22-23 में लगाया 22 करोड़ से अधिक का जुमार्ना

भोपाल, एजेंसी। आंध्र प्रदेश के तिरुपति स्थित बालाजी के मंदिर के प्रसाद में घी के स्थान पर मिलावटी घी का इस्तेमाल किए जाने के लगे आरोपों के बीच घी, पनीर, दूध और खोया में मिलावटखोरी करने वालों के खिलाफ बड़ी कार्यवाही का खुलासा हुआ है। वित्त वर्ष 2022-23 में 6,853 मिलावटखोरों पर कार्रवाई कर 22 करोड़ से ज्यादा का जुमार्ना लगाया गया है।

मध्य प्रदेश के नीमच जिले से नाता रखने वाले सूचना के अधिकार के कार्यकर्ता चंद्रशेखर गौड़ ने बीते पांच सालों में देशी घी, पनीर, दूध और खोया के लिए गए सैंपल और उन पर हुई कार्रवाई का भारतीय खाद्य सुरक्षा मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) से ब्यौरा मांगा था। गौड़ को एफएसएसएआई ने जो विवरण उपलब्ध कराया गया है उसके मुताबिक वित्त वर्ष 2022-23 में कुल 39,091 नमूनों का परीक्षण किया गया। इनमें से 10,381 के खिलाफ प्रकरण दर्ज हुए और उनमें से 6,853 को दोषी पाते हुए जुमार्ना लगाया गया। लगाई गई जुमार्ने की रकम 22,27,91,500 (22 करोड 27 लाख 91 हजार 500 रुपए) है।

इसी तरह वर्ष 2019-20 में एफएसएसएआई ने 12,538 नमूनों का परीक्षण किया। इनमें से 4,561 के खिलाफ प्रकरण दर्ज हुआ और 695 को दोषी पाए जाने के साथ उन पर जुमार्ना लगाया गया। इन मिलावटखोरों पर कुल 9 करोड़ 5 लाख 85 हजार 125 रुपए का जुमार्ना लगाया गया। बात 2020-21 की करें तो उस वर्ष एफएसएसएआई ने कुल 9,717 नमूनों का परीक्षण किया । इनमें से 3,082 के खिलाफ प्रकरण दर्ज हुआ और 525 को दोषी पाते हुए उन पर जुमार्ना लगाया गया। इन मिलावटखोरों पर 6 करोड़ 62 लाख 12 हजार 595 रुपए का जुमार्ना लगाया गया।

सूचना के अधिकार के कार्यकर्ता गौड़ को एफएसएसएआई की ओर से उपलब्ध कराई गई जानकारी के मुताबिक वर्ष 2021-22 में 11,148 नमूनों का परीक्षण किया गया। इनमें से 3,959 कारोबारी पर प्रकरण दर्ज हुआ जिनमें से 552 को दोषी पाते हुए उन पर 5 करोड़ 34 लाख 71 हजार 745 रुपए का जुमार्ना लगाया गया।

बीते वित्त वर्ष 2023- 24 में कुल 38,498 सैंपल लिए गए जिनका परीक्षण हुआ। इनमें से कितने लोगों पर प्रकरण दर्ज हुआ कितने लोग दोषी पाए गए हैं और उन पर कितना जुमार्ना लगाया गया है यह विवरण वित्त वर्ष के छह माह बीत जाने के बाद भी आना बाकी है ,जो कि अपने आप में कुछ सवाल खड़े करता है।

सूचना के अधिकार के तहत चंद्रशेखर गौड़ को मिले जवाब के मुताबिक बीते चार साल (वित्त वर्ष 2019-20 से 2022-23 की अवधि) में कुल 72,494 नमूनों का परीक्षण किया गया। इनमें से 21,983 लोगों के खिलाफ मामले दर्ज हुए और इनमें से 8,625 को दोषी मानते हुए उन पर जुमार्ना लगाया गया। चार साल में कुल जुमार्ना 43 करोड़ 30 लाख 60 हजार 965 रुपए लगाया गया।

वित्त वर्ष 2019-20 से 2021-22 की तीन साल की अवधि में 11,602 मिलावटखोरों के खिलाफ प्रकरण दर्ज हुए हैं और जुमार्ना मात्र 1,772 मिलावटखोरों के खिलाफ ही लगाया गया है और इन पर 21,02,69,465 रुपये का जुमार्ना लगाया गया है ।

जबकि इसके ठीक अगले एक वित्त वर्ष 2022-23 में 10,381 मिलावटखोरों के खिलाफ प्रकरण दर्ज हुए हैं जिनमें से 6,853 मिलावट खोरों पर 22,27,91,500 रुपये का जुमार्ना लगाया गया है । ऐसे में अकेले वित्त वर्ष 2022-23 में मिलावटखोरों पर लगाई गई राशि 22,27,91,500 रुपये है। इसके पूर्व के तीन वर्षों 2019-20 से 2021-22 की अवधि में जुमार्ने पर लगाई गई राशि 21,02,69,465 रुपए है ।

सूचना के अधिकार के कार्यकर्ता गौड़ का कहना है कि मिलावटखोरी मनुष्यता के प्रति बड़ा अपराध है, इस पर सरकार को कठोरतम कार्रवाई करते हुए इन कारोबारियों पर आजीवन प्रतिबंध लगाना चाहिए।

घर की सीढ़ियों को प्लांट्स की मदद से कुछ इस तरह करें डेकोरेट हरा-भरा लगेगा घर

आज के समय में हर व्यक्ति अपने घर में प्लांट्स को जगह देने लगा है। भले ही उसका घर स्पेशियस हो या फिर छोटा, यह प्लांट्स किसी भी घर को बेहद खूबसूरत बनाते हैं। इतना ही नहीं, अमूमन लोग अपनी सुविधा व स्पेस को देखते हुए हैंगिंग गार्डनिंग से लेकर बालकनी व टेरेस में भी गार्डनिंग करना काफी पसंद करते हैं। लेकिन घर का एक एरिया ऐसा भी है, जहां पर अगर प्लांट्स लगाए जाएं तो पूरे घर का मेकओवर हो सकता है और फिर इसके बाद आपको अलग से किसी अन्य एरिया में प्लांट्स लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

यह एरिया है आपकी सीढ़ियां। घर की सीढ़ियों को अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है, लेकिन वास्तव में यही सीढ़ियां आपके पूरे घर का लुक बदल सकती हैं। अगर आप इन्हें एक नेचुरल व ब्यूटीफुल टच देना चाहती हैं तो वहां पर गार्डनिंग करना एक अच्छा आईडिया है। आप सीढ़ियों पर उन प्लांट्स को लगाएं, जिन्हें सीधी धूप या बहुत अधिक रख-रखाव की आवश्यकता ना हो। तो चलिए आज इस लेख में हम जानते हैं कि आप अपने घर में सीढ़ियों को प्लांट्स की मदद से किस तरह और भी अधिक खूबसूरत बना सकती हैं-

वर्टिकल गार्डनिंग

जब सीढ़ियों पर प्लांटिंग करने की बात हो तो ऐसे में वर्टिकल गार्डनिंग करना एक अच्छा आईडिया है। यह वास्तव में काफी कम स्पेस लेता है, लेकिन इस तरह आप अपनी सीढ़ियों के एरिया को पूरी तरह से ट्रांसफॉर्म कर सकती हैं। आप कोशिश करें कि सीढ़ियों की एक साइड की दीवार पर आप वर्टिकल गार्डनिंग के लिए स्टैंड को हैंग करें और उसमें बेहद ही खूबसूरत स्मॉल साइज के पौधे लगाएं। यह देखने में बेहद ही ब्यूटीफुल लगेगा।

यूं दें एलीगेंट लुक

अगर आप अपनी सीढ़ियों को एक बेहद ही एलीगेंट तरीके से सजाना चाहती हैं तो आप पॉटेड प्लांट्स को सीढ़ियों पर रखें। खासतौर से, अगर आपकी सीढ़िया वुडन की हैं तो आप कॉन्ट्रास्टिंग कलर के एक बिग साइज पॉट को सीढ़ी पर रख सकती हैं। हालांकि, अगर आप ऐसे अपनी सीढ़ियों को सजा रही हैं तो अन्य पॉट्स को घर के किसी दूसरे कोने में प्लेस करें।

स्नेकप्लांट्स लगेंगे बेहद खूबसूरत

यह भी एक तरीका है सीढ़ियों को सजाने का। इसके लिए आप कई पॉट्स में केवल स्नेकप्लांट्स ही लगाएं। अब आप इन पॉट्स को अपनी हर सीढ़ी के उपर रखती जाएं। यह ना केवल देखने में अच्छे लगते हैं, बल्कि आपके घर की हवा को भी नेचुरली प्यूरिफाई करने में मदद करते हैं। इसके बाद आपको अलग से एयर प्यूरिफायर खरीदने की जरूरत महसूस नहीं होगी।

रेलिंग पर करें फोकस

जब आप सीढ़ियों पर गार्डनिंग कर रही हैं तो सिर्फ उसकी साइड की दीवार या स्टेप्स के साथ ही आप क्रिएटिव नहीं हो सकतीं, बल्कि रेलिंग का लुक भी बदल सकती हैं। आप मनी प्लांट्स से लेकर अन्य कई प्लांट्स को रेलिंग पर लगा सकती हैं। हालांकि, आप रेलिंग के लिए ऐसे प्लांट्स को चुनें, जिनकी लताएं नीचे की ओर बढ़ती जाएं, ताकि यह आपकी पूरी रेलिंग को कवर कर सकें और देखने में भी खूबसूरत लगे।

सीढ़ियों के नीचे का स्पेस

अगर आपकी सीढ़िया घर में कुछ इस तरह बनी हुई हैं कि उनके नीचे आपके पास काफी सारा स्पेस बचता है, तो वहां पर भी प्लांटिंग करना अच्छा आईडिया है। अगर आप चाहें तो इस एरिया में एक मिनी गार्डन तैयार कर सकती हैं। आप यहां पर तरह-तरह के खूबसूरत प्लांट्स रख सकती हैं। साथ ही कुछ पेबल्स व लाइटिंग के जरिए इस लुक को और भी खास बनाएं। यकीन मानिए, इस एरिया में जब आप कुछ फुरसत के पल बिताएंगी, तो आपको बेहद ही अच्छा लगेगा।

...अगर आपका बच्चा भी करता है बिस्तर गीला

कई बार बच्चे 1 साल से बड़े होने के बाद भी बिस्तर पर ही पेशाब कर देते है। अक्स पेरेंट्स बच्चे की इस आदत को लेकर परेशान रहते है लेकिन बच्चे का बार-बार ऐसा करना किसी परेशानी के कारण भी हो सकता है। कई बार तो बच्चे रात में डर के कारण बिस्तर गीला कर देते है लेकिन इसके अलावा बच्चे यूरिन इंफेक्शन, तनाव, पुरानी कब्ज या असंतुलित हार्मोन के कारण ऐसा करते है।

अगर आपका बच्चा भी ऐसा कर रहा है तो इससे आपको परेशान होने की जरुरत नहीं। इस समस्या को आप कुछ असरदार घरेलू नुस्खे से दूर कर सकते हैं। आइए जानते है किन उपायों द्वारा बच्चे की इस परेशानी को दूर किया जा सकता है।

बच्चों को बार-बार यूरिन आने के कारण

- ब्लैडर में इंफेक्शन
- ब्लड शुगर के कारण
- प्रॉस्टेट ग्रंथि में यूरिन का बढ़ना
- ज्यादा कॉफी या चाय का सेवन
- पेट में कीड़े की समस्या
- मूत्राशय में पेशाब जमा करने की क्षमता कम होना

इसके घरेलू उपचार

अखरोट
2 अखरोट और 20 किशमिश को पीसकर चूर्ण बना लें। 3 हफ्ते तक बच्चे को इसका सेवन कराने से यह समस्या दूर हो जाएगी।

पिस्ता
5 काली मिर्च, 3 पिस्ता और मिनका पीस लें। दिन में दो बार बच्चे को यह चूर्ण खिलाने से उसकी यह परेशानी दूर हो जाएगी।

काले तिल
50 ग्राम काले तिल, 25 ग्राम अजवाइन और 100 ग्राम गुड़ को मिलाकर 8-8 ग्राम के लड्डू बना लें। बच्चे को रोजाना सुबह-शाम 1 लड्डू खिलाने से उसकी पेशाब की बीमारी ठीक हो जाएगी।

शहद का सेवन
रोजाना रात को सोने से पहले बच्चे को नियमित रूप से शहद चटा दें।

कुछ हफ्तों में ही बच्चे को बार-बार यूरिन आने की परेशानी से छुटकारा मिल जाएगा।

अजवाइन
1 चम्मच अजवाइन में नमक मिलाकर बच्चें को गर्म पानी से सात खिला दें। दिन में 2 बार इसका सेवन बार-बार यूरिन आने की समस्या से निजात दिलाता है।

बच्चे को घर की बनी चीजें खाने की आदत डालें

बच्चे और हैल्दी फूड तो मानों एक दूसरे से मेल ही नहीं खाते लेकिन बच्चों के विकास के लिए संतुलित भोजन बहुत जरूरी है। इससे न सिर्फ शारीरिक विकास होता है बल्कि भविष्य के लिए भी खाने की अच्छी आदतें फायदेमंद साबित होती हैं। जंक फूड, पिज्जा, बर्गर, चिप्स आदि बच्चे बहुत चाव से खाते हैं लेकिन खाने में ये टेस्टी तो होते हैं लेकिन सेहत को फायदे की जगह नुकसान पहुंचाने का काम करते हैं। जो आने वाले समय में मोटापा, डायबिटिज, हाई बीपी, स्ट्रोक, दिल की बीमारियां आदि होने का कारण बनते हैं। शुरू से ही अगर बच्चे को घर की बनी चीजें खाने की आदत डाल दी जाए तो उसके लिए बहुत अच्छा होगा।

बताएं हैल्दी चीजों का महत्व

बच्चे में अनुशासन, पढ़ाई के साथ-साथ खाने की अच्छी आदतों का होना भी बहुत जरूरी है। उन्हें बताएं कि घर का बना खाना खाना आपके लिए कितना अच्छा है। बाहर का खाना न तो हैल्दी होता है और न ही साफ-सुथरा। कभी-कभी बच्चों को उनकी पसंद का खाना घर पर ही बना कर खिलाएं।

एक जगह बिठा कर करवाएं भोजन

ज्यादातर बच्चों को खाना खाते समय घूमने की आदत होती है जो एक गलत आदत है। बच्चे को रोजाना एक ही जगह पर बिठा कर खाना खिलाएं और बार-बार की बजाए एक ही बार में खाना खाने को कहें लेकिन जबरदस्ती न करें।

टेस्ट में करें बदलाव

एक ही तरह का खाना खाकर बच्चे बोर हो जाते हैं, खाना का टेस्ट बरकरार रखने के लिए उनके डाइट प्लान में कभी स्नैक्स, जूस, सूप, फ्रूट सलाद आदि के साथ खाने में ट्विस्ट लाएं।

कामकाजी महिला हैं तो इस तरह रहें बच्चे के करीब

औरतों को घर और ऑफिस के काम एक साथ संभालने का हुनर बहुत अच्छी तरह से आता है। कई बार समय की कमी के कारण वह अपने बच्चों को उतना समय नहीं दे पाती, जितना कि उसके बच्चों को मां के साथ की जरूरत होती है।

बच्चों के साथ समय बिताकर आप उनके दिल की बातों को अच्छी तरह से जान सकते हैं लेकिन आप भी काम के तनाव की वजह से परेशान हैं और बच्चों के कटी-कटी रहती हैं तो कुछ स्मार्ट टिप्स आपके काम आ सकते हैं जो बच्चे के साथ आपके रिश्तों के पहले से भी ज्यादा मजबूत बना देंगे।

बच्चों से करें दिनभर की बातें

रात को आपके पास परिवार के साथ समय बिताने के सबसे अच्छा बहाना होता है। डिनर के समय पति और बच्चों के साथ ही खाना खाएं। दिन भर की बातें परिवार के साथ शेयर करें और उनकी बातें सुनें। इससे बच्चों का आपके साथ प्यार बढ़ेगा और वह आपसे बातें करने के लिए बेताब रहेगा।

काम में लें बच्चों की मदद

बच्चे तब बहुत खुश होते हैं जब आप उनसे किसी बात के लिए मदद मांगते हैं। कभी-कभी प्यार से बच्चे को आपकी मदद करने के लिए कहें जैसे खाना बनकर तैयार है तो उसे डाइनिंग टेबल सजाने के लिए कह सकते हैं। उसकी पसंद की डिश बना रही हैं तो उससे परोसने के लिए मदद ली जा सकती है।

मस्ती भी जरूरी

बच्चों के करीब आने के लिए उनके साथ कभी-कभी खुद भी बच्चे बनना पड़ता है। आप परिवार के साथ कुछ ऐसे गेम्स खेल सकते हैं जिसे बच्चे पूरी तरह से एंज्वाय भी करें और उन्हें कुछ सीखने के लिए भी मिले। जैसे हॉट सीट, पर्ची पर सारे सदस्यों का नाम लिखें, जिसके नाम की पर्ची निकले वह हॉट सीट पर बैठे और बाकी के सदस्य उससे सवाल पूछें। जो सबसे ज्यादा सही जवाब दे उसे शॉपिंग या पिकनिक का गिफ्ट दिया जा सकता है।

जुड़वां बच्चे होने पर दिखते हैं ये लक्षण!

प्रैग्नेंसी हर महिला की जिंदगी का सबसे अहम पल होता हैं। जब किसी औरत को मां बनने की खुशी मिलती है तो उसके साथ पूरा परिवार खुश हो उठता है। हर औरत के मन में सबसे पहला सवाल उठता है कि उसका होने वाला बच्चा कैसा होगा, वहीं अगर गर्भ में जुड़वां बच्चों के पलने की खबर मिल जाए तो खुशी दोगुणा बढ़ जाती है। जुड़वा बच्चों के होने पर गर्भवती महिला के शरीर में कुछ लक्षण दिखाई देते है, जिनके बारे में अक्सर महिलाओं को नहीं पता होता। आज हम आपको उन्ही लक्षणों के बारे में बताने जा रहे है, जिनसे पता जलता है कि गर्भ में जुड़वा बच्चे पल रहे है।

मॉर्निंग सिकनेस

गर्भवती महिला को मॉर्निंग सिक्नेस रहना भी एक संकेत हो सकता है। 50 प्रतिशत से अधिक महिलाओं को गर्भावस्था के प्रारंभिक चरण में ही मतली और जी मिचलाना महसूस हो सकती है। जिन गर्भवती महिलाओं को जुड़वा बेबी होने वाले होते है उन्होंने बाकी गर्भवती महिलाओं की तुलना में अधिक मार्निंग सिक्नेस रहती है।

ब्लीडिंग और स्पॉटिंग

जिस महिला को जुड़वा होने वाली होती है, उन्हें स्पॉटिंग और ब्लीडिंग अधिक होती है। यदि ब्लीडिंग के साथ बुखार और लाल खून के धब्बे पड़ रहे है तो इसमें डरने की कोई बात नहीं है क्योंकि यह जुड़वा बच्चों की निशानी हो सकती है।

वजन बढ़ना

अगर वजन सामान्य गर्भावस्था की तुलना से अधिक है तो भी जुड़वां बच्चे होने का संकेत हो सकता है। एक औसत गर्भावस्था में सामान्य वजन 25 पाउंड होता है, जबकि जुड़वां गर्भावस्था में वजन 30 से 35 पुंड के बीच होता है।

अधिक भूख लगना

जुड़वां बेबी होने पर गर्भवती महिला को अधिक भूख लगती है। इसलिए जब आपको साथ भी ऐसा हो तो एक बार डॉक्टर से सलाह जरूर लें क्योंकि यह कोई और बात भी हो सकती है।

पेट में दर्द होना

जुड़वां गर्भवती महिला के सामान्य से ज्यादा पेट में दर्द रहने लगता है यह दर्द शरीर को अधिक वजन होने के कारण भी हो सकता है। इसलिए इस बात के बारे में एक बार डॉक्टर से जरूर बात करें।

बच्चों के मां-बाप नहीं दोस्त बनें

हर मां- बाप चाहते हैं कि उनकी बेटियां पढ़ लिखकर जिंदगी में कामयाब बने। बेटियों को आगे बढ़ाने के लिए पेरेंट्स उन्हें घर से बाहर दूसरे शहरों में भी पढ़ने के लिए भेजते हैं लेकिन दिन-प्रतिदिन लड़कियों के खिलाफ बढ़ते अपराध को देखकर कुछ मां- बाप अच्छी नौकरी या पढ़ाई के लिए उन्हें बाहर भेजने से डरने लगे हैं। उन्हें हर पल यही फिक्र सताती है कि उनकी बच्ची सही सलामत है या नहीं। अगर आपके घर में लड़किया हैं और वह पढ़ाई करने, नौकरी करने या किसी अन्य काम से रोजाना घर से बाहर जाती हैं या घर से दूर कहीं बाहर रहती हैं। तो माता- पिता होने के नाते आपको कुछ सावधानियां बरतने की खास जरूरत है ताकि वह हर छोटी से छोटी बात भी आपसे शेयर कर सके। तो आइए जानते हैं उन बातों के बारे में जो आपकी बच्ची को घर के बाहर भी सुरक्षित रख सकती हैं।

मोबाइल भी जरूरी

कुछ मां- बाप की सोच है कि मोबाइल फोन से बच्चों पर बुरा प्रभाव पड़ता है। वह पढ़ना-लिखना छोड़ देंगे और पूरा दिन सिर्फ मोबाइल फोन पर ही लगे रहेंगे लेकिन बेटियों के पास मोबाइल फोन होना जरूरी है। वह कहीं बाहर गई हो और घर वापसी में लेट हो जाए तो आपको फोन करके बता सकती हैं। इसके अलावा अगर कभी कोई मुसीबत आती है तब भी वह आपको फोन कर सकती हैं। बच्चों का दोस्त बनना बहुत जरूरी है अगर आप उनके साथ दोस्तों जैसा व्यवहार करेंगे तो वह खुल कर आप से हर बात शेयर कर पाएंगे। जब आपको उसके बारे में हर बात पता होगी तो आप अपनी बच्ची को परेशानियों से बचा सकते हैं।

थोड़ी दूरी भी बनाएं

बच्चों को स्पेस देना भी जरूरी है हर वक्त उनके पीछे परछाई की तरह लगने रहने से वह परेशान हो जाएगी। इससे आपका बच्चा धीरे-धीरे आप से दूर होता चला जाएगा और कभी आप पर भी भरोसा नहीं करेगा। खुद का भरोसा बच्चे पर बनाने के लिए कुछ समय उसे अकेले भी समय बिताने का मौका दें ताकि उन्हें पता चल सके कि क्या सही है और क्या गलत।

दोस्तों की जानकारी

आपको उनके दोस्तों के बारे में पता होना जरूरी है वह पूरा दिन कौन से दोस्तों के साथ रहती है इस बात की पूरी जानकारी होनी चाहिए। इस बात को सुनिश्चित करें की उसकी संगत अच्छी हो। अपने बच्चे ही नहीं बल्कि उनके दोस्तों से भी दोस्ती बनाएं।

आत्मरक्षा के तरीके

बेटियों को आत्मरक्षा करने के लिए तरीके बताएं। आजकल तो बहुत से स्कूलों और कॉलजों में बच्चों को कराटे और बहुत-से ऐसे टिप्स बताए जाते है जिनसे वह अकेली होने पर अपनी रक्षा कर सके। लड़कियों को कभी भी कमजोर या अकेला महसूस न होने दें।

अपनी राय न थोपें

बच्चों को अच्छी बुरी के बातों के बीच फर्क बताना जरूरी है लेकिन उन पर अपनी राय थोपना गलत है। जब आप उनकी हर बात पर अपनी राय थोपेंगे तो वह बहुत-सी बातों को आप छीपाएगी। जो उसके लिए बाद में परेशानियां खड़ी कर सकती हैं।

कमिंस अगले महीने होने वाली बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में 'सुधार' के लिए तैयार

मुंबई, एजेंसी। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी (बीजीटी)सीरीज से पहले, ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने कहा है कि उनकी टीम सीरीज के पिछले चार लगातार संस्करणों में हार के बाद इस बार अपने प्रदर्शन में 'सुधार' करेगी।

भारत पिछले चार बीजीटी में खिताब बरकरार रखने में सफल रहा, जिसमें 2018-19 और 2020-21 में उनकी प्रसिद्ध सीरीज जीत शामिल है, जहां ऋषभ पंत ने गाबा में नाबाद 89 रनों की शानदार पारी खेली और ऑस्ट्रेलिया के अपने गढ़ में 32 साल के अपराजित क्रम को समाप्त करते हुए शानदार जीत हासिल की। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने भारत के विकेटकीपर-बल्लेबाज को मध्य क्रम में एक एक्स-फैक्टर बताया और स्टंप के पीछे उनके नियंत्रित व्यवहार पर भी प्रकाश डाला।

कमिंस ने स्टार स्पोर्ट्स के प्रेस रूम में कहा, 'पिछली बार ऑस्ट्रेलिया में ऋषभ ने शानदार सीरीज खेली थी। वह हमेशा मध्यक्रम में एक्स-फैक्टर की तरह रहता है। आप कभी नहीं जानते कि आपको क्या मिलने वाला है, जो कि रोमांचक है, भले ही आप विपक्षी हों। और स्टंप के पीछे हमेशा उसके पास कहने के लिए कुछ होता है झ वह बहुत मजेदार है, मुझे हंसाता है।'

कमिंस ने यह भी बताया कि ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजी लाइन-अप शुभमन गिल और यशस्वी जायसवाल जैसे भारतीय युवाओं को कैसे आंकता है। 'मैंने शुभमन के खिलाफ थोड़ा बहुत खेला है। मैंने जायसवाल को ज्यादा नहीं देखा है, सिर्फ. आईपीएल में देखा है। लेकिन वे दोनों युवा खिलाड़ी लगते हैं जिन्होंने अलग-अलग फॉर्मेट में काफी रन बनाए हैं। हम यहां उन पर नजदीकी नजर रखेंगे। लेकिन हाँ, हम अभी भी सीरीज से कुछ सप्ताह दूर हैं, इसलिए मैं यह नहीं कह सकता कि मैंने अभी तक उनके लिए बहुत बारीकी से योजना बनाई है।'

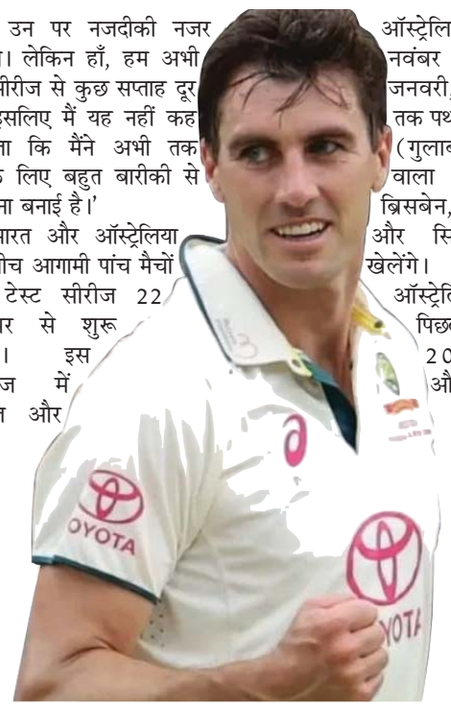

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच आगामी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज 22 नवंबर से शुरू होगी। इस सीरीज में भारत और ऑस्ट्रेलिया 22 नवंबर से 7 जनवरी, 2025 तक पर्थ, एडिलेड (गुलाबी गेंद वाला मैच), ब्रिसबेन, मेलबर्न और सिडनी में खेलेंगे। भारत ने ऑस्ट्रेलिया में पिछली दो बार 2018/19 और 2020/21 में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी जीती थी। इसके अलावा, ऑस्ट्रेलिया ने 2014-15 के बाद से कोई बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज नहीं जीती है, जब उन्होंने घरेलू धरती पर 2-0 से जीत हासिल की थी। कमिंस ने कहा, 'हमें थोड़ा ब्रेक मिला है, इसलिए मैं पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए उत्साहित हूं। इसमें शामिल होने के लिए उत्साहित हूं। पिछली कुछ टेस्ट सीरीज में भारत के खिलाफ हमें बहुत किस्मत नहीं मिली है, लेकिन हम हमेशा ऑस्ट्रेलिया में अच्छा खेलने पर गर्व करते हैं। पिछली दो सीरीज बहुत पहले हुई थीं, इसलिए मुझे लगता है कि हम इससे उबर चुके हैं। लेकिन जब हम ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट क्रिकेट खेलते हैं तो हमारी उम्मीदें बहुत ज्यादा होती हैं। मुझे लगता है कि प्रशंसकों और मीडिया की भी यही राय है। इसलिए जब भी हम यहां नहीं जीतते हैं, तो निश्चित रूप से आप उन सीरीज को थोड़ा और करीब से देखते हैं।'

उन्होंने कहा, 'पिछली सीरीज, विशेष रूप से, वास्तव में कठिन थी। यह गाबा में आखिरी सत्र तक चली, और दुर्भाग्य से, हम इसे पूरा नहीं कर सके। टीम के बहुत से खिलाड़ी उसी सीरीज में खेलने वाले खिलाड़ियों जैसे ही हैं, और हम यहां सुधार करने के लिए आए हैं।' कमिंस ने कैमरून ग्रीन को बीजीटी के लिए खोने पर भी विचार किया, क्योंकि ऑलराउंडर ने अपनी पीठ के निचले हिस्से में स्ट्रेस फ्रैक्चर का ऑपरेशन करवाने का विकल्प चुना था। 'जहां तक कैम ग्रीन की बात है, तो वह हमारे लिए बहुत बड़ी क्षति है। न केवल उनकी बल्लेबाजी के लिए, बल्कि वह शायद अब तक के सबसे बेहतरीन गली फील्डर हैं, और एक बेहतरीन गेंदबाज भी हैं, जिसकी हमें जरूरत है, इसलिए हम वास्तव में उनकी कमी महसूस करेंगे।'

एक नजर

स्क्वैश को 2026 राष्ट्रमंडल खेलों से बाहर रखे जाने पर विश्व स्क्वैश महासंघ, स्कॉटलैंड निराश

नई दिल्ली, एजेंसी। विश्व स्क्वैश महासंघ (डब्ल्यूएसएफ) और स्कॉटिश स्क्वैश इस खबर से बेहद निराश हैं कि स्क्वैश ग्लासगो में 2026 में होने वाले संक्षिप्त राष्ट्रमंडल खेलों में शामिल दस खेलों में से एक नहीं होगा। स्क्वैश, जो लॉस एंजेलिस 2028 ओलंपिक खेलों में अपना ओलंपिक पदार्पण करेगा, कुआलालंपुर 1998 में पहली बार आयोजित होने के बाद से राष्ट्रमंडल खेलों का एक मुख्य खेल रहा है। हालांकि, ग्लासगो 2014 खेलों में शानदार स्क्वैश प्रतियोगिता के बाद स्कॉट्सटाउन में मौजूदा बुनियादी ढांचे के बावजूद, यह निराशाजनक है कि 2026 राष्ट्रमंडल खेलों की असाधारण परिस्थितियों के कारण 2022 में खेलों की संख्या 19 से कम होने के बाद भी स्क्वैश को शामिल किए जाने के लिए प्रस्तुत नहीं किया गया। संयुक्त वक्तव्य में कहा गया, 'यह निर्णय स्कॉटलैंड और राष्ट्रमंडल के शीर्ष स्क्वैश खिलाड़ियों के लिए विशेष रूप से निराशाजनक है, जो प्रमुख खेलों में अपने देशों का प्रतिनिधित्व करने के लिए अथक परिश्रम करते हैं।डब्ल्यूएसएफ और स्कॉटिश स्क्वैश इन एथलीटों को उनके कौशल को बढ़ाने और अपने देशों का गर्व से प्रतिनिधित्व करने के लिए सर्वोत्तम प्रतिस्पर्धी अवसर प्रदान करके उनका समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।' 'डब्ल्यूएसएफ और स्कॉटिश स्क्वैश के प्रतिनिधियों को आश्वासन मिला है कि 2026 में एक संक्षिप्त आयोजन के लिए यह निर्णय भविष्य के राष्ट्रमंडल खेलों में स्क्वैश को शामिल करने को प्रभावित नहीं करेगा।' राष्ट्रमंडल खेल महासंघ ने मंगलवार को पुष्टि की कि ग्लासगो खेलों के लिए खेल कार्यक्रम में एथलेटिक्स और पैरा एथलेटिक्स (ट्रैक एंड फील्ड), तैराकी और पैरा तैराकी, कलात्मक जिमनास्टिक, ट्रैक साइक्लिंग और पैरा ट्रैक साइक्लिंग , नेटबॉल, भारोत्तोलन और पैरा पावरलिफ्टिंग, मुक्केबाजी, जूडो, बाउल्स और पैरा बाउल्स, और 33 बास्केटबॉल तथा 33 व्हीलचेयर बास्केटबॉल शामिल होंगे।

पूर्व विश्व नंबर 1 ओसाका चोट के कारण हांगकांग ओपन से हटीं

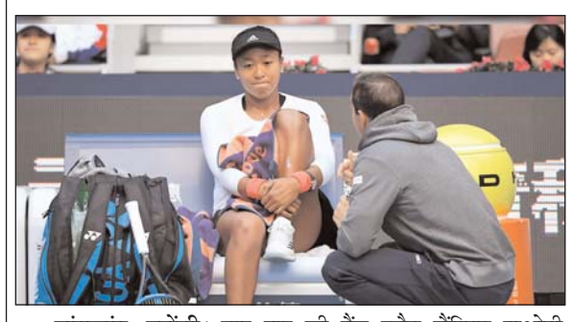

हांगकांग, एजेंसी। चार बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन नाओमी ओसाका ने चोट के कारण हांगकांग ओपन टेनिस चैंपियनशिप से हटने की घोषणा की है। हालांकि वह खेलेंगी नहीं, लेकिन टूर्नामेंट की अन्य गतिविधियों में हिस्सा लेंगी। आयोजकों ने सोमवार को यह जानकारी दी। हांगकांग, चीन टेनिस संघ ने एक बयान में कहा, हालांकि, नाओमी ने पुष्टि की है कि वह अभी भी टूर्नामेंट में भाग लेंगी और इस आयोजन के दौरान कई गतिविधियों में भाग लेंगी, जिसमें अपने हांगकांग टेनिस प्रशंसकों से मिलना भी शामिल है। नाओमी के हवाले से कहा गया, मुझे वास्तव में खेद है कि मुझे प्रूडेंशियल हांगकांग टेनिस ओपन और इस टेनिस सत्र के बाकी हिस्सों में प्रतिस्पर्धा करने से हटना पड़ा है। मुझे टूर्नामेंट में जाना बहुत पसंद है और खेल न पाने की स्पष्ट निराशा के बावजूद, मैं अपने सभी अद्भुत हांगकांग प्रशंसकों को आश्वस्त करना चाहती हूँ कि मैं अभी भी इस आयोजन में भाग लूँगी। मैं आप सभी से मिलने के लिए बहुत उत्सुक हूँ। ओसाका, जिन्होंने 2019 और 2021 में ऑस्ट्रेलियन ओपन और 2018 और 2020 में यूएस ओपन जीता, ग्रैंड स्लैम जीतने वाली पहली जापानी खिलाड़ी हैं और एकल की शीर्ष रैंकिंग हासिल करने वाली एशिया की पहली खिलाड़ी हैं, उन्होंने जनवरी 2019 में नंबर 1 स्थान हासिल किया, जिसे उन्होंने 21 सप्ताह तक अपने पास रखा। 27 अक्टूबर से 3 नवंबर तक होने वाले डब्ल्यूटीए 250 टूर्नामेंट में रूस की डायना श्नाइडर और अनास्तासिया पोटापोवा, कनाडा की गत चैंपियन लेयला फर्नांडीज, दो बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन और रोमानिया की पूर्व विश्व नंबर 1 सिमोना हालेप और ब्रिटेन की सर्वोच्च रैंकिंग वाली खिलाड़ी केटी बौल्टर जैसे सितारे शामिल होंगे। चीन की पेरिस ओलंपिक मिश्रित युगल रजत पदक विजेता वांग झिन्यू और उभरते सितारे युआन यू और वांग झियू भी मैदान में उतरेंगे।

क्लार्क ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज के रूप में बैनक्रॉफ्ट का समर्थन किया

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान माइकल क्लार्क ने 31 वर्षीय कैमरून बैनक्रॉफ्ट को टेस्ट टीम में वापस बुलाने का समर्थन किया है। उन्होंने भारत के खिलाफ आगामी पांच मैचों की श्रृंखला में ऑस्ट्रेलिया के लिए सलामी बल्लेबाज के रूप में इस 31 वर्षीय खिलाड़ी को शामिल करने का सुझाव दिया है। ऑलराउंडर कैमरून ग्रीन की पीठ के निचले हिस्से में तनाव फ्रैक्चर की चोट के कारण बैनक्रॉफ्ट को भारत के खिलाफ 22 नवंबर से पर्थ में शुरू होने वाली महत्वपूर्ण बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए टेस्ट टीम में वापस बुलाने का मौका मिल सकता है। क्लार्क ने स्काई के बिग स्पोर्ट्स ब्रेकफास्ट पर कहा, 'मुझे नहीं लगता कि दो मैचों के लिए किसी को चुनना उचित है। यही बात मैंने सैम कोंस्टास के बारे में भी कही है। मुझे लगता है कि वह बहुत प्रतिभाशाली खिलाड़ी है और मुझे अच्छा लगा कि उसने इस सत्र की शुरूआत बहुत अच्छी की है, लेकिन सिर्फ. इसलिए कि आपने दो शतक बनाए हैं, इसका मतलब यह नहीं है कि आप किसी ऐसे खिलाड़ी को बाहर कर दें जिसने पिछले चार सालों में 12 शतक बनाए हैं, जैसे कि बैनक्रॉफ्ट या हैरिस।' 'वे लंबे समय से प्रथम श्रेणी क्रिकेट खेल रहे हैं, उन्होंने अगली पंक्ति में आने का अधिकार अर्जित किया है। उन्होंने कहा, 'अगर मैं ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम का कप्तान होता और मुझे नहीं पता होता कि पहले टेस्ट मैच में कौन ओपनिंग कर रहा है, तो मुझे बहुत निराशा होती।' शेफील्ड शील्ड के पिछले कुछ सत्रों में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बैनक्रॉफ्ट आगामी सीरीज में ऑस्ट्रेलिया की तरफ से ओपनिंग करने के लिए मैथ्यू रेनशॉ और मार्कस हैरिस के साथ शामिल हैं।

पुणे टेस्ट के लिए पूरी तरह फिट हो सकते हैं गिल और पंत : डेशकाटे

पुणे, एजेंसी। ऋषभ पंत और शुभमन गिल पुणे टेस्ट के लिए लगभग पूरी तरह से फि ट हैं। टेस्ट से दो दिन पहले भारत के सहायक कोच रायन टेन डेशकाटे ने ये संकेत दिए। भारत यह भी उम्मीद कर रहा है कि पंत विकेटकीपिंग के लिए भी फि ट हों।

बेंगलुरू टेस्ट के दूसरे दिन पंत एक स्टंपिंग करते वक़्त अपना घुटना चोटिल कर बैठे थे। इसके बाद पूरे मैच में ध्रुव जुरेल ने कीपिंग का ज़िम्मा संभाला था। हालांकि पंत बल्लेबाजी के लिए आए थे और बेहतरीन 99 रनों की पारी खेली थी। लेकिन दूसरी पारी में जुरेल फिर से कीपिंग के लिए आए और पूरी पारी की दौरान कीपिंग की। वहीं गले में जकड़न के कारण गिल भी बेंगलुरू टेस्ट नहीं खेल पाए थे।

डेशकाटे ने कहा, 'ऋषभ ठीक हैं और ऐसा पिछले दिन रोहित (शर्मा) ने भी आप लोगों को बताया था। हालांकि उनके घुटने में थोड़ी तकलीफ थी, लेकिन हम उम्मीद कर रहे हैं कि वह टेस्ट में कीपिंग कर पाएंगे। वहीं गिल ने बेंगलुरू में नेट्स किया था, मुझे उम्मीद है कि वह भी टेस्ट के लिए पूरी तरह से फि ट होंगे।' भारत बेंगलुरु में पहला टेस्ट आठ विकेट से हारकर तीन मैचों की सीरीज में 0-1 से पिछड़ गया है।

दूसरा टेस्ट भी नहीं खेलेंगे विलियमसन, तीसरे टेस्ट तक फिट होने की उम्मीद

पुणे, एजेंसी। न्यूजीलैंड के बल्लेबाज केन विलियमसन जांघ की चोट के कारण भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट में भी अनुपलब्ध रहेंगे, जो कि 24 अक्टूबर से पुणे में शुरू होगा। विलियमसन को यह चोट पिछले महीने श्रीलंका दौरे के दौरान लगी थी। उनकी जगह बेंगलुरु टेस्ट में विल यंग ने ली थी और 33 तथा नाबाद 48 रन की पारियां खेली थी।

न्यूजीलैंड के कोच गैरी स्टीड ने कहा, 'हम केन की चोट को मॉनीटर कर रहे हैं। वह सही दिशा में बढ़ रहे हैं, लेकिन अभी भी पूरी तरह से फिट नहीं हैं। हम उनके तीसरे मैच तक पूरी तरह से फिट होने की उम्मीद कर रहे हैं।' न्यूजीलैंड फिलहाल तीन मैचों की सीरीज में 1-0 से आगे है।

न्यूजीलैंड की भारत पर बेंगलुरु में पहले टेस्ट में जीत 1988 के बाद एशियाई देश में उनकी पहली जीत थी और इससे वे मौजूदा विश्व टेस्ट चैंपियनशिप स्टैंडिंग में चौथे स्थान पर पहुंच गए। हार के बावजूद भारत स्टैंडिंग में शीर्ष स्थान पर बना हुआ है, जिसके परिणामस्वरूप दूसरे स्थान पर मौजूद ऑस्ट्रेलिया और तीसरे स्थान पर मौजूद श्रीलंका से उनकी बढ़त कम हो गई है। भारत के खिलाफ दूसरा टेस्ट गुरुवार को पुणे में शुरू होगा।

न्यूजीलैंड की टीमः टॉम लैथम (कप्तान), टॉम ब्लंडेल (विकेटकीपर), मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे, जैकब डफी, मैट हेनरी, डेरिल मिशेल, विल ओ'रूर्के, एजाज पटेल, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, मिशेल सेंटनर, ईश सोढी, टिम साउदी, केन विलियमसन, विल यंग

अनुशासन और फिटनेस के मुद्दे पर मुंबई की टीम से बाहर हुए पृथ्वी शॉ

मुंबई, एजेंसी। युवा सलामी बल्लेबाज पृथ्वी शॉ को आगामी रणजी ट्रॉफी मैच के लिए मुंबई की टीम से बाहर कर दिया गया है। उनकी जगह बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज अखिल हेरवाडकर को शामिल किया गया है, जिन्होंने 41 रणजी मैच खेले हैं।

सोमवार को घोषित टीम में एक और उल्लेखनीय बदलाव तनुश कोटियन का बाहर होना है, जिन्हें ऑस्ट्रेलिया जाने वाली भारत ए टीम में चुना गया है। उनकी जगह 28 वर्षीय बाएं हाथ के स्पिनर करश कोठारी को लाया गया है।

मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) द्वारा टीम के चयन के बारे में जारी मीडिया विज्ञप्ति में शॉ की अनुपस्थिति का कारण नहीं बताया गया है, लेकिन इसे 24 वर्षीय सलामी बल्लेबाज के लिए एक सूक्ष्म चेतावनी के रूप में देखा जा रहा है, जिसका अनुशासन संबंधी मुद्दों का इतिहास रहा है। माना जाता है कि संजय पाटिल (अध्यक्ष), रवि ठाकर, जीतेंद्र ठाकरे, किरण पोवार और विक्रांत येलिगेटी वाली मुंबई चयन समिति ने महसूस किया है कि शॉ को कम से कम एक मैच के लिए बाहर रखा जाना चाहिए।

यह अनुमान लगाना अभी जल्दबाजी होगी कि उन्हें अगले मैच के लिए वापस बुलाया जाएगा या नहीं, लेकिन चयनकताओं और टीम प्रबंधन दोनों का मानना है कि यह बहिष्कार सलामी बल्लेबाज के लिए एक सबक हो सकता है, जो जाहिर तौर पर नेट्स और अभ्यास सत्रों में अनियमित रहे हैं।

क्रिकबज के अनुसार, मुंबई टीम के चयनकताओं और टीम प्रबंधन का मानना है कि शॉ का वजन पहले से ही अधिक है। यह भी देखा गया है कि वह नेट अभ्यास सत्रों को गंभीरता से नहीं लेते हैं और उनमें अनियमित रूप से शामिल होते हैं। जबकि टीम में शामिल अन्य भारतीय खिलाड़ी, जैसे श्रेयस अय्यर, शार्दुल ठाकुर और यहां तक कि कप्तान अजिंक्य रहाणे भी अपने अभ्यास में लगातार शामिल हो रहे हैं, शॉ लगातार अभ्यास सत्र छोड़ रहे हैं - कभी-कभी सस्ते में आउट होने के बाद भी वह हर दो सत्र छोड़ देते हैं।

शॉ ने पांच टेस्ट, छह वनडे और एक ट्वेंटी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेला है। 2018 में राजकोट में वेस्टइंडीज के खिलाफ अपने डेब्यू टेस्ट में शतक बनाने के बाद उन्हें मैन ऑफ द मैच चुना गया था। हालांकि, क्रिकेट से बिल्कुल भी संबंधित नहीं होने वाले ऑफ-फील्ड मुद्दों ने उनके करियर को नीचे की ओर धकेल दिया है। इस सीजन में अब तक खेले गए दो रणजी मैचों में, उनका स्कोर 7 और 12 (बड़ौदा के खिलाफ), 1 और नाबाद 39 (महाराष्ट्र के खिलाफ) रहा है।

सीजन में अब तक खेले गए दो मैचों में से मुंबई ने एक में जीत दर्ज की है और एक में हार का सामना करना पड़ा है। मुंबई अपना अगला मैच 26 से 29 अक्टूबर तक अगरतला के एमबीबी स्टेडियम में त्रिपुरा से खेलेगी।

इंग्लैंड ने रावलपिंडी टेस्ट के लिए स्पिन तिकड़ी को चुना

रावलपिंडी, एजेंसी। इंग्लैंड ने पाकिस्तान के खिलाफ रावलपिंडी में होने वाले तीसरे और निर्णायक टेस्ट के लिए एक मजबूत स्पिन आक्रमण को उतारने का फैसला किया है, जिसमें जैक लीच और शोएब बशीर के साथ 19 वर्षीय रेहान अहमद भी शामिल है। इंग्लैंड के बल्लेबाज हैरी ब्रूक के अनुसार, यह निर्णय इसलिए लिया गया है क्योंकि पाकिस्तान में स्थानीय ग्राउंड स्टाफ ने जानबूझकर स्पिन की अनुकूल पिच को तैयार किया है।

मैच से पहले बोलते हुए ब्रूक ने पिच को लेकर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि परिस्थितियां थोड़ी अलग होंगी। पिछली बार हमने यहां बहुत सपाट पिच पर खेला था। इस पर बल्लेबाजी करना बहुत बढ़िया था और हमने अच्छी गति से रन बनाए थे। यह मैच शायद थोड़ा अलग होगा। हो सकता है कि यह पहले ही अपना मिजाज बदल ले।'

रेहान अहमद, जिन्होंने दो साल पहले कराची में पांच विकेट लेकर पाकिस्तान में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर धूम मचाई थी, फरवरी के बाद से इंग्लैंड के लिए अपना पहला मैच खेलने के लिए तैयार हैं। उस सीरीज में उनके प्रदर्शन ने इंग्लैंड के लिए ऐतिहासिक 3-0 की जीत सुनिश्चित की थी।

इन असफलताओं के बावजूद, इंग्लैंड रेहान की क्षमता को विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने अपने खेल, खासकर अपनी बल्लेबाजी पर काम करना जारी रखा है, इस गर्मी में काउंटी चैंपियनशिप में चार अर्धशतक दर्ज किए हैं। रेहान इंग्लैंड के निचले क्रम को मजबूत करेंगे, नंबर 9 पर बल्लेबाजी करेंगे, क्योंकि टीम रावलपिंडी में स्पिन की अनुकूल परिस्थितियों का फायदा उठाने की कोशिश करेगी।

तीसरे टेस्ट के लिए इंग्लैंड की प्लेइंग-11 : जैक क्रॉली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रूक, बेन स्टोक्स (कप्तान), जेमी स्मिथ (विकेटकीपर), गस एटकिंसन, रेहान अहमद, जैक लीच, शोएब बशीर।

पुणेरी पलटन ने पटना पायरेट्स को 40-25 से हराया

हैदराबाद, एजेंसी। कप्तान असलम इनामदार की अगुवाई में डिफेंडिंग चैंपियन पुणेरी पलटन ने तीन बार की चैंपियन पटना पायरेट्स को हराकर प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के 11वें सीजन में अपनी लगातार दूसरी जीत दर्ज कर ली। पुणेरी ने सोमवार रात गाचीबोवली इंडोर स्टेडियम में खेले गए सीजन के 8वें मैच में पटना को 40-25 से हरा दिया। पटना को सीजन के पहले ही मैच में हार का मुंह देखना पड़ा।

पुणेरी ने डिफेंस में 20 और रेड में 15 अंक बटोरे। पलटन के लिए असलम (9 अंक) के अलावा मोहित गोयत (8 अंक), डिफेंडर अमन (6 अंक) और गौरव खत्री (6) ने भी दमदार प्रदर्शन किया। पटना के लिए देवांक (6 अंक) के अलावा अंकित (6 अंक) और अयान (5 अंक) ही अंक जुटा पाए।

डिफेंडिंग चैंपियन पुणेरी पलटन ने मुकाबले में शानदार शुरूआत की और पहले तीन मिनट के अंदर की 4-0 की लीड बना ली। लेकिन तीन बार की चैंपियन पटना ने भी सुपर टैकल से अंक लेकर बेहतरीन आगाज किया। पायरेट्स ने डू ऑर डाई में मोहित गोयत को टैकल करके स्कोर को 4-4 की बराबरी पर ला दिया।

पुणेरी की टीम ने इसके बाद कप्तान असलम इनामदार के सुपर रेड के दम पर पहले 10 मिनट के खेल में खुद को 7-5 से आगे कर लिया। पहले हाफ के शुरूआती 10 मिनटों के अंदर असलम ने तीन और अमन ने डिफेंस में दो अंक जुटाए।

मौजूदा चैंपियन ने इसके बाद 13वें मिनट में जाकर पटना को मैच में पहली बार ऑलआउट कर दिया और स्कोर को 13-6 तक पहुंचा दिया। पटना की टीम सिर्फ डिफेंस में अंक ले पा रही थी और रेडिंग में शुभम शिंदे की टीम पीछे चल रही थी। पुणेरी पलटन ने यहां से लगातार अंक लेते हुए 15वें मिनट तक अपने स्कोर को 16-8 का कर दिया। असलम की टीम डिफेंस और रेडिंग के अलावा लगातार बोनस के जरिए भी अंक जुटा रही थी।

उधर, पुणेरी का डिफेंस लगातार दहाड़ रहा था और इसकी बदौलत टीम 17वें मिनट तक 18-8 से आगे हो गई। पलटन के डू ऑर डाई स्पेशलिस्ट मोहित गोयत ने भी मैच में अपना तीसरा अंक लेकर टीम की लीड को और मजबूत कर दिया। अगले ही मिनट में अमन ने अपने पीकेएल करियर का पांचवां हाई-फाइव भी पूरा कर लिया।

हाफ टाइम से पहले ही पटना एक बार फिर से ऑलआउट की कगार पर पहुंच गई। लेकिन पायरेट्स ने मोहित को सुपर टैकल करके खुद को ऑलआउट होने से बचा लिया। इसके बावजूद पुणेरी पलटन ने 20-10 से पहले हाफ को अपने पक्ष में रखा। पहले हाफ के अंदर ही जहां अमन ने अपना हाई फाइव पूरा किया तो वहीं कप्तान असलम ने सात अंक लिए।

सेकेंड हाफ के शुरू होने के बाद पटना एक बार फिर से ऑलआउट की कगार पर थी, लेकिन अयान ने असलम को बाहर कर दिया। पायरेट्स ने फिर सुपर टैकल करके अपनी वापसी का ऐलान कर दिया। पायरेट्स की वापसी की कोशिश के बावजूद पुणेरी की टीम 25वें मिनट तक 10 अंकों से आगे थी और उसका स्कोर 23-13 का था।

अगले ही मिनट में पुणेरी ने पटना को मैच में दूसरी बार ऑलआउट कर दिया और 12 अंकोंगे की लीड के साथ स्कोर को 27-15 तक पहुंचा दिया। पुणेरी की टीम 30वें मिनट तक 13 अंकों की लीड लेकर 31-18 से आगे हो गई। पुणेरी पलटन ने अंतिम 10 मिनट के खेल में भी अपना दबदबा जारी रखा और 36वें मिनट तक 14 अंकों की विशाल लीड कायम कर ली। पुणेरी ने इसके साथ ही 39-25 के

भूल भुलैया 3-सिंघम अगेन के टकराव से नाखुश हैं बज्मी? रोहित शेट्टी की फिल्म को लेकर कहा

निर्देशक अनीस बज्मी वर्तमान में अपनी फिल्म भूल भुलैया 3 की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। हॉरर कॉमेडी फ्रेंचाइजी की तीसरी किस्त में रूह बाबा के रूप में कार्तिक आर्यन की वापसी है। फिल्म में कार्तिक, विद्या बालन और माधुरी दीक्षित नेने के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करेंगे।

भूल भुलैया 3, 1 नवंबर, 2024 को अजय देवगन की फिल्म सिंघम अगेन के साथ टकराने के लिए तैयार है। इस टकराव पर अब अनीस बज्मी ने खुलकर बात की है। साथ ही अपने बयान से हर का ध्यान आकर्षित करते नजर आए हैं। एक हालिया इंटरव्यू में अनीस बज्मी ने कहा कि वह रोहित शेट्टी के निर्देशन में बनी फिल्म सिंघम अगेन को देखने वाले पहले व्यक्ति होंगे।
अनीस बज्मी ने साफ किया कि दो बड़ी फिल्में पहले भी एक ही दिन रिलीज हुई हैं और सफल भी रही हैं। उन्हें उम्मीद है कि भूल भुलैया 3 और सिंघम अगेन दोनों ही बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन करेंगी।
अनीस बज्मी ने कहा, मैं क्लैश जैसे शब्दों पर विश्वास नहीं करता। सिंघम अगेन से जुड़े बहुत से लोग मेरे दोस्त हैं। मुझे यकीन है कि उन्होंने जबर्दस्त एक्शन वाली एक महंगी फिल्म बनाई है। मैं सिंघम अगेन देखने वाला पहला व्यक्ति होऊंगा, और मुझे उम्मीद है कि दर्शक दोनों फिल्में देखेंगे। उसी बातचीत में, अनीस ने आगे खुलासा किया कि क्या उन्होंने भूल भुलैया 2 के बाद तीसरी किस्त में तब्बू को कास्ट करने पर विचार किया। निर्देशक ने कहा, तब्बू जी एक शानदार अभिनेत्री और मेरी प्रिय मित्र हैं। भूल भुलैया 2 की सफलता में उनके प्रदर्शन की बहुत बड़ी भूमिका थी। लेकिन वह बिंदु जहां मैंने उनके किरदार को छोड़ दिया था, उसे आगे ले जाना उचित नहीं होगा। आकाश कौशिक द्वारा लिखित और अनीस बज्मी द्वारा निर्देशित भूल भुलैया 3 दिवाली 2024 के मौके पर सिनेमाघरों में दस्तक देगी। फिल्म में कार्तिक आर्यन के अलावा, विद्या बालन, माधुरी दीक्षित, राजपाल यादव, तृप्ति डिमरी, विजय राज, संजय मिश्रा और अश्विनी कालसेकर जैसे सितारे भी मुख्य भूमिका में हैं। कथित तौर पर भूल भुलैया 3 का बजट 150 करोड़ रुपये है।

आलिया भट्ट ने कृति सेनन को उनके प्रोडक्शन की पहली फिल्म दो पत्ती के लिए दी बधाई

आलिया भट्ट फिलहाल जिगरा में नजर आ रही हैं, जिसमें उनके साथ वेदांग रैना भी मुख्य भूमिका में नजर आ रहे हैं। फिल्म को मिले-जुले रिव्यू मिल रहे हैं। इस बीच आलिया ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर कृति सेनन को उनके प्रोडक्शन की पहली फिल्म दो पत्ती के लिए बधाई दी और साथ ही एक खास नोट भी लिखा। हाल ही में मेकर्स ने दो पत्ती का ट्रेलर रिलीज किया। प्रशंसकों को दो पत्ती का सस्पेंस से भरपूर ड्रामा काफी पसंद आ रहा है। आलिया ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर ट्रेलर साझा किया और लिखा, आपके पहले प्रोडक्शन के लिए बधाई-कृति सेनन। इसे देखने के लिए अब और इंतजार नहीं कर सकती। दो पत्ती इस साल की सबसे प्रतीक्षित रिलीज में से एक है। इस फिल्म में काजोल एक पुलिस अधिकारी की भूमिका निभाती नजर आएंगी, जबकि कृति इस फिल्म में डबल रोल में नजर आएंगी। शशांक चतुर्वेदी द्वारा निर्देशित, दो पत्ती को कृति और कनिका ढिल्लन द्वारा समर्थित किया गया है। देवीपुर में सेट, दो पत्ती रहस्य, रोमांच और ड्रामा से भरपूर एक मर्डर मिस्ट्री के इर्द-गिर्द घूमती है। काजोल एक पुलिस वाली की भूमिका में हैं, जिसे एक मर्डर मिस्ट्री को सुलझाने का काम सौंपा जाता है, जैसे-जैसे ट्रेलर आगे बढ़ता है, दर्शकों को कृति की सौम्या और शहीर शेख की ध्रुव से मिलवाया जाता है। यह जोड़ा एक-दूसरे से बहुत प्यार करता है, लेकिन जब सौम्या की जुड़वां बहन तस्वीर में आती है तो कहानी एक अलग मोड़ लेती है। उनके निजी और वैवाहिक जीवन में तबाही मचा जाती है, जिससे चीजें बिगड़ जाती हैं। कहानी इस बात के इर्द-गिर्द घूमती है कि कैसे ध्रुव को हत्या के प्रयास के मामले में गिरफ्तार किया जाता है और कैसे काजोल जुड़वां बहनों के मामले को सुलझाती है। दो पत्ती से कृति और कनिका ढिल्लन ने निर्माता के रूप में अपनी शुरुआत की हैं। कनिका ने एक इंटरव्यू में कहा, दो पत्ती एक बहुत ही खास प्रोजेक्ट है और अपने दर्शकों को एक बेहतरीन कहानी देने से बड़ी संतुष्टि और कुछ नहीं हो सकती, जो रोमांचकारी और देखने में काफी दिलचस्प हो। इस फिल्म में आप कृति को एक ऐसे अवतार में देखेंगे, जो रोमांच से भरा होगा, जिसे आपने पहले कभी अनुभव नहीं किया होगा। वहीं काजोल को लेखक-निर्माता के रूप में देखना बहुत खुशी की बात है।

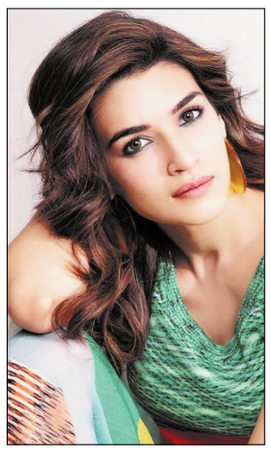

श्रद्धा कपूर नहीं कियारा आडवाणी और शरवरी वाघ होंगी धूम 4 का हिस्सा

धूम फ्रेंचाइजी की चौथी किस्त धूम 4 उत्साह की लहर पैदा कर रही है। हालांकि, आधिकारिक घोषणा का अभी भी इंतजार है। रणबीर कपूर के एक्शन से भरपूर फ्रेंचाइजी में शामिल होने की अफवाहों के साथ यह फिल्म कई महीनों से चर्चा का विषय बनी हुई है। शुरुआती रिपोर्टों में सुझाव दिया गया था कि श्रद्धा कपूर को उनकी को-स्टार के रूप में लिया जा सकता है, जिससे चर्चा पैदा हो सकती है। यह जोड़ी साल 2023 में तू झूठी मैं मक्कार में अपनी ऑन स्क्रीन केमिस्ट्री से धमाल मचा चुकी है। हालांकि, नवीनतम अफवाहें एक अलग कास्टिंग लाइनअप का सुझाव देती हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, श्रद्धा कपूर अब धूम 4 की दौड़ में नहीं हैं। श्रद्धा के बजाए कियारा आडवाणी और शरवरी वाघ को फिल्म की प्रमुख महिलाओं के रूप में माना जा रहा है। इसमें एक अभिनेत्री कॉप और दूसरी खलनायक की भूमिका में नजर आएंगी। रिपोर्ट से ये साफ नहीं हो सका है कि कौन सी अभिनेत्री पुलिसवाली और कौन सी खलनायक की भूमिका निभाएंगी। वहीं, इन रिपोर्ट्स पर अभी आधिकारिक मुहर लगना भी बाकी है।

सोशल मीडिया यूजर्स ने दी प्रतिक्रिया

प्रशंसकों ने अपनी राय व्यक्त करने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया, कुछ ने शरवरी वाघ की संभावित भागीदारी के लिए उत्साह दिखाया, जबकि अन्य ने कियारा आडवाणी की कास्टिंग पर निराशा व्यक्त की। एक यूजर ने कियारा की आलोचना करते हुए कहा कि उनकी लोकप्रियता के बावजूद उनकी भूमिकाओं में दोहराव महसूस होता है। दूसरी ओर, ऐसा लगता है कि शरवरी के नाम पर अधिक सकारात्मक प्रतिक्रियाएं आई हैं, कई लोग उन्हें धूम जैसी प्रमुख फ्रेंचाइजी में देखने के लिए उत्सुक हैं।

पिता मुकेश गौतम के लिए बेहद खुश और भावुक हैं यामी गौतम

अभिनेत्री यामी गौतम अपने पिता मुकेश गौतम के राष्ट्रीय पुरस्कार जीतने से बेहद खुश हैं। सोशल मीडिया पर अपने पिता की प्रशंसा करने के बाद अभिनेत्री ने गुरुवार को इंस्टाग्राम पर पिता के साथ राष्ट्रीय पुरस्कार के साथ दो तस्वीरें शेयर की हैं। तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कर यामी गौतम ने बताया कि वह अपने पिता के राष्ट्रीय पुरस्कार पाने पर काफी खुश हैं। इसके साथ ही वह इस पल को लेकर वह भावुक भी हैं। यामी गौतम के पिता मुकेश गौतम ने अपनी फिल्म बागी दी धी के लिए सर्वश्रेष्ठ पंजाबी फीचर फिल्म का राष्ट्रीय पुरस्कार जीता है। सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा कर अभिनेत्री ने कैप्शन में एक लंबा नोट भी लिखा 'काश मैं बता पाती कि इस समय मेरा दिल कितना खुश और भावुक है।' 'मेरे पिता मुकेश गौतम का राष्ट्रीय पुरस्कार जीतना, इस बात का सच्चा प्रमाण है कि समय की कसौटी पर खरा उतरने और इसे साकार करने के लिए आपको किसी और की नहीं बल्कि अंतरात्मा की जरूरत होती है।' 'मेरे पिता की नैतिकता, काम के प्रति जुनून और जीवन में ईमानदारी उनकी सबसे बड़ी संपत्ति है और उनके बच्चों के लिए सबसे महत्वपूर्ण विरासत भी है।' यामी ने बताया 'मेरे सबसे अच्छे मार्गदर्शक होने से लेकर ट्रेन में अकेले चढ़ने के लिए सबसे स्पष्ट निर्देश देना हो, सफर के दौरान उनके कुछ सबसे यादगार अनुभव, चाहे कितनी भी कठिन परिस्थितियां रही हों, अपना सर्वश्रेष्ठ देने की क्षमता, हर हाल में खुश रहना हमें आपने ही सिखाया।

सेंसर बोर्ड से पास हुई कंगना रनौत की इमरजेंसी, जल्द होगा प्रदर्शन तिथि का ऐलान

कंगना रनौत की फिल्म इमरजेंसी को लेकर हुए विवाद की वजह से फिल्म की रिलीज टाल दी गई थी। ये फिल्म 6 सितंबर को रिलीज होनी थी लेकिन सिख समुदाय की आपत्ति की वजह से इसे टाल दिया गया था। मामला कोर्ट में था। हालांकि, अब कंगना और उनके फैंस के लिए खुशी की खबर ये है कि फिल्म को सेंसर बोर्ड ने हरी झंडी दे दी है। फिल्म की रिलीज की तारीख अब जल्द ही तय होगी। कंगना रनौत ने एक्स पर पोस्ट कर बताया है कि फिल्म को सेंसर बोर्ड से सर्टिफिकेट मिल गया है। उन्होंने खुशी जाहिर करते हुए लिखा, हमें ये बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि हमें सेंसर बोर्ड से हमारी फिल्म इमरजेंसी के लिए सर्टिफिकेट मिल गया है। हम जल्द ही फिल्म की रिलीज डेट की घोषणा करेंगे। आपके सब्र और सपोर्ट के लिए शुक्रिया। फिल्म का ट्रेलर रिलीज कर ये बताया गया था कि फिल्म 6 सितंबर को रिलीज होगी। लेकिन फिल्म पर सिख समुदाय ने आपत्ति की थी, जिसके बाद फिल्म की रिलीज को टाल दिया गया था। मामला मध्य प्रदेश की हाईकोर्ट तक पहुंच गया। इसके बाद फिल्म की रिलीज पर रोक लगा दी गई। जानकारी के मुताबिक सेंसर बोर्ड ने फिल्म को सर्टिफिकेट देने के लिए कुछ शर्तें भी रखी थीं, और कुछ सीन में आपत्ति जताते हुए मेकर्स को कुछ उनमें बदलाव के लिए सुझाव भी दिए थे।

अंकिता लोखंडे ने बताया सेल्फ लव है सबसे बेहतरीन

टीवी जगत की खूबसूरत अभिनेत्री अंकिता लोखंडे ने हाल ही में साड़ी में सोशल मीडिया पर तस्वीरें साझा की हैं। लेटेस्ट पोस्ट में उन्होंने एक वीडियो शेयर की है। पवित्र रिश्ता की अर्चना ने बताया कि सेल्फ लव सबसे बेहतरीन तरह का प्यार है। इंस्टाग्राम अकाउंट पर वीडियो साझा कर पवित्र रिश्ता से घर-घर लोकप्रिय हुई अंकिता लोखंडे ने कैप्शन में लिखा 'सेल्फ लव सबसे बेहतरीन तरह का प्यार है, मैं जैसी हूं, बिल्कुल वैसी ही हूं और सेल्फ लव मुझ पर अच्छा लगता है। साथ ही उन्होंने लिखा, सेल्फ लव स्वार्थ नहीं है, यह महत्वपूर्ण है और सेल्फ लव मुझ पर अच्छा लगता है। साड़ी के साथ अंकिता ने मुलायम, कर्ल बालों को स्टाइल किया, जो उन पर काफी फब रहा है। वीडियो के अलावा अंकिता ने कुछ खूबसूरत साड़ी की तस्वीरें भी साझा कीं, इसमें एक्ट्रेस पोज देती नजर आ रही हैं। तस्वीरों में टीवी कलाकार खूबसूरत लग रही हैं। सोशल मीडिया पर प्रशंसक अंकिता की तस्वीरों को काफी पसंद कर रहे हैं। प्रशंसकों ने कमेंट सेक्शन को अंकिता लोखंडे की प्रशंसा से भर दिया। वर्ष 1984 में जन्मीं अंकिता लोखंडे को पवित्र रिश्ता से घर-घर पहचान मिली। शो में उनका नाम अर्चना था और उनके साथ लीड रोल में सुशांत सिंह राजपूत थे।

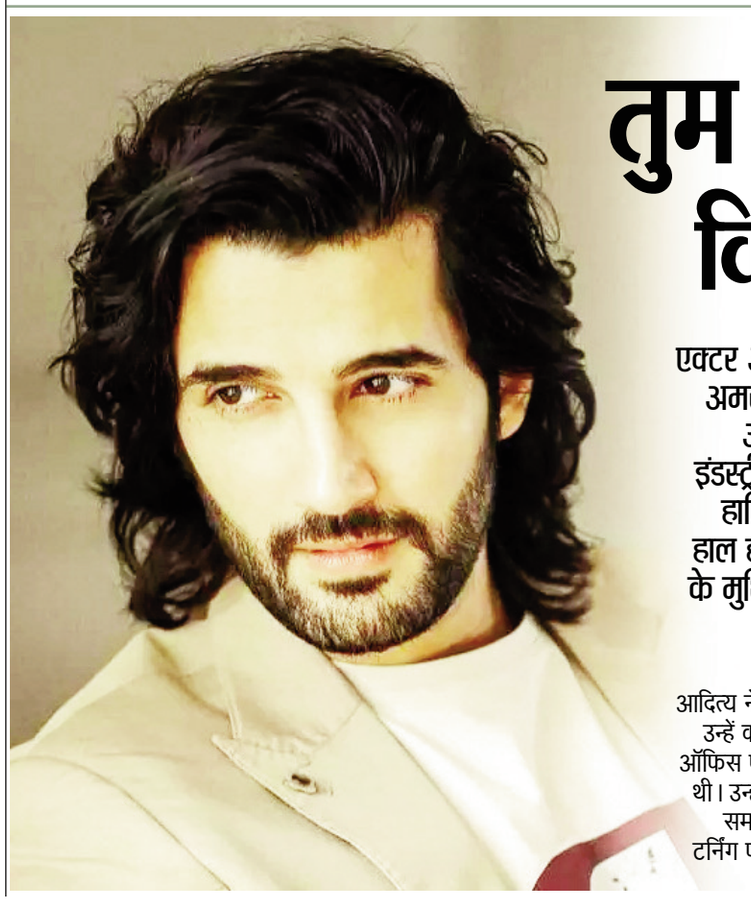

तुम बिन 2 से उम्मीदें थीं, किस्मत ने साथ नहीं दिया

एक्टर आदित्य सील हाल ही में फिल्म अमर प्रेम की प्रेम कहानी में नजर आए। एक्टर की मानें तो फिल्म इंडस्ट्री में टिके रहना और कामयाबी हासिल करना आसान नहीं होता। हाल ही में आदित्य ने अपने करियर के मुश्किल पलों, असफलताओं और सक्सेस के सफर पर बात की।

तुम बिन 2 से उन्हें काफी उम्मीदें थीं

आदित्य ने बताया कि उनकी फिल्म तुम बिन 2 से उन्हें काफी उम्मीदें थीं, लेकिन फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर वो कमाल नहीं किया जिसकी उम्मीद थी। उन्होंने कहा, जब तुम बिन 2 आई, तो उस समय मुझे लगा था कि अब मेरे करियर का टर्निंग पॉइंट आ गया है। फिल्म में सबकुछ सही था ङ्क हमारे डायरेक्टर अनुपम सिन्हा थे, प्रोड्यूसर टी-सीरीज था, म्यूजिक भी बहुत बढ़िया था। पुराना गाना तेरी फरियाद भी रीक्रिएट किया गया था। लेकिन बदकिस्मती से, फिल्म नोटबंदी के समय रिलीज हुई। इसका हमें बड़ा नुकसान हुआ। उस वक्त, मुझे लगा कि किस्मत ने साथ नहीं दिया, जबकि फिल्म में मेरा परफॉर्मेंस अच्छा था।

फिल्म रिलीज के बाद का स्ट्रगल

तुम बिन 2 के बाद रिजेक्शन से निपटना आदित्य के लिए कठिन रहा। उन्होंने कहा, उस फिल्म से मेरे परिवार और मुझसे बहुत उम्मीदें थीं। मैं सोच रहा था कि अब शायद ऑडिशन देने की जरुरत नहीं पड़ेगी, और काम आसानी से मिलना शुरू हो जाएगा। लेकिन जब ऐसा नहीं हुआ, तो मुझे समझ नहीं आया कि कैसे डील करूं। घर पर रहना और परिवार से बात करना मुश्किल हो गया था। मैं पूरा दिन बाहर रहता था, रात को देर से घर आता था ताकि मां-पापा से सामना न हो। मुझे डर था कि कहीं घरवालों में से कोई कह दे कि हमने गलत फैसला लिया, और ये बात मुझे तोड़ देती।

उस वक्त किसी भी तरह का निगेटिविटी नहीं झेल सकता था

उन्होंने आगे कहा, मैं पूरा दिन घर से बाहर रहता, सड़कों पर घूमता या दोस्तों को कॉल करता। अगर कोई फ्री होता, तो मिल लेता। नहीं तो गाड़ी में बैठकर कहीं कुछ खाने चला जाता। मुझे पता था कि घर जाना मतलब रिजेक्शन सुनना। मैं उस वक्त किसी भी तरह का निगेटिविटी नहीं झेल सकता था। लेकिन मुझे ये भी पता था कि कुछ और मुझे करना नहीं आता, और एक्टिंग ही मेरी जिंदगी है। मेरी मां बहुत चिंता करती थीं, लेकिन पापा ने मुझे समझाया कि मैं अच्छा काम कर रहा हूं और मुझे बस लगे रहना चाहिए। पापा के इन शब्दों ने मुझे वो हिम्मत दी, जिसकी मुझे सख्त जरूरत थी। उन्होंने कहा कि तू बस अपना काम करता रह, बाकी चीजों की टेंशन मत ले। ये सुनने के बाद मैंने खुद को संभाला और फिर से कोशिश शुरू की।

स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2 बना टर्निंग पॉइंट

आदित्य के करियर का सबसे बड़ा टर्निंग पॉइंट स्टूडेंट ऑफ़ द ईयर 2 साबित हुआ। इस फिल्म को हासिल करने का उनका सफर भी काफी दिलचस्प रहा। उन्होंने कहा, जब स्ह्रञ्ज 2 की कास्टिंग चल रही थी, तो मुझे लगा था कि किसी और को कास्ट कर लिया गया है। मुझे ऑडिशन पाने के लिए भी काफी मेहनत करनी पड़ी। लेकिन जब मुझे ऑडिशन का मौका मिला, तो मैंने पूरी मेहनत से दिया। फिर पुनीत मल्होत्रा (डायरेक्टर) से मिला, और उन्होंने मेरा ऑडिशन देखकर कहा कि मुझे पसंद आया, लेकिन आखिर फैसला करण जौहर का होगा।

करण जौहर का फैसला

आदित्य ने बताया कि कुछ दिन बाद न्यूज में पढ़ा कि किसी और एक्टर को कास्ट कर लिया गया है। उन्होंने पुनीत और करण सर को मैसेज किया और कहा कि अगर ऐसा है तो मुझे साफ-साफ बता दीजिए। लेकिन करण ने जवाब दिया, तू फाइनल है मेरे लिए। उस वक्त पेपर पर साइन नहीं हुए थे, लेकिन करण सर के उस एक लाइन ने मुझे बहुत राहत दी।

स्क्रीन पर खलनायक बनने का सपना

आदित्य ने अपने ड्रीम रोल के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा, मैं संजय दत्त साहब की फिल्म खलनायक के बल्लू बलराम वाले रोल से बहुत इंस्पायर हूं। मुझे हमेशा से वो किरदार करना है। बचपन से ही इस रोल को देखकर बड़ा हुआ हूं, और ये मेरा ड्रीम रोल है।